नई दिल्ली। शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 233/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कोलंबो टेस्ट : सोनल दिनुषा ने जड़ा लगातार... @ विचार भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, बदलते समय और रक्षा... @ व्यापार लगातार दूसरे दिन गिरा बाजार, सेंसेक्स 539 अंक...

नेपाल में फिर बाढ़ का खतरा

चीन ने चेताया बन रहा 'वॉटर बम', भारत के लिए अलर्ट

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल में खतरा अभी टला नहीं है। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया कि नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी के उद्गम स्थल के पास एक नई झील बनने के बाद नदी के निचले इलाकों में बाढ़ का नया खतरा पैदा हो गया है। चीनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यह झील जल्द ही टूट सकती है।

जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि उसे चीनी की ओर से नेपाल-चीन सीमा के पास नदी के अवरुद्ध होने वाली जगह पर एक झील बनने की जानकारी मिली है। विभाग के अनुसार, चीनी सरकार ने यह जानकारी नेपाल के विदेश मंत्रालय को दी थी।

चीन ने बताया मिशन 'वाटर बम'

चीनी अधिकारियों का अनुमान है कि गुरुवार सुबह तक झील में लगभग 20 लाख (2 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया था, और अगले तीन दिनों में इसमें 30 लाख (3 मिलियन) क्यूबिक मीटर और पानी आ सकता है, जिससे इसके टूटने की चिंता बढ़ गई है। यह झील नेपाल में छोचेन खोला और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास बनी है। ये दोनों नदियाँ तिब्बत से निकलती हैं और नेपाल में बहती हैं, जहाँ वे भोटे कोशी नदी प्रणाली का हिस्सा बनती हैं। यह घटनाक्रम मध्य नेपाल में आई विनाशकारी अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) के एक दिन बाद हुआ है, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

डीएचएम के बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग ने चेतावनी दी है कि भोटे कोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्रों में एक और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। विभाग ने लोगों से नदियों से दूर रहने और अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने का आग्रह किया है।

चीन ने झील टूटने से बाढ़ की चेतावनी दी

विभाग ने भोटे कोशी नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से एहतियाती उपाय करने और नदी के किनारों से दूर रहने को भी कहा है। संभावित खतरे को देखते हुए यात्रियों, सुरक्षा कर्मियों और खोज एवं बचाव कार्यों में शामिल लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

चीनी अधिकारी झील पर नज़र रख रहे हैं और बाढ़ सिमुलेशन तथा जोखिम का आकलन कर रहे हैं ताकि झील के टूटने के संभावित परिणामों का पता लगाया जा सके और आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारी की जा सके।

इस बीच, नेपाल की सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने द्वारा गुरुवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में, विभिन्न दलों के राजनीतिक नेताओं ने सीमा-पार ग्लेशियर से जुड़े खतरों से निपटने के लिए चीन के साथ राजनयिक बातचीत का आह्वान किया और एक मजबूत आपदा प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने की सिफारिश की।

उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट

नेपाल में भारी तबाही के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार प्रशासन ने कई जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में यूपी के महाराजगंज और कुशीनगर वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, वैशाली गोपालगंज जिले शामिल है।

नेपाल बाढ़ में मृतकों की संख्या 270 800 लोगों से नहीं हो पाया संपर्क

नेपाल पुलिस ने गुरुवार दोपहर पुष्टि की कि बुधवार को आए विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या 270 तक पहुंच गई है और नदी के बहाव की दिशा में पड़ने वाले कई जिलों से अभी भी शव बरामद किए जा रहे हैं। चीन के तिब्बती इलाके से शुरू हुई जबरदस्त बाढ़ सीमा पार बहने वाली भोटेकोशी नदी से होते हुए नेपाल में तबाही मचाती हुई गुजरी। पुलिस के अनुसार, सबसे ज्यादा 108 शव दक्षिणी मैदानी इलाकों के चितवन जिले से बरामद किए गए, इसके बाद नवलपरासी ईस्ट से 62, धाडिंग से 27 और रसुवा से 17 शव मिले।

विश्व केसरी खबर झरोखा

प्रधानमंत्री मोदी का किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29-30 अगस्त को द्विपक्षीय यात्रा पर उज्बेकिस्तान और 31 अगस्त से 1 सितंबर तक 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए किर्गिज गणराज्य की यात्रा करेंगे।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 29-30 अगस्त 2026 को ताशकंद की राजकीय यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। दोनों नेता व्यापार और निवेश, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा, शिक्षा और जन-जन संपर्क क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा करेंगे और भविष्य की कार्ययोजना निर्धारित करेंगे। वे 2047 में विकसित भारत और 2030 में उज्बेकिस्तान के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर भी अपने विचार साझा करेंगे।

भाजपा मुख्यालय में महामंत्रियों की पहली बैठक, आगामी विधानसभा चुनावों पर मंथन

भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिवों के साथ पहली संगठनात्मक बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। भाजपा के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए लिखा गया, 'भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिवों के साथ पहली संगठनात्मक बैठक की। इस बैठक में संगठन की तैयारियों, विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और रणनीतिक रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।' बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की भावी कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए संगठनात्मक तैयारियों और रूपरेखा पर भी मंथन किया गया।

ब्रिटेन के तीन बड़े एयरपोर्ट्स पर बड़ा साइबर हमला, लीक हो गए 87 लाख यात्रियों का पर्सनल डेटा

ब्रिटेन के तीन प्रमुख हवाई अड्डों मैनचेस्टर, लंदन स्टैनस्टेड और ईस्ट मिडलैंड्स पर एक बड़े साइबर हमले की खबर सामने आई है। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में हैकर्स ने लगभग 87 लाख ग्राहकों का व्यक्तिगत डेटा चुरा लिया है। इन तीनों एयरपोर्ट्स का संचालन करने वाले मैनचेस्टर एयरपोर्ट्स ग्रुप ने इस घटना की पुष्टि की है।एमएजी के अनुसार, जो जानकारी लीक हुई है उसमें ग्राहकों के ईमेल पते, फोन नंबर, गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन नंबर और पोस्टकोड शामिल हैं।

ममता साहू सहित 3 इन नेताओं को कैबिनेट और गौरीशंकर श्रीवास सहित 15 को राज्य मंत्री का दर्जा

छत्तीसगढ़ सरकार ने निगम-मंडल और विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष-उपाध्यक्षों को मंत्री का दर्जा देने का आदेश जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक यह दर्जा तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप : जर्मनी को 3-1 से रौंदकर भारत ने हासिल किया 5वां स्थान

एजेंसी ■ एमस्टेलवीन

एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में गुरुवार को 5वें-6वें स्थान के लिए हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने जर्मनी को 3-1 से मात देकर अपने ऐतिहासिक अभियान का समापन किया। दुनिया की पांचवें स्थान की टीम जर्मनी के खिलाफ इस शानदार जीत के साथ भारत को पांचवां स्थान मिला। यह साल 1974 में खेले गए पहले विमेंस वर्ल्ड कप के बाद से एफआईएच वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। उस विश्व कप में भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी। गुरुवार को नीदरलैंड के

एमस्टेलवीन में खेले गए इस मैच के शुरुआती 30 मिनट तक कोई गोल नहीं हो सका, लेकिन तीसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार आक्रामक खेल दिखाया। नवनीत कौर ने 2 और इशिका ने 1 गोल करके यादगार जीत सुनिश्चित की। शुरुआत में दोनों टीमों ने सावधानी बरती, हालांकि इस बीच जर्मनी का बॉल पर अधिक कब्जा रहा, लेकिन धीरे-धीरे भारत ने अपनी लय पकड़ी। 11वें मिनट में जर्मनी गोल के करीब पहुंची। जोहाना हैचेनबर्ग ने रिवर्स हिट की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंडर ने समय रहते उसे रोक दिया।

ई20 पेट्रोल को ई10 से बदलने की कोई योजना नहीं : बीपीसीएल चेयरमैन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

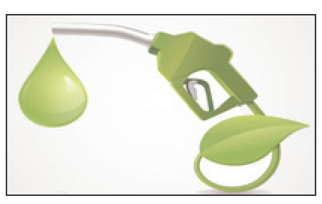

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के चेयरमैन और एमडी संजय खन्ना ने गुरुवार को कहा कि ई20 पेट्रोल को ई10 से बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में जो चर्चा चल रही है, वह केवल इस बात को लेकर है कि क्या पुराने वाहनों के लिए 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन का अलग विकल्प उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कंपनी की वार्षिक आम बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बीपीसीएल के चेयरमैन ने कहा कि कुछ हलकों में यह बहस चल रही है कि पुराने वाहनों को कम एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन की सुविधा मिलनी चाहिए या नहीं। हालांकि उन्होंने दोहराया कि सरकार की मौजूदा ई20 नीति को वापस लेने या उसे बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी नहीं कहा कि ई20 को ई10 में बदला जाएगा। चर्चा केवल इस बात पर हो रही है कि क्या पुराने वाहनों को कम एथेनॉल मिश्रण वाला ईंधन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।'

सीमा पर लोहे की दीवार बनकर खड़े टी-72 और टी-90 टैंक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रक्षा राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जबलपुर में टैंकों के नवीनीकरण की परियोजना के शिलान्यास पर कहा कि हमारी भारतीय सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है। ऐसे में हमारी जरूरतें भी बहुत ज्यादा होती हैं। जमीनी युद्ध में, टी-72 और टी-90 संस्करण के टैंक हमारे लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'ये टैंक हमारी सीमाओं पर लोहे की दीवार बनकर खड़े हैं। आज दुनिया भारत को देखने का नजरिया बदल रही है और इसके पीछे

आत्मनिर्भर भारत के लिए हमारे प्रयास जिम्मेदार हैं। भारत का रक्षा क्षेत्र अब आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ चुका है। रक्षा मंत्री ने बताया कि टैंक की भूमिका समाप्त नहीं हुई है। टैंक की भूमिका विकसित हो रही है।

यानी तकनीक बदल रही है, युद्ध का स्वरूप बदल रहा है, लेकिन जमीनी लड़ाई में टैंकों की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई है और यही बात हमारी रक्षा नीति को भी दिशा दे रही है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत का रक्षा क्षेत्र, अब पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में हमने जो मेहनत की है, उसका परिणाम आज हमें मिल रहा है।

तीर तेवर — सागर कुमार

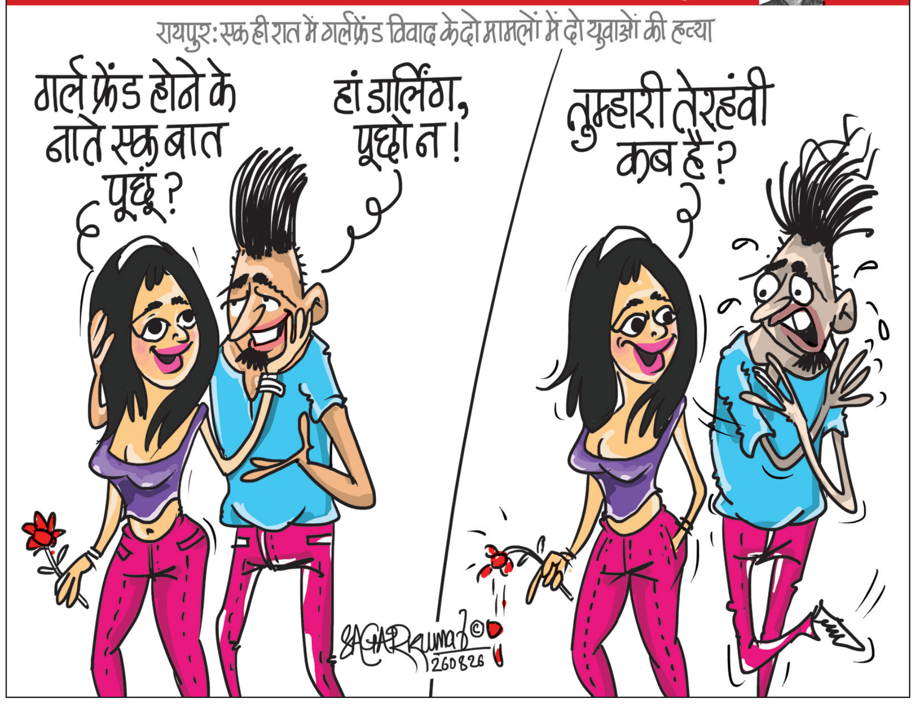

नेपाल में बाढ़ में रायपुर की मोनिका यादव लापता

रायपुर। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य सरकार प्रदेश के सभी जिलों से नेपाल गए नागरिकों की जानकारी एकत्रित कर स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले के महादेव घाट (थाना डी.डी. नगर) की निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है।

नर्मदा परियोजना की नींव नेहरू ने रखी, लेकिन गेट पीएम मोदी ने खोले : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

विश्व केसरी ■

अमरेली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नर्मदा परियोजना के लंबे इतिहास को याद करते हुए कहा कि इसकी आधारशिला तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1964 में रखी थी, जबकि इसके गेट नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद खोले गए।

अमरेली जिले के दुधला में 'गुजरात गौरव सरोवर' के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए शाह ने कहा कि नर्मदा प्रोजेक्ट एक लंबे समय से चल रहा काम था, जिसका पानी आखिरकार गुजरात के बड़े हिस्सों तक पहुंचा। नर्मदा प्रोजेक्ट की नींव 1964 में जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी। मेरा जन्म भी 1964 में ही हुआ था। इसके गेट तब खुले जब नरेंद्र भाई प्रधानमंत्री बने।

उन्होंने बताया कि बाद में नर्मदा का पानी सौराष्ट्र और कच्छ में खावड़ा तक पहुंचाया गया। उन्होंने 'सौनी योजना' का भी जिक्र किया, जिसके तहत नर्मदा का अतिरिक्त पानी सौराष्ट्र के बांधों और नदियों तक पहुंचाया गया।

शाह ने राज्य में पानी बचाने की कोशिशों को गुजरात में सूखे की स्थिति कम होने से जोड़ा। उन्होंने 1985, 1986 और 1987 के सूखे के सालों को याद किया और उस समय पानी की कमी और राहत कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, '2001 में मुख्यमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी ने पानी बचाने और सिंचाई के कई उपाय शुरू किए। उन्होंने 2003 में एक ही साल में 1.5 लाख चेक डैम बनाने का काम किया।

शाह ने हजारों झीलों के निर्माण और उन्हें भरने, उत्तर गुजरात में 'सुजलाम सुफलाम योजना', ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों और केंद्र के 'कैच द रेन' अभियान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पद संभालने के बाद 'जल शक्ति मंत्रालय' बनने से पानी बचाने के काम पर संस्थागत रूप से ज्यादा ध्यान दिया गया। मौजूदा बांधों में आ रही रुकावटों को दूर करके सिंचाई क्षमता बेहतर करने की कोशिशें भी की गईं।

गुजरात गौरव सरोवर प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा, 'हरिकृष्ण फाउंडेशन के संस्थापक सावजीभाई ढोलकिया ने उन्हें दो साल पहले एक झील बनाने की अपनी योजना के बारे में बताया था।'

उन्होंने कहा कि अब उन्होंने पूरा हो चुका काम देखा है और पानी बचाने की इस कोशिश की तारीफ की। शाह ने बताया कि 21 एकड़ में फैली यह झील 360 मीटर लंबी, 260 मीटर चौड़ी और चार मीटर गहरी है। उन्होंने कहा कि ढोलकिया ने उन्हें बताया था कि पानी बचाने के काम के बाद इलाके में भूजल का स्तर बढ़ा है और कुएं फिर से चालू हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'ढोलकिया के फाउंडेशन ने गगाडिया नदी को फिर से जीवित करने और 208 झीलें बनाने में भी योगदान दिया है।

रक्षाबंधन पर पौधरोपण कर भाई-बहन लेंगे पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, सीएम योगी की पहल ला रही रंग

विश्व केसरी ■

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ाने की पहल रंग ला रही है। वन विभाग की पहल पर रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते को और प्रगाढ़ता देते हुए पौधरोपण कराया जाएगा। रक्षाबंधन पर पौधरोपण कर भाई-बहन पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लेंगे।

'पौधरोपण महायज्ञ-2026' के तहत (28 अगस्त, शुक्रवार) को सभी वन प्रभागों में भाई-बहन 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण करेंगे। वन विभाग ने इस पुनीत अवसर के लिए कई भाई-बहनों से संपर्क भी साधा है। पौधों को रक्षासूत्र बांधकर पेड़ बनाने तक का संकल्प लिया जाएगा। यहां आम लोग भी पौधरोपण कर सकेंगे।

सीएम योगी के हरित आवरण को बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर लखनऊ के साथ ही समस्त वन प्रभागों में भी इस पहल को मूर्त रूप दिया जाएगा।

पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पौधरोपण अनिवार्य है। पौधरोपण के उपरांत यहां पौधों को रक्षासूत्र भी बांधा जाएगा। फिर पौधरोपण करने वाले संकल्प लेंगे कि पौधे के पेड़ बनने तक इसकी रक्षा करेंगे। इसमें सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

वन विभाग के मुताबिक, हरे पौधों को रक्षासूत्र बांधकर इनकी सुरक्षा व संरक्षा का संकल्प लिया जाएगा। पेड़ छाया और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। जिस तरह बहनें भाई को राखी बांधती हैं तो भाई सुरक्षा का विश्वास दिलाता है, उसी प्रकार पेड़ लगाकर उसे सुरक्षा का विश्वास दिलाते हुए प्रकृति के रूप में सार्थक उपहार दिया जाएगा।

मध्य प्रदेश के मंत्री विजयवर्गीय के चीनी वाले बयान पर विपक्षी दलों ने साधा निशाना

विश्व केसरी ■

भोपाल। चीनी के बढ़ते दाम और उसको लेकर मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा दिए गए बयान पर राज्य की सियासत गरमा गई हैद्य दरअसल, मंत्री विजयवर्गीय ने बुधवार को शक्कर के बढ़ते दाम को लेकर कहा था कि वर्तमान दौर में 90 प्रतिशत लोग आजकल मीठा खाना पसंद नहीं करते । मैं तो कहता हूं कि शक्कर खूब महंगी हो जाए, लेकिन बच्चों के लिए नियंत्रित कीमत पर मिलनी चाहिएद्य

मंत्री विजयवर्गीय के इस बयान के बाद विपक्षी दल हमलावर हैद्य कांग्रेस के राज्य के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक का कहना है कि शक्कर ही नहीं उपभोक्ता की हर सामग्री महंगी हो गई है, तो क्या लोगों को खाना बंद करना देना चाहिएद्य इंदौर में लोगों के घरों तक गटर का पानी पहुंच रहा है।

उन्होंने विजयवर्गीय से सवाल किया है, क्या लोगों को जिंदा भी रहना चाहिए या नहींद्य मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते कैलाश विजयवर्गीय सरकार के प्रवक्ता भी हैंद्य इस नाते इसे व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं, बल्कि भाजपा की मोहन यादव सरकार का आधिकारिक बयान समझा जाना चाहिएद्य वैसे भी मुख्यमंत्री या भाजपा के किसी नेता ने कैलाश विजयवर्गीय के बयान का खंडन भी नहीं किया हैद्य

माकपा नेता ने कहा कि हमेशा धर्म और बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं की आड़ में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर राजनीतिक रोटियां सेंकने वाली भाजपा का चेहरा बेनकाब हो गया हैद्य जसविंदर सिंह ने कहा कि राखी के त्योहार को तो धर्म से ऊपर उठ कर हर व्यक्ति और परिवार मनाता है। ऐसे में शक्कर की कीमतों में उछाल से कालाबाजारियों, सटोरियों के मुनाफे के लिये भाजपा ने जनता के इस स्नेही त्योहार की मिठास को तो पहले ही फीका कर दिया थाद्य अब भाजपा मंत्री का बयान जले पर नमक छिड़कने से भी बढ़ कर है।

गुजरात के सीएम का 14 महिला विधायकों को राखी का तोहफा, उनके क्षेत्रों में 28 करोड़ की स्पेशल ग्रांट

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को 14 महिला विधायकों द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले निर्वाचन क्षेत्रों में सड़ ?क और बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए 28 करोड़ रुपये के विशेष विकास अनुदान की घोषणा की, जिसमें प्रत्येक विधायक को दो करोड़ रुपये मिलेंगे।

यह आवंटन एक स्पेशल 'रक्षाबंधन तोहफे' के तौर पर घोषित किया गया है और इसका मकसद संबंधित क्षेत्रों की जरूरी प्राथमिकताओं के आधार पर स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को सपोर्ट करना है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पवित्र रक्षाबंधन त्योहार के मौके पर महिला विधायक बहनों के लिए स्पेशल तोहफा...।'

अधिकारियों ने बताया कि इन फंड्स का इस्तेमाल सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरे डेवलपमेंट कामों के लिए किया जाएगा। इस फैसले में शामिल 14 महिला विधायकों में से नौ शहरी क्षेत्रों का और पांच ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उम्मीद है कि इन ग्रांट्स से विधायक सड़कों और उससे जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर में स्थानीय जरूरतों को पूरा करने वाले काम कर पाएंगी। राज्य सरकार ने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए कनेक्टिविटी और आवाजाही आसान होगी।

इस आवंटन का मकसद स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को आगे बढ़ाना और महिला विधायकों को विकास की जरूरी जरूरतों को ज्यादा असरदार ढंग से पूरा करने में सक्षम बनाना भी है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब गुजरात रक्षाबंधन मना रहा है, जो पारंपरिक रूप से भाई-बहन के रिश्ते से जुड़ा त्योहार है। विधायकों को सीधा फायदा पहुंचाने के बजाय, यह स्पेशल ग्रांट उनके प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में डेवलपमेंट के कामों के लिए तय की गई है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, ग्रांट के जरिए किए जाने वाले सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की पहचान हर क्षेत्र की प्राथमिकता वाली जरूरतों के हिसाब से की जाएगी। यह ग्रांट खास तौर पर सड़क और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़ी है और इसका इस्तेमाल महिला विधायकों के संबंधित क्षेत्रों में कामों के लिए किया जाएगा।

इससे पहले दिन में समाज के अलग-अलग समुदायों और वर्गों की महिलाओं ने गांधीनगर के लोक भवन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांधी। सामाजिक संगठनों, चैरिटेबल संस्थाओं, ब्रह्माकुमारीज और दिव्यांगों के लिए काम करने वाले संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने इन समारोहों में हिस्सा लिया। उन्होंने सीएम भूपेंद्र पटेल को राखी बांधी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की। सीएम ने इस मौके पर इकट्ठा हुई महिलाओं का स्वागत किया और उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएं स्वीकार कीं।

मेवात में 'दुल्हन खरीद-फरोख्त' प्रथा की जांच के लिए एनसीडब्ल्यू ने बनाई 5 सदस्यीय टीम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने हरियाणा के मेवात, खासकर नूंह जिले में कथित 'दुल्हन खरीद-फरोख्त' (पारो/मोलकी) प्रथा की जांच के लिए पांच सदस्यीय तथ्य-खोज समिति का गठन किया है। आयोग ने इस टीम को 10 कार्य दिवस के भीतर अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें सौंपने का निर्देश दिया है।

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया राहतकर ने कहा, 'किसी महिला को शादी के नाम पर खरीदा-बेचा नहीं जा सकता और न ही उसे वस्तु की तरह देखा जा सकता है।

विवाह सम्मान और समानता का रिश्ता है, कोई लेन-देन नहीं।

आयोग के अनुसार, मेवात क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर 'पारो' या 'मोलकी' कहलाने वाली इस प्रथा में दूसरे राज्यों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को बिचौलियों के जरिए लाकर यहां पुरुषों से शादी कराई जाती है। आरोप है कि इस प्रक्रिया में बिचौलियों या महिला के परिवार को पैसे दिए जाते हैं।

एनसीडब्ल्यू ने मीडिया रिपोर्टों का स्वत: संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की है।

नोएडाः ककराला खासपुर में बनेगा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सितंबर में पूरा होगा निर्माण कार्य

विश्व केसरी ■

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने की दिशा में नोएडा प्राधिकरण ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में नगरीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा प्रधानमंत्री जन आरोग्य कार्यक्रम के अंतर्गत नगरीय आयुष्मान मंदिर संचालित किए जाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसका

उद्देश्य लोगों को उनके आसपास ही बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और राज्य एवं केंद्र सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। इसी क्रम में नोएडा प्राधिकरण द्वारा स्वास्थ्य विभाग, गौतमबुद्धनगर के साथ समन्वय करते हुए नोएडा क्षेत्र के ग्राम ककराला खासपुर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है।

इस केंद्र को पोर्टेबल क्लीनिक के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है और इसे सितंबर माह में पूर्ण कराने का प्रस्ताव है।

पेपर लीक पर हो कड़ी कार्रवाई, शिक्षा माफियाओं पर कसें शिकंजा : देवेंद्र नाथ महतो

गिरिडीह। झारखंड में भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से 24 संकल्प के साथ 24 जिलों के लिए निकाली जा रही 'भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा' गिरिडीह पहुंच गई है। इस यात्रा का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो कर रहे हैं। यात्रा का उद्देश्य जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को उजागर करना और राज्य की भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने आईएएनएस से कहा कि उनकी लड़ाई झारखंड की भर्ती व्यवस्था को पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की है। उन्होंने कहा, 'झारखंड की भर्ती व्यवस्था भ्रष्टाचार मुक्त होगी। यहां पर पेपर लीक बंद होगा, यहां पर किसी तरह की पैरवी-पहचान से नौकरी बंद होगी, यहां पैसे से नहीं बल्कि मेहनत से नौकरी मिलेगी, यहां पहचान से नहीं बल्कि योग्यता के आधार पर नौकरी मिलेगी, यह भ्रष्टाचार से नहीं बल्कि पारदर्शिता के आधार पर नौकरी मिलेगी और अगर गलती से कोई पेपर लीक, भ्रष्टाचार या किसी प्रकार की धांधली का प्रयास किया तो उसको पकड़ा जाएगा और आजीवन कारावास की सजा होगी।'

वहीं, छात्रों के प्रदर्शन को मिल रहे समर्थन पर उन्होंने कहा, 'हम लोगों को उम्मीद नहीं थी कि इतना समर्थन मिलेगा क्योंकि जब अपने अधिकार के लिए लड़ते हैं तो कोई भी पीछे खड़ा नहीं होता, फिर भी हम लड़ते हैं, आंदोलन करते हैं। हालांकि जब आंदोलन करने निकल रहे हैं तो हम लोगों को कहीं रोका नहीं जा रहा, लोग बाइक से पहुंच रहे हैं, हाथ दे रहे हैं, मिनटों में भीड़ उमड़ पड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ छात्रों के टूटते सपनों को बचाने की नहीं है बल्कि पूरे झारखंड के भविष्य की लड़ाई है।

न्यायालय तहसीलदार कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 अ/59 वर्ष 2025-26

आवेदक अध्यक्ष तहसील साहू संघ कसडोल तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भांटापारा (छ0ग0)

सर्व साधरण आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक अध्यक्ष तहसील साहू संघ कसडोल प0ह0नं0 09 रा0नि0म0 वो तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम कसडोल स्थित शासकीय भूमि ख0नं0 204/2/क का टुका रकबा 0.021 हे0 (5 डिसमिल) भूमि को अध्यक्ष तहसील साहू संघ कसडोल प0ह0नं0 09 रा0नि0म0 वो तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0) के नाम से आबंटित करने का मांग माननीय कलेक्टर महोदय बलौदाबाजार-भाटापारा छ0ग0 के न्यायालय में किया गया है जो कि जांच प्रतिवेदनार्थ इस कार्यालय को प्राप्त होने पर प्रकरण प्रारम्भ किया गया जो इस न्यायालय में विचाराधिन है अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जाना हो तो स्वत: इस न्यायालय में उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत दिनांक 09/09/2026 को दावा आपत्ति कर सकते है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा पद मुद्रा के द्वारा ईश्तहार जारी किया गया।

तहसीलदार
कसडोल

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 2)
-: : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....34722.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34722

वार्ड का नाम - 27 - इंदिरा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 27 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR737G00485** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JGGUMAL KUKREJA** पिता / पति श्री/श्रीमती **KIMATMAL KUKREJA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री विजय कुमार शादीजा पिता / पति श्री/श्रीमती पित्ता साधु राम शादीजा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34895..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34895

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663L00012** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOHAR SONKAR** पिता/पति श्री श्रीमती **RAMCHAND** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **SHARDA PRASAD SONKAR** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O RAMCHANDRA SONKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA OR PANCHNAMA** /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34897..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34897

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R663L00009** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOHAR SONKAR** पिता / पति श्री श्रीमती **RAMCHAND** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **TULESHWAR SONKAR** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O LT. KAMAL KUMAR SONKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHA PATH PATRA, SAHMATI PATRA OR PANCHNAMA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34898..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34898

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663L00011** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOHAR SONKAR** पिता / पति श्री श्रीमती **RAMCHAND** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **MANOHAR SONKAR** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O LT. RAMCHANDRA SONKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA OR PANCHNAMA /** वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34900..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34900

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663L00010** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOHAR SONKAR** पिता / पति श्री श्रीमती **RAMCHAND** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **GOPAL SONKAR** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O LT. RAMCHANDRA SONKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA, PANCHNAMA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारतीय और वियतनामी कोस्ट गार्ड ने चेन्नई तट के पास संयुक्त अभ्यास 'सहयोग हॉप-टैक' पूरा किया

विश्व केसरी

चेन्नई। भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) और वियतनाम कोस्ट गार्ड (वीसीजी) ने गुरुवार को चेन्नई तट के पास संयुक्त समुद्री अभ्यास 'सहयोग हॉप-टैक' के दूसरे संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अभ्यास ने क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस रणनीतिक अभ्यास में बड़े पैमाने पर ऑपरेशनल तैनाती की गई, जिसमें आईसीजी के आठ जहाज, छह विमान और वीसीजी का जहाज शामिल थे। इन गतिविधियों की निगरानी संयुक्त रूप से भारतीय कोस्ट गार्ड के महानिदेशक और वियतनाम कोस्ट गार्ड के वाइस कमांडेंट ने की।

टैक्टिकल इंटरऑपरेबिलिटी (आपसी तालमेल) को बेहतर बनाने और खोज-व-बचाव (सर्च-एंड-रेस्क्यू) अभियानों को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से आयोजित इस गहन अभ्यास ने दोनों बलों को आपातकालीन प्रोटोकॉल को एक समान बनाने और समुद्र में बेहतर तालमेल बिठाने में मदद की।

इस अभ्यास का सफल आयोजन द्विपक्षीय समुद्री सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने, महत्वपूर्ण ऑपरेशनल विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत और वियतनाम के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इससे पहले, भारतीय और वियतनाम कोस्ट गार्ड ने मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को चेन्नई में अपनी 7वीं हाई-लेवल मीटिंग की।

भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) के डीजी परमेश शिवमणि और वियतनाम कोस्ट गार्ड (वीसीजी) के वाइस कमांडेंट मेजर जनरल लुओंग दिन्ह हंग की सह-अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में समुद्री खोज और बचाव (एसएआर), समुद्री कानून लागू करने, समुद्री प्रदूषण से निपटने और क्षमता निर्माण जैसे अहम क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया था। दोनों पक्षों ने पेशेवर आदान-प्रदान और जहाजों के दौरे सहित चल रहे आपसी सहयोग की समीक्षा की थी और सहयोग तथा इंटरऑपरेबिलिटी (आपसी तालमेल और मिलकर काम करने की क्षमता) को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई भी थी।

नेपाल की सांसद बोलीं 'मुश्किल वक्त में हमारा साथ देने के लिए पीएम मोदी का आभार'

विश्व केसरी

काठमांडू । नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर पीएम बालेंद्र शाह को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सांसद और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की नेता विदूषी राणा ने ये 'भरोसा' देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है।

राणा ने आईएएनएस से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में पीएम मोदी की बहुत आभारी हूं क्योंकि जैसे ही यह घटना हुई, उन्होंने दिल छू लेने वाला बयान दिया ।

पीड़ित परिवारों और देश के प्रति संवेदना संदेश भेजा, वो प्रशंसनीय है। हमें भारत से पहले ही बहुत सारी राहत सामग्री मिल चुकी है। हर बार जब कोई आपदा आती है, तो हमें भारत से मदद मिलती है।

विदूषी राणा ने स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि पूरा देश इस समय बेहद दुखद दौर से गुजर रहा है और सरकार बचाव एवं राहत अभियानों को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा, 'जो कुछ हुआ है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने पूरी रात लोगों और उन परिवारों के बारे में सोचते हुए बिताई, जो अपने बच्चों और प्रियजनों के लापता होने से परेशान हैं। हम बस अच्छी खबर आने और यह जानने की उम्मीद कर रहे हैं कि सब ठीक है।'

राणा ने मौजूदा स्थिति को बेहद विनाशकारी बताते हुए कहा कि 2015 के नेपाल भूकंप के बाद यह देश की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस घटना से बेहद दुखी है, लेकिन सरकार तत्काल सक्रिय होकर राहत और बचाव कार्यों में जुट गई है।

उन्होंने कहा, 'मैं नेपाल की सांसद भी हूं और हमने बचाव के लिए काफी काम शुरू कर दिया है। इस समय हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण काम बचाव अभियान चलाना है।

खुलासाः आईएसआई आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए अपने संगठन को व्यापक रूप देने में जुटा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में आईएसआई से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जांच में पता चला है कि कई ऐसे गुप्त संगठन उभरे हैं, जिनका उद्देश्य मुख्य आतंकी समूह को संरक्षण देना है।

उदाहरण के लिए प्रतिरोध मोर्चा लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा संगठन है। इसे आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा को हर हमले के बाद जिम्मेदारी से बचने का बहाना देने के लिए बनाया था। इसी तरह, नए भर्ती मॉड्यूल भी अन्य मुख्तार संगठनों के नाम पर गतिविधियां चला रहे हैं।

शहजाद भट्टी का नेटवर्क तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) के बैनर तले काम करता था। टीटीएच एक अस्तित्वहीन संगठन है और यह नाम आईएसआई ने भट्टी नेटवर्क को छिपाने के लिए गढ़ा था। टीटीएच नाम गढ़ने का दूसरा कारण इसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जोड़ना था, जिसने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कहर बरपाया था।

आईएसआई यह जताना चाहता है कि टीटीएच और टीटीपी आपस में जुड़े हुए हैं और पाकिस्तान में टीटीपी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में भारत की भूमिका है।

खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह के गुप्त संगठन न केवल लश्कर-ए-तैयबा या जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रतिबंधित आतंकी समूहों को अपनी संलिप्तता साबित करने का बहाना देने के लिए बनाए जाते हैं। भारतीय एजेंसियों के पास इन समूहों का कोई रिकॉर्ड नहीं है और न ही गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत इन पर प्रतिबंध लगाया है।

अधिकारी ने बताया कि इससे भारतीय एजेंसियों के लिए ऐसे गुप्त संगठनों की जानकारी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और इंटरपोल को देना मुश्किल हो जाता है। हाल के हफ्तों में ऐसे कई संगठन सक्रिय हो गए हैं। टीटीएच के अलावा, यूनाइटेड सिख ब्रदरहुड (यूएसबी), सिख टाइगर्स ऑफ खालिस्तान (एसटीके), खालिस्तान आर्म्ड फोर्स (केएएफ), शेर-ए-पंजाब ब्रिगेड (एसपीबी), पंजाब सॉवरेनिटी अलायंस (पीएसए) और खालिस्तान लिबरेशन आर्मी (केएलए) जैसे संगठन भी सक्रिय हैं। एक अधिकारी ने कहा कि ये सभी संगठन अस्तित्वहीन हैं। अधिकारी ने बताया कि ये जैश-ए-मोहम्मद, बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और शहजाद भट्टी नेटवर्क जैसे अन्य सभी खालिस्तानी आतंकी समूहों के मुखौटे हैं।

स्कूलों के पास नहीं बिकेगा जंक फूड, एफडीए ने 50 मीटर के दायरे में लगाई रोक

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने गुरुवार को निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश के स्कूलों के 50 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का जंक फूड नहीं बेचा जाना चाहिए।

अधिकारियों ने आगे बताया कि एफडीए ने विद्यालय शिक्षा विभाग को सभी सरकारी और निजी स्कूलों में खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है, जिसमें स्कूल परिसर के अंदर और स्कूल गेट के 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री पर प्रतिबंध शामिल है।

विद्यालय शिक्षा निदेशकों को भेजे गए एक पत्र में एफडीए ने कहा कि स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और पोषण से भरपूर भोजन सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा और मानक (स्कूल में बच्चों के लिए सुरक्षित भोजन और संतुलित आहार) विनियम 2020 को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए।

इन विनियमों के तहत, स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संतृप्त वसा, ट्रांस वसा, अतिरिक्त चीनी या सोडियम की उच्च मात्रा वाले खाद्य पदार्थों को स्कूल परिसर के अंदर बेचा या परोसा न जाए।

ये प्रतिबंध स्कूल के गेट से किसी भी दिशा में 50 मीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्र पर भी लागू होते हैं, जहां स्कूली बच्चों को ऐसे खाद्य उत्पादों की बिक्री, विपणन या विज्ञापन करना प्रतिबंधित है।

एफडीए ने यह भी निर्देश दिया है कि स्कूल परिसरों में खाद्य सेवाएं संचालित करने वाले स्कूल अधिकारियों या खाद्य व्यवसाय संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत पंजीकृत या लाइसेंस प्राप्त होना चाहिए और निर्धारित स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का अनुपालन करना चाहिए। ऐसे खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए खाद्य सुरक्षा प्रदर्शन बोर्ड और खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक (जहां लागू हो) रखना भी अनिवार्य है।

नियमों के अनुसार, स्कूलों को बच्चों में स्वस्थ खान-पान की आदतों को प्रोत्साहित करने के लिए भोजन का समय निर्धारित करना होगा और सभी छात्रों को नि:शुल्क सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना होगा।

प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों सहित स्कूल अधिकारियों और संस्थानों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार निकायों को खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने और छात्रों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्वच्छता की निगरानी करने का दायित्व सौंपा गया है। एफडीए ने यह भी कहा है कि स्कूल सुरक्षित, संतुलित और स्वच्छ भोजन की उपलब्धता की निगरानी के लिए एक नोडल तंत्र के रूप में कार्य करने हेतु एक स्वास्थ्य एवं कल्याण राजदूत नियुक्त कर सकते हैं या एक स्वास्थ्य एवं कल्याण टीम का गठन कर सकते हैं।

गुजरात जेल विभाग ने 13 मेडल जीतकर डीजीपी कप रेसलिंग क्लस्टर चैंपियनशिप जीती

विश्व केसरी

गांधीनगर/नडियाद। गुजरात जेल और सुधार प्रशासन विभाग ने नडियाद में आयोजित डीजीपी कप 2026-27 रेसलिंग क्लस्टर प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियनशिप जीती। विभाग ने कुल 13 मेडल जीते, जिनमें छह गोल्ड, छह सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

नडियाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में पूरे गुजरात से 22 टीमें शामिल हुईं। इसमें रेसलिंग, ग्रीको-रोमन रेसलिंग, आर्म रेसलिंग और बॉक्सिंग के मुकाबले हुए।

सभी चार खेलों में जेल विभाग के शानदार प्रदर्शन की वजह से उसे चैंपियन ट्रॉफी मिली।

रेसलिंग में विभाग के खिलाड़ियों ने दो गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीते। कैप्टन रघुभाई पटेल और दिव्या चौहान ने गोल्ड जीता, जबकि तरुणसिंह दहिया और नागाभाई करंगिया ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

इस खेल में माहिरहसन शेख ने भी विभाग का प्रतिनिधित्व किया। विभाग ने ग्रीको-रोमन रेसलिंग में एक और गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। महिपालसिंह मोरी ने गोल्ड जीता, जबकि कैप्टन रघुभाई पटेल ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

आर्म रेसलिंग में विभाग को पांच और मेडल मिले। तरुणसिंह दहिया ने गोल्ड जीता, जबकि महमदमनसूर मंसूरी, धर्मिष्ठाबेन वाला और माहिरहसन शेख ने सिल्वर मेडल हासिल किए।

नागाभाई करंगिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। बॉक्सिंग में निकुलभाई ठाकोर ने गोल्ड जीता, जिससे विभाग के मेडल की संख्या और बढ़ गई।

हिस्सा लेने वाले कर्मचारियों को बधाई देते हुए डीजीपी (जेल और सुधार सेवाएं) डॉ. के.एल.एन. राव ने कहा कि यह प्रदर्शन विभाग के कर्मचारियों के समर्पण और अनुशासन को दिखाता है।

राव ने कहा, 'यह शानदार जीत हमारे कर्मचारियों के समर्पण, अनुशासन और लगातार कड़ी मेहनत का सबूत है। कई कॉम्बैट स्पोर्ट्स में बेहतरीन प्रदर्शन और ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतना पूरे विभाग के लिए बहुत गर्व की बात है। मैं सभी मेडल जीतने वालों और हिस्सा लेने वालों को उनके शानदार खेल जज्बे और शारीरिक फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता के लिए दिल से बधाई देता हूं।'

रक्षाबंधन को लेकर बरेली पुलिस अलर्ट, शहर में बड़े वाहनों के लिए डायवर्जन प्लान

विश्व केसरी

लखनऊ। देश भर में शुक्रवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम और संबंध का त्योहार रक्षाबंधन बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर अन्य राज्यों की तरह यूपी पुलिस भी महिलाओं की सुरक्षा और सुविधाजनक यातायात को लेकर सतर्क और सक्रिय मोड में है।

इसको लेकर गुरुवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए एसपी ट्रैफिक बरेली अकमल खान ने जानकारी दी कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार है और इस अवसर पर बहुत सारी महिलाएं और उनके साथ के परिजन सड़कों पर निकलेंगे। भारी तादाद में लोगों का एक जगह से दूसरी जगह आवागमन होगा।

बसों के माध्यम से भी बहुत सारी महिलाएं एक स्थान से दूसरे स्थान पर और एक जनपद से दूसरे जनपद को जाएंगी। ऐसे में हम लोगों ने महिलाओं की सुविधा के साथ सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए यातायात व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए हैं। किसी प्रकार की कोई भी ऐसी अप्रिय घटना न हो, इसके लिए हम लोगों ने बड़े वाहनों का डायवर्जन प्लान विकसित किया है।

उन्होंने कहा कि झुमका से लेकर बिलवा, धाम बिलवा, इसके अलावा लालपुर गांव कट, इन्वर्टिस तिराहा, बुखारा मोड़, इन सब जगहों से भारी वाहन शहर के भीतर प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

भुवनेश्वर : पोस्ट ऑफिस सेविंग्स फ्रॉड मामले में फरार ब्रांच पोस्ट मास्टर गिरफ्तार

विश्व केसरी

भुवनेश्वर । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पोस्ट ऑफिस सेविंग्स फ्रॉड मामले में फरार ब्रांच पोस्ट मास्टर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

एजेंसी ने गुरुवार को जानकारी दी कि गुरुवार को पोस्ट ऑफिस सेविंग्स फ्रॉड केस में ओडिशा के बरगढ़ से एक फरार आरोपी शब्दा स्वैन को गिरफ्तार किया गया है, जो उस समय ओडिशा के बोंडा में ब्रांच पोस्ट मास्टर थीं। दरअसल, आरोपी ने 2008 से 2014 के दौरान बोंडा पोस्ट ऑफिस में ब्रांच पोस्ट मास्टर के तौर पर काम करते हुए, जमाकर्ताओं से इकट्ठा किए गए 13,98,232 रुपए का गबन किया। उसने पासबुक में गलत एंट्री करके इन जमा राशियों को आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया।

सीबीआई, एसीबी, भुवनेश्वर के केस नंबर आरसी 17(ए)/2014-बीबीएस में 31 दिसंबर 2015 को आरोप तय होने के बाद से ही वह फरार थी। वहीं, 2022 में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया था।

बिहारः एनडीए नेताओं ने नेपाल में आई बाढ़ पर चिंता जताई, मांझी ने चीन को दोषी ठहराया

विश्व केसरी

पटना। बिहार में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने गुरुवार को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ पर दुख और चिंता व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने बिहार और उत्तर प्रदेश पर इसके संभावित प्रभाव की चेतावनी दी।

सारण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने नेपाल में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाना अभी भी एक चुनौती है।

उन्होंने ऐसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिक चर्चा और बेहतर तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया।

बिहार के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने नेपाल से बिहार और उत्तर प्रदेश तक फैली स्थिति को प्राकृतिक आपदा बताया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में जान-माल के कम से कम नुकसान के लिए प्रार्थना करने की अपील की और कहा कि सभी को मिलकर इस संकट का सामना करना होगा।

राष्ट्रीय लोक मंच (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने भी नेपाल में हुई तबाही पर चिंता व्यक्त की, मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और लापता लोगों में भारतीयों के होने की खबरों पर चिंता जताई।

इस बीच, केंद्रीय लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने आपदा के कारणों को लेकर राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नेपाल में आई बाढ़ के लिए चीन जिम्मेदार है और तर्क दिया कि अगर वह चाहता तो तिब्बत में पानी को नियंत्रित या रोक सकता था।

मांझी ने सवाल उठाया कि तिब्बत पर चीन का नियंत्रण होने के बावजूद उसने वहां पानी रोकने के लिए पर्याप्त कदम क्यों नहीं उठाए।

संपादकीय

संस्कृति में अपशब्दों का इतिहास

वीरेंद्र बहादुर सिंह

'चाणक्य' धारावाहिक और 'पृथ्वीराज चौहान' जैसी फिल्म बनाने वाले विद्वान चंद्रप्रकाश द्विवेदी तथा विदुषी देवांगना देसाई के अध्ययन के माध्यम से हमें सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से अभद्र भाषा-प्रयोग के पूरे अतीत को जानने का अवसर मिलता है।

अचानक हमारे यहां शिक्षा-व्यवस्था के बजाय गालियों पर जो चर्चा शुरू हो गई, उसमें सबसे श्रेष्ठ और सबसे लंबा लेख 'चाणक्य' जैसी धारावाहिक और 'पृथ्वीराज चौहान' जैसी फिल्म बनाने वाले विद्वान चंद्रप्रकाश द्विवेदी का था। चंद्रप्रकाश द्विवेदी मूल रूप से आरएसएस की पृष्ठभूमि से आते हैं, लेकिन साहित्य और संस्कृति के विषय में उनकी प्रखर विद्वत्ता वर्षों से प्रसिद्ध है। लगभग दस हजार शब्दों का वह लेख उनके गहन अध्ययन की गवाही देता था। पूरा लेख यथावत एक कॉलम में समाहित करना संभव नहीं है। लेकिन अपशब्द अथवा अभद्र शब्द-प्रयोग भारतीय विरासत में संस्कृति के दायरे से बाहर नहीं थे और आज की तरह केवल स्त्री को निशाना बनाने वाली गालियां भी नहीं थीं। एक ऐसा कालखंड भी था, जब जननांगों का उल्लेख गंदा नहीं माना जाता था। चंद्रप्रकाश द्विवेदी के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध लेख से तमाम संदर्भों और विवरणों को लेकर, जहां आवश्यक है वहां थोड़ी व्याख्या जोड़कर, विशेष रूप से जिज्ञासु पाठकों के लिए भारत के इस अध्ययन को प्रस्तुत किया जा रहा है।

भारत की प्रसिद्ध विदुषी देवांगना देसाई की पुस्तक 'Erotic Sculptures of India' में अशिष्ट या अश्लील कहे जा सकने वाले शब्दों के संदर्भ में एक अध्याय है। पुस्तक में प्राचीन भारतीय जीवन में अश्लीलोक्ति और जुगुप्सोक्ति (अभद्र भाषा) के संदर्भ में ऐतिहासिक प्रमाण दिए गए हैं। पुस्तक में प्रस्तुत शोध के अनुसार प्राचीन भारत में कुछ धार्मिक अनुष्ठानों/यज्ञों और सामाजिक उत्सवों में समाज द्वारा ऐसी भाषा का प्रयोग किया जाता था, जिसे आज असभ्य या अश्लील कहा जा सकता है।

अतीत में यह माना जाता था कि अभद्र भाषा और मुद्राओं में जादुई शक्तियां होती हैं। पुराणकाल में विश्वास था कि भाषा और संकेतों में मौजूद अभद्रता बुराई, खतरे और दुर्भाग्य को दूर करती है तथा फल प्राप्ति में सहायक होती है। जे. गोंडे ने वैदिक संस्कृति में भाषा की अभद्रता से जुड़े अनुष्ठानों को रेखांकित किया है। उनके अनुसार अभद्र भाषा, जैसे गाली, दुष्ट शक्तियों और दुर्भाग्य को दूर करती है या उन्हें दूसरी दिशा में भटका देती है। वह 'पवित्र' करने का काम करती है।

उदाहरण के लिए, शतपथ ब्राह्मण के अनुसार बातचीत, संवाद या उपदेश में उपहास करना, कलंकित करना, गाली देना, व्यंग्य करना अथवा किसी को नीचा दिखाना इच्छित वस्तुओं की प्राप्ति के लिए किया जाता था। कात्यायन श्रौतसूत्र में भी इसी विचार की पुनरावृत्ति मिलती है।

कहीं-कहीं यह भी माना जाता था कि अभद्र भाषा बारिश लाने में सहायक होती है। दक्षिण भारत में वर्षा के लिए महिलाओं द्वारा अभद्र गीत गाए जाते थे। 'देवयात्रा' नामक उत्सव में देवयात्रा के दौरान नृत्य करने वाली कन्याओं द्वारा अश्लील गीत गाना और अभद्र इशारे करना उत्सव का हिस्सा माना जाता था। इसका उद्देश्य प्रजनन क्षमता यानी फर्टिलिटी को बढ़ावा देना और संतान प्राप्ति सुनिश्चित करना था।

होलिका, वसंतोत्सव, मदन महोत्सव और अन्य मौसमी उत्सवों में भी अश्लील शब्दों का प्रयोग होता था। होली के अवसर पर अश्लील चुटकुले सुनाने या गालियां देने की परंपरा आज भी उत्तर भारत के अनेक स्थानों पर जीवित है। उस उत्सव का एक विशेष अंग 'भांड बधाई' कहलाता था। हिंदी में 'भांड' शब्द विशेषण के रूप में बेशर्म, अपमानजनक, अश्लील और अभद्र व्यक्ति के लिए प्रयोग होता है।

एक-दूसरे को अपशब्द या गाली देने से गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रदोष या पाप से मुक्ति मिलती है, ऐसी मान्यता भी थी। दुर्गापूजा के दसवें दिन होने वाले शबरोत्सव में अभद्र अभिव्यक्ति उत्सव का हिस्सा होती थी। जीमूतवाहन ने अपने 'कालविवेक' में उल्लेख किया है कि जो व्यक्ति भग-लिंग से संबंधित शब्दों, गीतों और क्रियाओं में भाग नहीं लेता, उस पर देवता का कोप होता है। ग्रामीण बंगाल में आज भी इस परंपरा के कुछ रूप जीवित हैं।

कहीं-कहीं देवी जया की उपासना में नग्न होकर नाचना, खराब भाषा बोलना और अपनी पूजा स्वीकार न करने पर बच्चे की तरह क्रोधित होना जैसी परंपराएं भी थीं। देवी के सम्मान में गुजरात के लोकनाट्य 'भवई' में कुछ ऐसे वेश भी खेले जाते थे, जो आज अभद्र लग सकते हैं। देवांगना देसाई के अनुसार इसका एक कारण यह भी था कि जब समाज में मनोचिकित्सक जैसी व्यवस्था नहीं थी, तब इस तरह मन के विकारों का सार्वजनिक कैथार्सिस यानी विरेचन हो जाता था और मानसिक स्वास्थ्य संतुलित रहता था। मन में किसी घटना या व्यक्ति को लेकर जमा धुंध या क्रोध तनाव बनकर स्वास्थ्य को खराब न करे, इसके लिए उसकी सार्वजनिक अभिव्यक्ति का रास्ता मौजूद था।

लेकिन सामान्य व्यक्ति को आज यह समझाना कठिन है तो उस समय इसे कैसे समझाया जाता? इसलिए यह माना जाता था कि अश्लील प्रदर्शन दुरात्माओं को डराता है। मेघों की गर्जना और बिजली को राक्षसी शक्तियां माना जाता था, जिन्हें भवनों पर अश्लील प्रदर्शन के जरिए दूर रखा जा सकता है।

राखी के धागों में बुनी प्रार्थनाएँ → भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, बदलते समय और रक्षा बंधन से जुड़ी बढ़ी हुई जिम्मेदारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

रक्षा बंधन भारतीय संस्कृति का एक ऐसा त्योहार है जो सबसे अंतरंग होता है। यह सिर्फ भाई की कलाई पर राखी बांधने और उसे मिठाई खिलाने का दिन नहीं है, बल्कि यह भाई-बहनों के बीच प्यार, विश्वास, यादों और आजीवन मित्रता का दिन है। राखी सिर्फ एक धागा है जिसके भीतर बचपन से लेकर वर्तमान प्रेम और बेहतर भविष्य की आशाओं तक कई भावनाएं समाई होती हैं। बहन द्वारा राखी बांधना सिर्फ सुरक्षा की प्रार्थना ही नहीं है, बल्कि उनके बंधन का प्रतीक भी है। वह मौन रूप से भाई की खुशी, कुशल मंगल, स्वास्थ्य और सफलता के लिए प्रार्थना कर रही होती है। बदले में, भाई जीवन के विभिन्न पड़ावों पर अपनी बहन का सहारा बनने का कर्तव्य निभाता है।

भाई-बहन के रिश्ते में अक्सर शुरुआती दौर में थोड़ी-बहुत नोकझोक होती है, जो धीरे-धीरे जीवन के सबसे गहरे भावनात्मक बंधनों में से एक बन जाती है। बच्चों के मामले में, खिलौनों, मिठाइयों या किसी भी चीज़ को लेकर होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक ही अनमोल यादें बन जाती हैं। जैसे-जैसे भाई-बहन बड़े होते हैं, वे अपनी पढ़ाई, नौकरी की तलाश, शादी और परिवार में व्यस्त हो जाते हैं। कुछ दूसरे शहरों या दूसरे देशों में चले जाते हैं। भले ही दोनों के बीच दूरी बढ़ जाए, लेकिन भावनात्मक जुड़ाव भी उतना ही गहरा हो जाता है। रक्षा बंधन इसी बंधन को याद रखने और फिर से जीवंत करने का एक ज़रिया है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में रक्षा बंधन के महत्व को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है। परिवार छोटे होते जा रहे हैं और संयुक्त परिवारों की जगह अब मोहल्ले में फैले परिवार ले चुके हैं। भाई-बहन दूर-दूर रहते हैं और साल भर में शायद ही कभी मिल पाते हैं। ऐसे में राखी सिर्फ कलाई तक पहुंचने वाला धागा नहीं है; यह एक भावनात्मक धागा है जो दूरियों को पाटता है। राखी के साथ भावना वही रहती है, चाहे वह डाक से मिले या वीडियो कॉल के माध्यम से मनाई जाए—अपने प्रियजन की खुशहाली और सुख-शांति के लिए प्रार्थना।

लेकिन बदलाव के साथ, भाई का अपनी बहन के प्रति दायित्व क्या है, इस पर पुनर्विचार करना आवश्यक है। सुरक्षा का अर्थ केवल आपात स्थिति में उसके साथ खड़े रहना नहीं है। इसमें उसकी गरिमा, स्वतंत्रता, विकल्पों और अधिकारों का सम्मान करना भी शामिल है। यह कहना कि सुरक्षा के लिए बहन की स्वतंत्रता को सीमित करना आवश्यक है, सुरक्षा नहीं, बल्कि नियंत्रण है। एक अच्छा भाई वह होता है जो अपनी बहन की क्षमताओं पर विश्वास करता है, उसे पढ़ाई करने, अपने करियर का ध्यान रखने, अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और अपने जीवन के बारे में स्वयं निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति आदि क्षेत्रों, सशस्त्र सेवाओं, खेल, व्यवसाय, कला और अन्य सभी क्षेत्रों में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। एक भाई अपनी बहन को इस दुनिया में जो सबसे अच्छी चीज दे सकता है, वह है आत्मविश्वास। उसे यही करना चाहिए, उसका सहारा बनना चाहिए और उसकी उपलब्धियों को उसकी और उसके परिवार की उपलब्धि के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

राखी बांधना और भाई की दीर्घायु की कामना करना मात्र नहीं है; बहन की ज़िम्मेदारी सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं होनी चाहिए। भाई-बहन का रिश्ता देखभाल, सहयोग और संवेदनशीलता का रिश्ता है। बहन भाई को भावनात्मक सहारा दे सकती है जब वह किसी परेशानी में हो, और भाई बहन को सहारा दे सकता है जब वह किसी परेशानी में हो। जीवन की कठिनाइयों में भावनात्मक सहायता कभी-कभी आर्थिक सहायता से कहीं अधिक फायदेमंद साबित होती है। किसी के लिए, 'मैं तुम्हारे साथ हूँ' कहना ही सबसे कठिन समय का सामना करने का साहस देने के लिए काफी होता है।

रक्षा बंधन पारिवारिक संवाद के विकास का जायजा लेने का भी एक अवसर है। तकनीक ने लोगों के बीच की दूरियों को कम कर दिया है, लेकिन कई बार इसने एक ही मेज पर बैठे लोगों के बीच भी दूरी पैदा कर दी है। परिवार फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क में तो रह पाते हैं, लेकिन सार्थक बातचीत में ज्यादा समय नहीं व्यतीत होता। त्योहार हमें याद दिलाते हैं कि रिश्ते संदेशों, तस्वीरों और इमोजी से कायम नहीं रह सकते। उन्हें समय, सुनना, समझना और सुख-दुख में साथ देना चाहिए।

राखी का धागा उन लोगों के लिए विशेष भावनात्मक महत्व रखता है जिन्होंने अपने भाई या बहन को खो दिया है। कुछ लोगों के लिए यह हंसी और उत्सव का दिन होता है, तो कुछ के लिए यह यादों और खामोश आंसुओं का दिन। जिन बहनों के भाई घर से दूर, यहां तक कि देश की सीमाओं पर भी सेवा कर रहे हैं, उनके मन में स्नेह और देशभक्ति की भावना का एक विशेष मिश्रण होता है। इसी प्रकार, जो भाई-बहन परिस्थितियोंवश अलग हो गए हैं, वे भले ही कभी मिल न पाएं, लेकिन राखी उन्हें यह संदेश देती है कि चिंता न करें, उन्हें एक-दूसरे के प्रति अपना प्यार नहीं भूलना चाहिए।

अफसोस की बात है कि आजकल त्योहारों में भी उपभोक्तावाद हावी होता जा रहा है। राखी का महत्व, उपहारों का आदान-प्रदान और इसे मनाने की होड़ अक्सर आशीर्वाद से ज़्यादा बाधा बन जाती है। प्रेम एक खूबसूरत चीज़ है, इसे उपहारों के ज़रिए बेहतरीन तरीके से व्यक्त किया जा सकता है, लेकिन रिश्ते की कीमत उपहार में नहीं होती। उसके लिए भाई का सम्मान, विश्वास, समय और भावनात्मक सहारा किसी महंगे उपहार से कहीं ज़्यादा मूल्यवान है। इसी तरह, एक बहन का प्यार और मुश्किल समय में उसका सहारा भाई के लिए अनमोल होता है।

यह आवश्यक है कि पूरे वर्ष ऐसा वातावरण स्थापित किया जाए जहाँ प्रत्येक लड़की सुरक्षित, स्वतंत्र और सम्मानित महसूस करे। महिलाओं के सम्मान की शुरुआत परिवार से ही होनी चाहिए, जो धीरे-धीरे एक सामाजिक मूल्य में परिवर्तित हो जाए। बच्चों को स्वस्थ संबंधों के मूल मूल्यों के रूप में समानता, सहानुभूति, सहमति और सम्मान का महत्व छोटी उम्र से ही सीखना चाहिए।

इस लिहाज से, रक्षा बंधन सिर्फ भाई की कलाई पर धागा बांधने का दिन नहीं है।

रक्षासूत्र से वेदाध्ययन तक : श्रावणी पूर्णिमा का वैदिक स्वरूप

आचार्य ललित मुनि

श्रावण पूर्णिमा का दिन केवल रक्षाबंधन के कारण महत्वपूर्ण नहीं है। इसकी एक दूसरी, अत्यंत प्राचीन और गंभीर पहचान वेदाध्ययन तथा उपाकर्म की परंपरा से जुड़ी है। प्राचीन वैदिक शिक्षा व्यवस्था में अध्ययन केवल पुस्तकीय प्रक्रिया नहीं था। गुरु के आश्रम में श्रुति को सुनना, उसके उच्चारण को ठीक उसी स्वर और क्रम में दोहराना तथा नियमित स्वाध्याय के द्वारा उसे सुरक्षित रखना शिक्षा का मूल स्वरूप था।

श्रावणी पूर्णिमा इस वार्षिक अनुशासन में एक विशेष पड़ाव के रूप में सामने आती है। विभिन्न वैदिक शाखाओं और गृह्यसूत्र परंपराओं में उपाकर्म की तिथि और विधि में अंतर मिलता है, फिर भी श्रावण काल में वेदाध्ययन के पुनः आरंभ से इसका संबंध स्पष्ट दिखाई देता है। उपाकर्म शब्द का अर्थ ही है किसी कार्य का आरंभ या पुनः आरंभ। याज्ञवल्क्य स्मृति में अध्यायोपाकर्म के संबंध में कहा गया है-

'अध्यायानामुपाकर्म श्रावण्यां श्रवणेन वा। हस्तेनौषधिभावे वा पञ्चम्यां श्रावणस्य तु॥'

अर्थात वेदाध्ययन के उपाकर्म के लिए श्रावण मास में उपयुक्त काल निर्धारित किया गया है और विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार श्रवण नक्षत्र, हस्त नक्षत्र अथवा श्रावण की पंचमी का भी उल्लेख मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि उपाकर्म केवल एक लोकाचार नहीं था, बल्कि धर्मसूत्र और स्मृति परंपरा में व्यवस्थित संस्कार के रूप में विकसित हुआ। प्राचीन गृह्यसूत्रों में इसे वार्षिक वेदाध्ययन के आरंभ से जोड़ा गया है।

श्रावणी का यह संबंध उस शिक्षा पद्धति को समझने का अवसर देता है जिसमें ज्ञान का संरक्षण स्मृति और वाणी के अनुशासन से होता था। वेदों की रचना और उनका संरक्षण मूलतः श्रुति परंपरा में हुआ। तैत्तिरीय संहिता कृष्ण यजुर्वेद की प्रमुख संहिताओं में है और उसके साथ तैत्तिरीय ब्राह्मण, तैत्तिरीय आरण्यक तथा तैत्तिरीय उपनिषद की परंपरा जुड़ी है।

वैदिक विरासत के आधिकारिक अभिलेखन में तैत्तिरीय आरण्यक के संबंध में ब्रह्मयज्ञ, वेदपाठ, दैनिक प्रार्थना तथा पूर्वजों के प्रति कर्तव्य जैसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है। इससे यह समझने में सहायता मिलती है कि वेदाध्ययन केवल मंत्र याद करने का अभ्यास नहीं था, बल्कि आचार, अनुष्ठान और उत्तरदायित्व से जुड़ी संपूर्ण जीवन पद्धति था। तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में गुरु द्वारा अध्ययन पूर्ण कर रहे शिष्य को दिए जाने वाले उपदेश में कहा गया है-

'सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः।'

अर्थात सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो और स्वाध्याय में कभी प्रमाद मत करो।

श्रावणी उपाकर्म की आत्मा को के लिए यह वाक्य विशेष अर्थ रखता है। ज्ञान प्राप्त कर लेना अंतिम लक्ष्य नहीं था। ज्ञान के निरंतर अभ्यास और उसके संरक्षण को भी उतना ही आवश्यक माना गया। यही कारण है कि वेदाध्ययन की परंपरा में वार्षिक पुनरारंभ का विधान केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अध्ययन के प्रति पुनः संकल्प लेने की प्रक्रिया के रूप में देखा जा सकता है।

उपाकर्म के साथ ऋषि स्मरण और ऋषि तर्पण की परंपरा भी जुड़ी रही है। यह भाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस ज्ञान का अध्ययन किया जा रहा है, उसके पीछे जिन ऋषियों, आचार्यों और परंपरागत शिक्षकों की स्मृति है, उन्हें विस्मृत न करना ज्ञान परंपरा का नैतिक पक्ष था। इसलिए श्रावणी पूर्णिमा को केवल व्यक्तिगत धार्मिक पुण्य से जोड़कर देखना इसके व्यापक अर्थ को सीमित कर देना होगा। यह दिन उस बौद्धिक ऋण की स्मृति भी है जिसे विद्यार्थी अपने गुरु, ऋषियों और ज्ञान परंपरा के प्रति स्वीकार करता था। रक्षासूत्र की परंपरा इसी दिन के दूसरे महत्वपूर्ण आयाम को सामने लाती है।

बोध कथा

रक्षा का भार

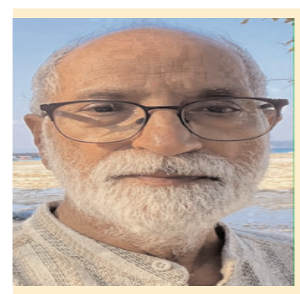

डॉ रामेश्वरम तिवारी

प्रति वर्ष की तरह कैप्टन अमर ने रक्षाबंधन पर अपनी बहन रेवती के पास जाने के लिए छुट्टी का आवेदन किया। उसने अपनी बगल में खड़े अमन से पूछा- 'क्या तुम रक्षाबंधन पर घर नहीं जा रहे हो... ?'

अमन ने उदास स्वर में कहा- 'दोस्त! मेरी माँ और बहन की कोरोना काल में मृत्यु हो गई है। मैं इस दुनिया में अकेला हूँ। मेरे घर जाने की कोई वजह नहीं है।'

अमर बोला- 'तो चलो! मेरे साथ मेरे घर चलो। तुम मेरी बहन से राखी बँधवा लेना। मुझे व बहन को तुम्हारे जैसा भाई और माँ को एक और बेटा मिल जाएगा।'

अमर ने दो दिन पहले अपनी माँ और बहन को फोन कर बताया कि वह अमुक ट्रेन से, अमुक समय पर रहा है। माँ और बहन नियत समय पर स्टेशन पहुँचे, पर रवि ट्रेन से नहीं उतरा और ट्रेन अगले गंतव्य की ओर चल दी। माँ-बेटी को आशंकाओं ने घेर लिया। कई बार फोन लगाया, पर पहुँच से बाहर की ध्वनि आती रही।

फ़ौजी दफ़्तर में फ़ोन लगाने पर पता चला कि केप्टन अमर के बारे में संतोषजनक प्रत्यूत्तर नहीं मिला। बावजूद रेवती रक्षाबंधन के दिन थाल सजाए द्वार पर खड़ी होकर सुबह से देर शाम तक भाई की प्रतीक्षा करती रही। अंततः रुआँसी होकर घर के भीतर चली गई। तभी '? नमः शिवाय' मंत्र की मधुर ध्वनि करती कालबेल बजी। रेवती ने दौड़कर जैसे ही दरवाज़ा खोला, पर किसी अजनबी को द्वार पर खड़ा देखकर हतप्रभ रह गई।

अमन ने अपना परिचय देते कहा- 'मेरा नाम अमन है।आपका भाई अमर और मैं एक ही कमांड में सेवारत हैं। जिगरी दोस्त भी हैं। मेरा इस दुनिया में कोई नहीं है। हम दोनों ने रक्षाबंधन पर आपके यहाँ आने का प्रोग्राम बनाया था।

कविता

रक्षा-सूत्र

डॉ.अनुज प्रभात
दीनदयाल चौक0
फारबिसगंज - 854318
अररिया (बिहार)
मो.7979966155 / 9470023249

सावन की पूर्णिमा आई,
आँगन में उजियारा लाई,
भाई-बहन के पावन रिश्ते
में फिर स्नेह की गंध समाई।

राखी केवल धागा नहीं—
मन का एक भरोसा है;
सुख में साथ, दुःख में सहचर,
रिश्तों का यह वादा है।

बहना स्नेह सजाकर थाली,
भाई की कलाई सजाती;
माथे रोली, आँखों सपने,
मन ही मन मंगल गाती।

यह पर्व बहुत पुराना है,
स्मृतियों का ताना-बाना;
कर्णावती की राखी पहुँची,
हुमायूँ ने रखा मान।

संकट में जब बहन पुकारे,
दूर देश से बंधन आए;
राखी के इस कोमल धागे
ने कितने ही भेद मिटाए।

गाँवों की अपनी भी गाथा,
अपनी रीत, रंग और छाया;
सामा-चकेवा की लोककथा ने
भाई-बहन का प्रेम सुनाया।

छठ के बाद लोक-मन में
यह उत्सव रंग जमाता;
माटी की सोंधी खुशबू में
स्नेह-सूत्र लहराता।

कृष्ण-द्रौपदी की कथा पुरानी
रक्षा-भाव जगाती है;
कृष्ण की घायल उँगली पर
द्रौपदी पट्टी बाँधती है।

व्यंग्य केसरी

रामभरोसे की भूख

बेबाक बनारसी

रामभरोसे को पिछले कुछ दिनों भूख नहीं लग रही थी। कुछ खाने का मन ही नहीं होता था। वह आश्चर्यचकित था कि भूख को क्या हो गया।

पहले तो डट कर खाता था लेकिन अब क्या हो गया।

सुबह फलाने दल के नेता का भाषण सुना, उसके बाद भी भूख नहीं लगी । दोपहर को ढिकाने दल के नेता का भाषण सुना, उसके बाद भी वही हाल। सोचा, शाम को भूख लगेगी, मगर कोई फायदा नहीं।

वह तीसरी पार्टी के नेता का भाषण सुन कर घर लौटा, तो भी पेट लबालब भरा-भरा सा। घर वाले परेशान कि मामला क्या है। कहीं पेट में कोई खराबी तो नहीं।

रामभरोसे ने डॉक्टर से मुलाकात की।

डॉक्टर ने पहले उसका पेट को दबाया। पर कुछ समझ में नहीं आया। फिर उसने सोनोग्राफी की तो देखा सारा सिस्टम ठीकठाक है। फिर भूख क्यों नहीं लगती ?

डॉक्टर ने रामभरोसे पिछले कुछ दिनों की दिनचर्या पूछी तो उसने बताया कि 'कुछ दिनों से राजनीतिक दलों की आमसभाओं में जा रहा हूँ। बाहर का कुछ विशेष खा भी नहीं रहा हूँ।'

डॉक्टर उसकी बात सुनकर मुस्कुराया और बोला, 'तुम्हारी बीमारी की जड़ तक में पहुंच गया हूँ। ये जो तुम रोज नेताओं के तरह- तरह के लुभावन भाषण सुन रहे हो न, इसके कारण तुम्हारे मन में तृप्ति का एहसास जाग जाता है और तुम भविष्य की सुखद कल्पना करके निश्चिंत हो जाते हो । किसम किसम के वादे सुन- सुनकर तुम्हारा पेट भर जाता है। यही कारण है कि भूख नहीं लग रही। बेहतर यही होगा कि भाषण सुनना बंद करो। फिर देखो कमाल।'

डॉक्टर की बात सुनकर रामभरोसे लगा यह ठीक कह रहे हैं । कुछ दिनों से नेताओं के भाषण सुनने का नशा ही लग गया था उसे ।इस कारण समय भी बर्बाद हुआ और भूख न लगने की बीमारी भी लग गई ।

रामभरोसे ने कसम खाई कि 'अब किसी की आमसभा में नहीं जाऊंगा'।

वह दिन और आज का दिन, राम भरोसे का पेट बिलकुल ठीक है। उसे भूख लग रही है। वह पर्याप्त भोजन ले रहा है।

इतिहास

28 अगस्त का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए जाना जाता है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ1600: मुग़लों ने अहमदनगर पर क़ब्ज़ा किया।

1833: ब्रिटिश संसद ने दास प्रथा उन्मूलन अधिनियम को मंजूरी दी, जिससे उपनिवेशों में दासता समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

1845: प्रसिद्ध पत्रिका 'साइंसिफ़िक अमेरिकन' का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।

1916: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इटली ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1956: इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर एशेज क्रिकेट श्रृंखला पर कब्जा किया।

1963: अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने लिंकन मेमोरियल के पास ऐतिहासिक 'आई हैव अ ड्रीम' (I Have a Dream) भाषण दिया।

अचानकमार टाइगर रिजर्व में बाघिन के दर्जनभर शावक टेरेटरी की तलाश में बफर जोन में चहलकदमी

बाघों की सुरक्षा के लिए करना होगा इंतजाम

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। अचानकमार टाइगर रिजर्व में एक बार फिर अपने पुराने वैभव में लौटने लगा है , एटीआर में वयस्क बाघों की संख्या डबल फिगर (सुरक्षा कारणों से संख्या नहीं बता सकते) में पहुंच गई है ।

वयस्क बाघों में से पांच बाघिन के एक दर्जन से ज्यादा शावक होने की सूत्रों ने जानकारी दी है।

बाघों की बढ़ती आबादी को देखते हुए अचानकमार टाइगर रिजर्व की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। हालांकि वर्तमान में पदस्थ मुख्य वनसंरक्षक (वन्य प्राणी) एवं फील्ड डायरेक्टर प्रियंका पाण्डेय के आने से वन क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूती मिल रहा है। जबकि पूर्व में रहे डिप्टी डायरेक्टर गणेश की उपस्थिति में बाघों के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता रहा है इनके कार्यकाल में बाघों के दो शिकार भी हुए हैं और साथ ही सारंगढ़ के पास गोमर्दा के जंगलों भी बाघ की शिकार को दबाया गया था, इनका मैनेजमेंट सही नहीं रहा है,इसीलिए अभी अचानकमार टाइगर रिजर्व से हटा बायोस्फीयर में लूप लाइन में बैठाया गया है।

वर्ष 2023 में अचानकमार टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या महज 5 ही थी, प्रे - बेस की व्यवस्था करने तथा सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की वजह से बाघों की संख्या महज़ तीन साल में आकर्षक अंक को छू लिया है, (सुरक्षा कारणों से संख्या नहीं बता सकते) के करीब पहुंच गई है। शावक डेढ़ से दो वर्ष में अपनी मां से अलग हो शिकार करने लगते हैं , इसी के साथ ही मां से अलग हुए शावक अपना कुनबा खुद बढ़ाने में लग जाते हैं।

मां से अलग हुए हुए बाघिन ने दिए शावकों को जन्म कुछ दिन पहले ही एटीआर के प्रतिबंधित क्षेत्र में बाघिन के हमले से बाघिन के हमले से धरमजीत घृतलहरें की मौत हो गई थी , वन सूत्रों ने बताया है कि ये वहीं बाघिन है जो दो वर्ष पूर्व मनेंद्रगढ़ से रेस्क्यू कर लाई गई थी उसी बाघिन के शावक ही वयस्क हो गई है उसी ने अपने शावकों की रक्षा करने के लिए धर्मजीत पर हमला किया था , बाघिन के हमले से युवक के मारे जाने की जानकारी मिलने के बाद बढ़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए थे लेकिन एक प्रत्यक्ष दर्शी ग्रामीण ने बताया कि बाघिन अपने शावकों की रक्षा करने के लिए वही पर डटी रही थी।

मादा बाघ अपने सुरक्षा के लिए जगह बदलते रहते हैं

मादा बाघ अपने शावकों की सुरक्षा के लिए हर समय चौकन्नी रहती हैं , इसलिए बिग कैट प्रजाति के वन्यजीव अपने शावक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी टेरेटरी बदलते रहते हैं , यही कारण है कि एटीआर के बाघ कोर एरिया से निकलकर बफर जोन में प्रवेश कर जाते हैं , वहीं बफर जोन में प्राय: पालतू मवेशियों के शिकार करने की घटनाएं सुनाई देती रहती है।

गश्त बढ़ाने की जरूरत

अचानकमार टाइगर रिजर्व 914 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है इनमें से सवा 6 सो किलोमीटर का क्षेत्रफल ही कोर एरिया में आता है जहां सामान्य आदमियों को जाना प्रतिबंधित है,228 वर्ग किलोमीटर बफर जोन में शामिल है और इसी बफर जोन में 17 गांव भी शामिल है पूर्व में डीएफओ रहे श्री एस डी बड़गैय्यां के कार्यकाल में पांच गांवों शानदार विस्थापन किया गया था, और अभी एटीआर से निकाल कर दूसरे जगह भी शिप्ट किया जाना प्रस्तावित है लेकिन शिफ्टिंग की प्रक्रिया बहुत धीमीगति है , इसी के साथ ही वन क्षेत्र में फील्ड स्टाफ की संख्या बढ़ाने और बाघों की सुरक्षा के लिए गश्त बढ़ाने की जरूरत है।

वन्यप्राणी के अवैध शिकार एवं मांस विक्रय का मामला, 7 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। वन्यप्राणियों के अवैध शिकार एवं उनके अवैध व्यापार के विरुद्ध वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत वनमंडलाधिकारी बलौदाबाजार श्री पंकज कुमार कमल के निर्देशन में शिकार के प्रति जीरो टॉलरेन्स पालिसी के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है।

25 अगस्त को प्रात: 11:15 बजे मुखबिर से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बिलाड़ी निवासी छब्बीलाल सारथी के निवास स्थान पर वन्यप्राणी जंगली सुअर का अवैध रूप से रखा गया मांस विक्रय हेतु उपलब्ध है। सूचना प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए वन विभाग की टीम तत्काल ग्राम बिलाड़ी के लिए रवाना हुई।

मौके पर संयुक्त टीम द्वारा विधिवत तलाशी लेने के दौरान मकान के समीप बाड़ी की मेढ़ के पास अजय सारथी को एक प्लास्टिक बोरी, तराजू, लोहे का कट्टा (मांस काटने का औजार) एवं लकड़ी के गुटके के साथ पकड़ा गया। बोरी की जांच करने पर उसमें जंगली सुअर का मांस पाया गया।

पूछताछ के दौरान अजय सारथी द्वारा बताया गया कि उसके चाचा छब्बीलाल सारथी द्वारा कोनी-बेंचा डैम के समीप जंगल क्षेत्र में पालतू कुत्ते की सहायता से जंगली सुअर के बच्चे का अवैध शिकार किया गया था तथा दोनों द्वारा उक्त मांस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर विक्रय किया जा रहा था। पूछताछ एवं प्राप्त जानकारी के आधार पर मांस क्रय करने वाले अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।

प्रकरण में छब्बीलाल सारथी और अजय सारथी सहित मांस क्रय करने वाले अन्य 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार प्रकरण में कुल 07 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (संशोधित 2022) की धारा 9, 39, 44, 48(क), 50 एवं 51 के अंतर्गत क्र.ह.क्र क्रमांक 16428/25, दिनांक 25/08/2026 पंजीबद्ध किया गया है।

मौके पर नियमानुसार पंचनामा एवं जप्तीनामा तैयार कर जप्त सामग्री को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। सभी सात आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने के उपरांत दिनांक 26 अग्सत को जिला जेल, बलौदाबाजार में विधिवत जेल दाखिल कराया जा चुका है।

प्रकरण में वन्यजीव अपराध से संबंधित अन्य तथ्यों एवं संभावित संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी के संबंध में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है।

अवैद्य खाद बिक्री के जांच की मांग

नगरी के पत्रकारों ने एसडीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। शासकीय दर से अधिक कीमत पर यूरिया खाद की बिक्री तथा जिले से खाद को कथित रूप से ओडिशा और बस्तर भेजे जाने के मामले को लेकर नगरी के पत्रकारों ने तहसीलदार को एस डी एम के नाम ज्ञापन सौंप पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

पत्रकारों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध रूप से और निर्धारित दर से अधिक कीमत पर यूरिया खाद की बिक्री किए जाने की खबरें समय-समय पर समाचार पत्रों और डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से प्रकाशित की जा रही हैं। इसके बावजूद संबंधित अवैध खाद विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय कृषि विभाग द्वारा उन्हें कथित रूप से संरक्षण दिया जा रहा है।

पत्रकारों ने यह भी आरोप लगाया कि जब मीडिया कर्मी इस तरह के मामलों की सच्चाई उजागर करने का प्रयास करते हैं, तो उनके खिलाफ थाने में झूठी शिकायतें कर दबाव बनाने की कोशिश की जाती है। पत्रकारों का कहना है कि ऐसी कार्रवाई का उद्देश्य मीडिया को शांत करना और अवैध गतिविधियों को निर्बाध रूप से जारी रखना हो सकता है।

मामले का एक उदाहरण नगरी ब्लॉक के अंतिम छोर पर स्थित घुरावड़ गांव से सामने आने की बात कही गई है। पत्रकारों के अनुसार, गांव में संचालित एक कृषि केंद्र द्वारा यूरिया खाद निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बेचे जाने की जानकारी सामने आई थी।

ईद मिलाद-उन-नबी पर पुलिस ने मुस्लिम समुदाय को किया जागरूक

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। छत्तीसगढ़ पुलिस के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत गरियाबंद पुलिस द्वारा एक विशेष और सराहनीय पहल की गई ईद मिलाद-उन-नबी (ईद-ए-मिलाद) के पवित्र त्योहार के अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा मुस्लिम समुदाय के भाईयों के बीच पहुंचकर उन्हें डिजिटल सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचने के प्रति जागरूक किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित नागरिकों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड, वित्तीय धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस बीच थाना मैनपुर एवं पाण्डुका के अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के लिए व्यावहारिक और सरल उपाय साझा किए अपनी बैंकिंग जानकारी, एटीएम पिन पासवर्ड या यूपीआई पिन कभी भी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करे। किसी भी संदिग्ध कॉल या लॉटरी के झांसे में आकर अपना ओटीपी किसी को न बताए। सोशल मीडिया या व्हाट्सएप पर आने वाले अनजान लिंक्स या एपीके फाइलों पर क्लिक करने से बचे।

शिक्षकों के लिए विभागीय टेट कराने पर शिक्षामंत्री राजी

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। छत्तीसगढ़ में टेट को लेकर आंदोलनरत शिक्षकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है, छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के साथ हुई बैठक में शिक्षा मंत्री ने विभागीय टेट आयोजित कराने पर सहमति जताई है, बैठक में शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित योग्यता के दायरे में शिक्षकों को लाने के लिए विभागीय परीक्षा आयोजित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी। वर्ष में 3 बार सेवारत शिक्षकों के लिए विभागीय टेट परीक्षा आयोजित करने पर बनी सहमति दी गई।

शिक्षा मंत्री के साथ शिक्षक संघर्ष मोर्चा की बैठक में टेट समेत शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई, शिक्षक संगठनों ने सरकार से टेट को लेकर स्पष्ट रुख जानना चाहा, इस पर शिक्षा मंत्री ने आश्वस्त किया कि सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष व अलग टेट परीक्षा आयोजित की जाएगी, यह परीक्षा सामान्य टेट से अलग विभागीय स्तर पर शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कराई जाएगी। परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को बनाने के सुझाव पर सहमति प्रदान की गई, न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 अंक को रखने का सुझाव दिया गया है। पूर्व के डीपीसी हुए रिक्त पदों पर पूर्व नियमों के आधार पर वेटिंग सूची से प्राचार्य पदोन्नति देने, ई संवर्ग के व्याख्याता पर पदोन्नति, प्रधान पाठक माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला पर वरिष्ठता आधारित पदोन्नति हेतु रास्ता निकालने पर सहमति व्यक्त की गई है।

कोटपा एक्ट के तहत तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर कार्रवाई

विश्व केसरी

सक्ती। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर के निर्देश अनुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ,खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग व पुलिस विभाग द्वारा गठित संयुक्त टीम द्वारा कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान ब्लॉक जैजैपुर के सार्वजनिक स्थानों तथा शैक्षणिक संस्थाओं के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं धूम्रपान की जांच की गई। निरीक्षण में नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद 29 चालान की कार्यवाही करते हुए 3700 की जुर्माना वसूला गया । संबंधित दुकानदारों को भविष्य में तंबाकू नियंत्रण कानून का सख्ती से पालन करने का हिदायत दी गई । कार्यवाही के साथ-साथ आमजान को कोटपा अधिनियम 2003 की धाराओं की जानकारी भी दी गई तथा दोबारा उल्लंघन पाए जाने पर कडी कानूनी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई।इस अभियान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से औषधि निरीक्षक भुवनेश्वरी मोहल्ले, दुर्गेश केवर्तीय, स्वास्थ्य विभाग से डेंटल असिस्टेंट ममता चंद्रा एवं पुलिस विभाग से आरक्षक के.सिदार उपस्थित थे।

एनएचआरएसजेसी ने बंदियों को राखी बांध मनाया रक्षा बंधन

विश्व केसरी

सक्ती। रक्षाबंधन भाई और बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व ही नहीं, बल्कि यह आपके लिए आत्मविश्लेषण, प्रायश्चित और नए जीवन की शुरुआत करने का भी दिन है, यह बात बताते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के प्रदेश अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने उप जेल में विचाराधीन बंदियों से कहा कि जैसे हर अंधेरी रात के बाद एक नई सुबह है वैसे ही इन सलाखों के पीछे भी उम्मीद की एक वजह है जिसमें आपके परिवार, मित्र और समाज के लोग आपसे अच्छे जीवन की आस लगाए आपके सुनहरे भविष्य की दुआ कर रहे हैं।

आज NHRSJC महिला सेल जिलाध्यक्ष कांता यादव के अगुवाई और जिलाध्यक्ष महेंद्र बरेठ के मार्गदर्शन में उप जेल शक्ति में बंदियों को राखी बांध कर उन्हें रक्षाबंधन की बधाई देते हुए शीघ्र समाज की मुख्य धारा में वापसी की कामना किया।

सक्ती मुस्लिम समाज की ऐतिहासिक पहल: जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी पर विशाल रक्तदान शिविर

विश्व केसरी

सक्ती। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर, शक्ति मुस्लिम जमात द्वारा एक नई और ऐतिहासिक पहल की गई। इस पावन अवसर पर, मदरसा गरीब नवाज़, सक्ती में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य मानवता की सेवा और भाईचारे का संदेश देना था।

शिविर का आयोजन दोपहर 2:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक किया गया, जहाँ शहरवासियों में भारी उत्साह देखने को मिला। 'रक्तदान - जीवनदान' के नारे को साकार करते हुए, काफी लोगों ने बढ़-चढ़कर इस नेक काम में हिस्सा लिया और निस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। मुस्लिम जमात के युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ सदस्यों ने भी इस शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में कौमी एकता का मिसाल देते हुए मयंक सिंह ठाकुर गौ सेवक , निखिल शर्मा और गौतम शर्मा ने शामिल होकर रक्तदान किया और कार्यक्रम को सफल बनने में सहयोग किया। रक्तदान करने के बाद प्रमाण पत्र और हेलमेट वितरणकया गया और ट्रैफिक नियमों के बारे में भी बताया गया और ट्रैफिक नियमों का पालन करने भी जागरूक किया गया।

मोहम्मद असलम साबरी ने बताया की इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर मानवता और सेवा का संदेश फैलाना 'आपका दिया हुआ रक्त किसी की जिंदगी बना सकता है, और यही ईद का सच्चा जश्न है।'

महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार : विभा अवस्थी

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार ने बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त एडवांस में जारी करने के आदेश दिए हैं। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश की महिलाओं में खुशी और उत्साह का माहौल है। रक्षाबंधन से पहले किस्त मिलने से लाखों महिला हितग्राहियों को आर्थिक सहायता मिलेगी और वे अपने परिवार के साथ पर्व को उत्साहपूर्वक मना सकेंगी। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

योजना के तहत अब तक 30 किस्तें जारी की जा चुकी हैं तथा 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिला हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। अब 31वीं किस्त को एडवांस में जारी करने के निर्णय को सरकार की महिला हितैषी पहल के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व से पहले योजना की किस्त एडवांस में जारी करने का निर्णय महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से संचालित कर रही है। त्योहार से पहले आर्थिक सहायता मिलने से बहनों को अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिलेगा।

रक्षाबंधन से पहले किस्त मिलने से माताओं-बहनों की खुशियां होंगी दोगुनी : बिंदु सिन्हा

भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा ने कहा कि महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षाबंधन से पहले 31वीं किस्त एडवांस में जारी करने का निर्णय माताओं-बहनों के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय मिलने वाली यह आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। इससे वे अपने परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व खुशी और उत्साह के साथ मना सकेंगी। उन्होंने कहा

कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीब परिवारों के हित में लगातार जनकल्याणकारी निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पावन पर्व है। इस अवसर पर बहनों को आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े, इसी भावना के साथ अगली किस्त को एडवांस में जारी करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान, आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं को अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा अपने निर्णयों में अधिक आत्मनिर्भर बनने में सहयोग प्रदान कर रही है।

सक्ती के होनहार अनुभव देवांगन ने नीट में लहराया परचम

विश्व केसरी

सक्ती। नगर के होनहार छात्र अनुभव देवांगन ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर शानदार सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अनुभव ने अखिल भारतीय स्तर पर ऑल इंडिया रैंक 4743 और छत्तीसगढ़ राज्य में 5वां स्थान प्राप्त किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन प्रतिष्ठित शासकीय मेडिकल कॉलेज, नागपुर के लिए हुआ है। अनुभव के पिता सुभाष देवांगन एवं माता दीपमाला देवांगन ने बेटे की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अत्यंत हर्ष व्यक्त किया है। परिजनों ने बताया कि अनुभव बचपन से ही मेधावी और अनुशासित रहे हैं और डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना उनका सपना रहा है।

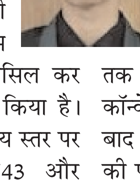

प्रारंभिक शिक्षा से लेकर सफलता तक का सफर

अनुभव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा 10वीं तक सक्ती स्थित लिटिल फ्लावर कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कक्षा 11वीं और 12वीं की पढ़ाई LCIT बिलासपुर से पूरी की। नियमित अध्ययन, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता और शिक्षकों के मार्गदर्शन से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। अनुभव के शासकीय मेडिकल कॉलेज नागपुर में चयन होने पर परिवार, शिक्षकों, इष्टमित्रों सहित पूरे सक्ती नगर में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और शुभचिंतकों ने अनुभव को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

लगातार दूसरे दिन गिरा बाजार, सेंसेक्स 539 अंक फिसला; निफ्टी 0.48 प्रतिशत नीचे

विश्व केसरी

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के चलते हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान मेटल, पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों निफ्टी और सेंसेक्स में 0.70 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक यानी 0.70 प्रतिशत गिरकर 76,933.59 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी50 116.90 अंक यानी 0.48 प्रतिशत गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.10 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी सीमेंट में सबसे ज्यादा 1.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.94 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 89 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 0.86 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.51 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। वहीं, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी50 इंडेक्स में अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये दिन के टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई और ये शीर्ष नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि एक्सपायरी की वजह से होने वाली उठा-पटक और मिडिल ईस्ट में किसी कूटनीतिक सफलता की कमी के चलते फिलहाल बाजार एक दायरे में ही बने हुए हैं। हालांकि कंपनियों की कमाई के अनुमानों में ऊर्जा की ऊंची कीमतों का असर काफी हद तक शामिल है, लेकिन हाल ही में कच्चे तेल की कीमतों और लॉन्ग-टर्म बॉन्ड यील्ड में आई कमी से महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद बनी है। एक्सपर्ट ने आगे कहा, 'इस बीच, एफआईआई का निवेश और कंपनियों की कमाई में लगातार मजबूती भारतीय शेयरों, खासकर मिड-कैप शेयरों के लिए मददगार बनी हुई है।

सोना बढ़त के साथ खुला, चांदी का दाम 2.40 लाख के पार

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी की शुरुआत गुरुवार को तेजी के साथ हुई। हालांकि, दोनों कीमती धातुओं का दाम एक सीमित दायरे में बना हुआ है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,59,663 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 836 रुपए की तेजी के साथ 1,60,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

यह सुबह 9:45 पर 468 रुपए या 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,60,131 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। शुरुआती कारोबार में सोने ने 1,59,954 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,60,898 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। चांदी में भी खरीदारी देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिग 2,39,638 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 3,361 रुपए की मजबूती के साथ 2,42,999 रुपए प्रति किलो पर खुला।

शुरुआती कारोबार में इसमें मुनाफावसूली देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक यह 923 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,40,561 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक कारोबार में सोने ने 2,40,429 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,42,999 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था। जानकारों के मुताबिक, अमेरिका में महंगाई लगातार फेड के लक्ष्य 2 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इससे फेड की ओर से ब्याज दर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। वहीं, बॉन्ड यील्ड कम हैं, जिससे सोने एक सीमित दायरे में बना रह सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,678 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 68.98 डॉलर प्रति औंस पर था। सोने और चांदी का प्रदर्शन बीते एक महीने में काफी अच्छा रहा है। इस दौरान सोने ने डॉलर में करीब 15 प्रतिशत और चांदी ने 17.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, बीते एक साल में सोने ने 36 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने 76 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

एप्पल 9 सितंबर को नया आईफोन 18 प्रो और फोल्डेबल आईफोन करेगा लॉन्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक्नोलॉजी दिग्गज कंपनी एप्पल का वार्षिक इवेंट 9 सितंबर को होने जा रहा है। इसका आयोजन कैलिफोर्निया के क्यूपर्टिनो स्थित कंपनी के स्टीव जॉब्स थिएटर में होगा, जहां एप्पल आईफोन 18 प्रो और अपने पहले फोल्डेबल आईफोन मॉडल को लॉन्च करेगी।

यह आने वाले नए सीईओ जॉन टर्नस के तहत पहला बड़ा प्रोडक्ट लॉन्च होगा। टर्नस 1 सितंबर को एप्पल के सीईओ का पद संभालेंगे और टिम कुक का स्थान लेंगे।

इस इवेंट में कंपनी द्वारा नए आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, रिपोर्टों के अनुसार दोनों मॉडल बड़े डिजाइन बदलाव के बजाय मौजूदा मॉडल की तुलना में अपेक्षाकृत छोटे अपग्रेड के साथ आ सकते हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, एप्पल इस साल स्टैंडर्ड आईफोन 18 लॉन्च नहीं करेगा। स्टैंडर्ड आईफोन 18, आईफोन 18ई और आईफोन एयर 2 को 2027 की पहली छमाही में पेश किए जाने की उम्मीद है।

एप्पल के फोल्डेबल डिवाइस का नाम 'आईफोन अल्ट्रा' हो सकता है। इसमें किताब की तरह खुलने वाला फोल्डेबल डिजाइन होने की संभावना है। डिवाइस में करीब 7.8 इंच का इंटरनल डिस्प्ले और लगभग 5.5 इंच की बाहरी स्क्रीन हो सकती है।

फोन की अंदरूनी स्क्रीन में अंडर-डिस्प्ले कैमरा और बाहरी डिस्प्ले में पंच-होल कैमरा दिया जा सकता है। शुरुआती कीमत के अनुमान बताते हैं कि यह डिवाइस एप्पल के मौजूदा लाइनअप से काफी महंगा होगा। कुछ रिपोर्टों में इसकी शुरुआती कीमत करीब 2,000 डॉलर बताई गई है। रिपोर्टों के अनुसार, फोल्डेबल आईफोन के पीछे डुअल-कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, जिसमें मुख्य और अल्ट्रा-वाइड-एंगल कैमरा शामिल होंगे।

इसके अलावा, एप्पल द्वारा आईफोन में टचआईडी को वापस लाए जाने की भी संभावना है। सितंबर के इवेंट में आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स लॉन्च किए जाने की संभावना है। इन डिवाइस में नए ए20 प्रो चिप का इस्तेमाल हो सकता है, जो 2एनएम मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर आधारित होगा। इसके साथ एप्पल का सी2 मॉडेम भी दिया जा सकता है। कैमरे में भी बड़े अपग्रेड की उम्मीद है।आईफोन 18 प्रो मैक्स में वेरिएबल-अपर्चर मुख्य कैमरा दिए जाने की संभावना है।

भारत के अकाउंट एग्रीगेटर इकोसिस्टम ने वित्त वर्ष 2026 में 3.82 लाख करोड़ रुपए के कर्ज दिलाने में की मदद : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का अकाउंट एग्रीगेटर (एए) इकोसिस्टम वित्तीय क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह मजबूत कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अकाउंट एग्रीगेटर व्यवस्था के जरिए अनुमानित 3.82 लाख करोड़ रुपए के लोन का वितरण हुआ। यह राशि कुल 3.68 करोड़ कर्जों के माध्यम से वितरित की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, अब भारत की रिटेल और एमएसएमई लेंडिंग में अकाउंट एग्रीगेटर की हिस्सेदारी मूल्य के हिसाब से 8.4 प्रतिशत और लोन की संख्या के हिसाब से 11.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

आरबीआई से मान्यता प्राप्त अकाउंट एग्रीगेटर इकोसिस्टम की सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गेनाइजेशन (एसआरओ) सहमति की रिपोर्ट के अनुसार, एए के जरिए होम लोन और प्रॉपर्टी के बदले मिलने वाले लोन में भी जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में एए-सक्षम होम लोन और लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी के तहत 1.09 लाख लोन दिए गए, जिनकी कुल राशि 20,777 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 624 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अकाउंट एग्रीगेटर की पहुंच अब केवल बिना गारंटी वाले रिटेल लोन तक सीमित नहीं रही है। इसका इस्तेमाल सुरक्षित कर्ज यानी सिक्योर्ड क्रेडिट के लिए भी तेजी से बढ़ रहा है और इसमें बैंकों की भागीदारी भी मजबूत हो रही है।

मुख्यधारा के वित्तीय संस्थानों द्वारा इस व्यवस्था को अपनाने के कारण इसका विस्तार और तेज हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में एए के जरिए दिए गए कुल लोन में मूल्य के हिसाब से बैंकों की हिस्सेदारी 47.3 प्रतिशत रही, जो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों यानी एनबीएफसी के लगभग बराबर पहुंच गई।

रिपोर्ट में यह भी संकेत मिले हैं कि अकाउंट एग्रीगेटर व्यवस्था वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस प्लेटफॉर्म से जुड़े संस्थानों के आंकड़ों के अनुसार, लोन लेने वाले ऐसे लोग जिनका पहले कोई औपचारिक क्रेडिट रिकॉर्ड नहीं था, यानी न्यू-टू-क्रेडिट बॉरोअर्स, एए के जरिए हुए कुल लोन वितरण में संख्या के हिसाब से 18.2 प्रतिशत रहे। वहीं, महिला उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी लोन की संख्या में 19.8 प्रतिशत और वितरित राशि में 19.1 प्रतिशत रही। सहमति की मुख्य नीति और एडवोकेसी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने कहा कि जैसे-जैसे अधिक वित्तीय सूचना स्रोत इस व्यवस्था से जुड़ेंगे, अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क कर्ज देने की प्रक्रिया को तेज, अधिक समावेशी और वित्तीय संस्थानों व ग्राहकों दोनों के लिए अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

सरकार ने गांवों में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लोगों से मांगा सहयोग, शुरू की 'दानवीर' पहल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पंचायती राज मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक नई पहल शुरू की है। मंत्रालय ने लोगों से 'दानवीर' बनने का आह्वान किया है। यह एक जन-सहभागिता-आधारित कंप्यूटर क्राउडसोर्सिंग पहल है, जिसके तहत व्यक्ति और संस्थाएं सत्यापित ग्राम पंचायतों को सीधे डेस्कटॉप कंप्यूटर दान कर सकते हैं।

पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार, 'दानवीर' पहल का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में डिजिटल सुविधाओं को मजबूत बनाना और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों, विशेष रूप से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत उपलब्ध कराए जा रहे बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को पूरक सहयोग प्रदान करना है। इस पहल के माध्यम से ग्राम पंचायत को कंप्यूटर दान करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन खरीदारी जितना आसान बनाया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि 'मेरी पंचायत' ऐप के जरिए नागरिक अपने मोबाइल फोन पर उन ग्राम पंचायतों की सूची देख सकते हैं, जिन्हें संबंधित राज्य सरकारों द्वारा सत्यापित किया गया है और जिन्हें डेस्कटॉप कंप्यूटरों की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपनी मूल ग्राम पंचायत या किसी अन्य पात्र पंचायत को चुनकर सहयोग कर सकते हैं। जब कोई दानदाता 'डोनेट कंप्यूटर' विकल्प पर क्लिक करता है, तो उसे बिना किसी अलग पंजीकरण के सीधे डिजीहाट नामक ओएनडीसी-सक्षम डिजिटल मार्केटप्लेस पर भेज दिया जाता है। वहां चयनित ग्राम पंचायत का पता और प्राप्तकर्ता की जानकारी स्वत: भर जाती है, जिससे किसी प्रकार की मैनुअल जानकारी दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती।

दानदाता निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप उपलब्ध कंप्यूटर पैकेजों में से चयन कर सकते हैं, डिजिटल भुगतान कर सकते हैं और ऑर्डर की पूरी प्रक्रिया पर नजर रख सकते हैं। ऑर्डर की पुष्टि, डिस्पैच, डिलीवरी और प्राप्ति की सूचना तक हर चरण की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकती है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहती है। ग्राम पंचायत सचिव द्वारा डिलीवरी की पुष्टि किए जाने के बाद दानदाता को डिजिटल रूप से प्रशंसा प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाता है। मंत्रालय का कहना है कि यह व्यवस्था दानदाताओं को उनके योगदान की औपचारिक मान्यता देती है और पूरी प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करती है। सरकार के अनुसार, किसी ग्राम पंचायत को दान किया गया एक कंप्यूटर स्थानीय प्रशासन की कार्यक्षमता को काफी बढ़ा सकता है। इससे पंचायतें डिजिटल शासन मंचों का बेहतर उपयोग कर सकेंगी, वित्तीय प्रबंधन, रिकॉर्ड संधारण, विकास योजनाओं की निगरानी और नागरिक सेवाओं की डिलीवरी को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

2026 की दूसरी छमाही की शुरुआत में भारत में कई आर्थिक संकेतों ने दिखाई मजबूती : रिपोर्ट

विश्व केसरी

मुंबई। भारत ने 2026 की छमाही की शुरुआत कई सकारात्मक आर्थिक संकेतों के साथ की है, जिसमें विदेशी निवेशकों की खरीदारी, मानसून की रिकवरी, घरेलू वृद्धि और कंपनियों की आय का मजबूत होना शामिल हैं। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

पीएल वेल्थ के ताजा अगस्त 2026 के मार्केट आउटलुक में बताया गया कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतें, भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में अनिश्चितता से बाजारों में व्यापक स्तर पर तेजी आने की संभावना कम है।

पीएल वेल्थ के सीईओ इंदरबीर जॉली ने कहा, 'हमारा मानना ??है कि निवेशकों के लिए यह समय सोच-समझकर निवेश करने, क्वालिटी पर ध्यान देने और किस्तों में पैसा लगाने का है। भारत को लेकर हमारा लंबे समय का भरोसा बना हुआ है, जिसे घरेलू निवेश, वित्तीय क्षेत्र के विस्तार, डेमोग्राफिक्स और देश में स्ट्रक्चरल ग्रोथ के मौकों का समर्थन मिल रहा है।'

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की घरेलू विकास की गति मजबूत बनी हुई है। इसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के नेट खरीदार के तौर पर लौटने, बेहतर होते मानसून और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों के सीजन की आम तौर पर स्थिर शुरुआत से सहारा मिल रहा है।

भारत की वित्त वर्ष 2026 की जीडीपी विकास दर का शुरुआती अनुमान 7.7 प्रतिशत है, जबकि आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 के लिए विकास दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत लगाया है। जुलाई में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की गतिविधियां वृद्धि के दायरे में रहीं, जिसमें पीएमआई क्रमश: 53.9 और 53.1 रहा। बैंक क्रेडिट ग्रोथ सालाना आधार पर बढ़कर 18.6 प्रतिशत हो गई, जिससे जून 2026 तक कुल बकाया क्रेडिट 219.3 ट्रिलियन रुपए तक पहुंच गया, जबकि कैपेसिटी यूटिलाइजेशन 75.2 प्रतिशत के अच्छे स्तर पर बना रहा, जो इसके लंबे समय के औसत से अधिक है।

एचडीएफसी बैंक पर अमेरिका में क्लास-एक्शन मुकदमा, शेयर फिसले

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक पर न्यूयॉर्क में फेडरल सिक्योरिटी क्लास-एक्शन मुकदमा दायर किया गया है। बैंक पर आरोप है कि उसने एक कवर्ट स्कीम के तहत एक राज्य सरकार की एजेंसी को ब्याज के रूप में दी जाने वाली अतिरिक्त रकम को मार्केटिंग खर्च के रूप में दिखाकर ब्याज भुगतान को अवैध तरीके से बढ़ाया।

निवेशक ज्वलंत नटवरलाल सोनेजी ने न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले की अमेरिकी जिला अदालत में यह मुकदमा दायर किया है। इसमें एचडीएफसी बैंक के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) श्रीनिवासन वैद्यनाथन को भी प्रतिवादी बनाया गया है। यह मुकदमा उन सभी निवेशकों की ओर से दायर किया गया है, जिन्होंने 17 जुलाई 2023 से 26 मई 2026 के बीच एचडीएफसी बैंक के अमेरिकन डिपॉजिटरी शेयर (एडीएस) खरीदे थे।

मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि एचडीएफसी बैंक ने बड़े जमा आकर्षित करने के लिए महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमएसआरडीसी) को 6.01 प्रतिशत ब्याज दर देने का वादा किया था। यह आम ग्राहकों को मिलने वाली 3.5 प्रतिशत की मानक बचत दर से 2.51 प्रतिशत अधिक थी और यह कथित तौर पर आरबीआई के नियमों का उल्लंघन था।

आरबीआई के बैंकिंग नियम व्यक्तिगत जमाकर्ताओं को बातचीत के आधार पर अलग रिटर्न देने पर स्पष्ट रूप से रोक लगाते हैं, इसलिए वरिष्ठ प्रबंधन ने कथित तौर पर इसका एक वैकल्पिक रास्ता निकाला।

मुकदमे के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच एचडीएफसी बैंक ने करीब 45 करोड़ रुपए का अतिरिक्त ब्याज राज्य की इस एजेंसी को दिया। आरोप है कि इस रकम को ब्याज के रूप में जमा करने के बजाय मार्केटिंग खर्च के रूप में दिखाया गया और इसे एमएसआरडीसी द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को प्रायोजित करने में इस्तेमाल किया गया। यह भुगतान कथित तौर पर तीसरे पक्ष के विक्रेताओं के माध्यम से किया गया।

बैंक की एक आंतरिक सतर्कता जांच में निष्कर्ष निकाला गया कि यह तरीका आरबीआई के मास्टर निर्देशों के साथ-साथ एचडीएफसी की आंतरिक रिश्वत-रोधी नीतियों का उल्लंघन करता है।

इसके बाद वादियों ने तर्क दिया कि क्लास पीरियड के दौरान एचडीएफसी की अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) में दाखिल की गई रिपोर्टों में महत्वपूर्ण रूप से गलत जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2024 और 2025 की अपनी फॉर्म 20-एफ वार्षिक रिपोर्टों में एचडीएफसी बैंक प्रबंधन ने निवेशकों को भरोसा दिलाया था कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर उसका 'आंतरिक नियंत्रण प्रभावी था।'

रक्षाबंधन पर भाई-बहन को भेजें ये 10 प्यारे शुभकामना संदेश, चेहरे पर आएगी मुस्कान!

रक्षाबंधन के त्योहार पर अगर आप अपने भाई या बहन से दूर हैं, तो एक प्यारा सा मैसेज भेजकर भी अपने दिल की बात कह सकते हैं. यहां हम आपके लिए रक्षाबंधन के 10 खूबसूरत शुभकामना संदेश लेकर आए हैं, जिन्हें आप भेज सकते हैं.

रक्षाबंधन भाई-बहन के खूबसूरत रिश्ते और उनके प्यार-दुलार का जश्न मनाने वाला एक खास त्योहार है. इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई उसकी खुशी और सुरक्षा का वादा करता है. अगर त्योहार के समय आप अपने भाई या बहन से दूर हैं, तो भी एक प्यारा सा मैसेज भेजकर अपनी दिल की बात उन तक पहुंचा सकते हैं. यहां रक्षाबंधन 2026 की 10 खूबसूरत शुभकामनाएं दी गई हैं जिन्हें आप WhatsApp, Facebook या Instagram पर शेयर कर सकते हैं...

1. भाई के लिए एक प्यारा सा मैसेज

'यह राखी का धागा सिर्फ़ एक बंधन नहीं, बल्कि हमारे प्यार और भरोसे की निशानी है.

तुम्हारी ज़िंदगी हमेशा खुशियों से भरी रहे.

रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!'

2. बहन के लिए शुभकामनाएं

'तुम सिर्फ़ मेरी बहन ही नहीं, बल्कि मेरी सबसे अच्छी दोस्त भी हो.

ज़िंदगी के हर मोड़ पर मुझे हमेशा तुम्हारा साथ मिले.

तुम्हें रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं.'

3. बचपन की यादों को ताज़ा करने वाला मैसेज

'बचपन की छेड़-छाड़, प्यारी-सी नोक-झोंक और फिर आपस में सुलह कर लेना

ये हमारे रिश्ते की खूबसूरत यादें हैं.

रक्षाबंधन पर मेरा मन करता है कि उन सभी पलों को फिर से जी लूं.

रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!'

4. दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए

'भले ही इस रक्षाबंधन पर हमारे बीच दूरी हो, लेकिन हमारे दिल हमेशा जुड़े रहेंगे.

हमारे जीवन में प्यार और खुशियां हमेशा बनी रहें.

रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!'

5. भाई के लिए एक भावुक मैसेज

'मुश्किल समय में हिम्मत देने वाला और मेरी खुशियों में सबसे ज़्यादा खुश होने वाला भाई मिलना किसी तोहफ़े से कम नहीं है.

मेरे प्यारे भाई को रक्षाबंधन की दिल से शुभकामनाएं.'

6. बहन के लिए एक खास मैसेज

'बहन घर में खुशियां लाती है, उसकी मौजूदगी हर त्योहार को और भी खास बना देती है.

तुम्हारी ज़िंदगी हमेशा मुस्कुराहट, सफलता और खुशियों से भरी रहे.

रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!'

7. एक मज़ेदार मैसेज

'लड़ाई में तुम्हें हराना मुश्किल है, और प्यार में तुम्हें हराना नामुमकिन!

मेरी ज़िंदगी में थोड़ी-सी शरारत और ढेर सारी खुशियां लाती रहों

रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!'

8. इस खूबसूरत बंधन का जश्न

'राखी का धागा मज़बूत रहे और हमारा बंधन हर गुज़रते दिन के साथ और गहरा हो,

ज़िंदगी में चाहे कितनी भी दूरियां क्यों न आएं।

सिर्फ बोलना ही नहीं, बच्चों को 'सुनने' की भी डालें आदत!

एकाग्रता से लेकर सोशल स्किल तक होंगे मजबूत, जानें 5 फायदे

मेरा बच्चा बहुत अच्छा बोलता है... लेकिन उसे लोगों की बात सुनने में परेशानी होती है. वह शांति से बैठता ही नहीं. दरअसल, अगर आप बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल बेहतर बनाना चाहती हैं और चाहती हैं कि उसकी सोशल स्किल अच्छी हो, तो उसमें सुनने की क्षमता बढ़ाना बहुत जरूरी है. जानिए, यह क्यों जरूरी है.

आजकल बच्चों को अपनी बात कहना तो सिखाया जाता है, लेकिन क्या उन्हें दूसरों की बात ध्यान से सुनना भी सिखाया जाता है? अच्छी कम्युनिकेशन सिर्फ बोलने से नहीं बनती, बल्कि सामने वाले को ध्यान से सुनना भी उतना ही जरूरी है. अगर बच्चा किसी की बात बीच में काट देता है, सवाल सुनने से पहले जवाब देने लगता है या कुछ ही मिनट में उसका ध्यान भटक जाता है, तो उसकी लिसनिंग स्किल(Listening Skills) पर काम करने की जरूरत हो सकती है.

बच्चों में सुनने की आदत विकसित करने से उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और दूसरों के साथ व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव आ सकता है. बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ भी यह कहते हैं कि बच्चों को अच्छा कम्युनिकेटर बनाने के लिए सिर्फ बोलना सिखाना काफी नहीं है. उन्हें ध्यान से सुनना और सामने वाले की बात को समझना भी सिखाना जरूरी है.

दिमागी एकाग्रता होगी बेहतर-

जब बच्चा किसी की बात ध्यान से सुनता है, तो उसे अपनी एकाग्रता बनाए रखनी पड़ती है. यही आदत पढ़ाई में भी काम आती है. टीचर की बात ध्यान से सुनने वाला बच्चा निर्देशों को बेहतर तरीके से समझ सकता है और काम पूरा करने में कम गलतियां कर सकता है.

सोशल स्किल होगी मजबूत-

अच्छा श्रोता बनने से बच्चा दूसरों के साथ आसानी से घुल-मिल सकता है. उसे समझ आता है कि कब बोलना है और कब दूसरे की बात सुननी है. इससे दोस्तों, भाई-बहन और परिवार के साथ उसके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं.

दूसरों की भावनाएं समझने में मिलेगी मदद-

सुनने का स्किल सिर्फ शब्द सुनने तक सीमित नहीं हैं. जब बच्चा किसी की बात ध्यान से सुनता है, तो वह आवाज के उतार-चढ़ाव और भावनाओं को भी समझना सीखता है. इससे उसमें Empathy यानी दूसरों की भावनाओं को समझने की क्षमता विकसित हो सकती है.

पढ़ाई में हो सकता है फायदा

क्लास में पढ़ाई के दौरान बच्चे को कई तरह के निर्देश मिलते हैं. अगर वह ध्यान से सुनता है, तो सवाल समझने, निर्देशों को फॉलो करने और नई चीजें सीखने में आसानी हो सकती है. खासकर छोटे बच्चों के लिए यह आदत काफी काम की है। धैर्य और सेल्फ-कंट्रोल बढ़ेगा किसी की पूरी बात सुनने के लिए बच्चे को तुरंत जवाब देने या बीच में बोलने से खुद को रोकना पड़ता है. धीरे-धीरे इससे उसमें Patience और Self-Control की आदत विकसित हो सकती है. वह बातचीत के दौरान अपनी बारी का इंतजार करना सीखता है।

नैनीताल के पास छिपा अनोखा खजाना, 3 चरूट्रेक के बाद मिलेगा पहाड़ों का शानदार नजारा, जानें लोकेशन

नैनीताल घूमने वाले ज्यादातर लोग नैनी झील और माल रोड तक ही सीमित रह जाते हैं, लेकिन शहर से कुछ दूर पहाड़ों के बीच एक ऐसी जगह भी है जहां पहुंचने के लिए करीब 3 किलोमीटर का पैदल सफर तय करना पड़ता है. घने बांज और देवदार के जंगलों के बीच स्थित ब्रह्मस्थली मंदिर अपनी धार्मिक मान्यताओं, शांत माहौल और पहाड़ों के खूबसूरत नजारों के लिए खास है. चोटी तक पहुंचने के बाद आसपास की पहाड़ियों और जंगलों का शानदार दृश्य देखने को मिलता है. मानसून में यहां की हरियाली और धुंध इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है.

नैनीताल अपनी खूबसूरत नैनी झील, माल रोड और खूबसूरत पहाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यहां कई ऐसे स्थान भी हैं जो आज भी पर्यटकों की नजरों से दूर हैं. इन्हीं में से एक है ब्रह्मस्थली मंदिर. ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह धार्मिक स्थल शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता के लिए खास है. यहां पहुंचते ही जंगलों की हरियाली, ठंडी हवा और पहाड़ों का सुकून मन को अलग एहसास कराता है. अगर आप नैनीताल की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति और आध्यात्मिक शांति का अनुभव करना चाहते हैं, तो ब्रह्मस्थली आपके लिए एक खास जगह हो सकती है.

नैनीताल शहर से करीब 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ब्रह्मस्थली मंदिर भगवान ब्रह्मा को समर्पित बताया जाता है. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर करीब 13वीं शताब्दी का है. मान्यता है कि इस स्थान पर गर्ग ऋषि ने तपस्या की थी और उन्हीं के द्वारा यहां भगवान ब्रह्मा की स्थापना की गई. सदियों पुराना यह धार्मिक स्थल आज भी आसपास के ग्रामीणों की आस्था का केंद्र है।

बिना मोल्ड के घर पर ऐसे बनाएं बाजार जैसा जालीदार घेवर, तरीका देख रह जाएंगे हैरान

रक्षाबंधन पर बाजार की मिठाई की जगह इस बार घर पर स्वादिष्ट घेवर बनाकर सबको सरप्राइज दें. अगर आपके पास घेवर बनाने वाला खास मोल्ड नहीं है, तो भी कोई परेशानी नहीं. कुछ आसान ट्रिक्स की मदद से आप घर के बर्तन से ही जालीदार और कुरकुरा घेवर तैयार कर सकती हैं.

रक्षाबंधन का त्योहार आते ही मिठाइयों की खुशबू घर-घर में फैलने लगती है. इस मौके पर अगर आप बाजार से मिठाई लाने के बजाय घर पर कुछ खास बनाना चाहती हैं, तो घेवर एक बेहतरीन विकल्प है. राजस्थान और उत्तर भारत की यह मशहूर मिठाई रक्षाबंधन और सावन के मौसम से खास तौर पर जुड़ी हुई मानी जाती है. कुरकुरे घेवर पर मलाईदार रबड़ी और ड्राई फ्रूट्स डालकर इसे सर्व किया जाए, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है.

घेवर बनाने के लिए आमतौर पर एक खास गहरे और गोल मोल्ड का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अगर आपके पास यह मोल्ड नहीं है तो परेशान होने की जरूरत नहीं. घर में मौजूद किसी गहरे, गोल बर्तन या छोटी स्टील की कटोरी की मदद से भी इसे बनाया जा सकता है. बस बर्तन गर्म तेल में इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षित होना चाहिए.

घेवर बनाने के लिए सामग्री

घेवर के लिए करीब 1 कप मैदा

4-5 चम्मच घी

ठंडा पानी

कुछ बूंदें नींबू का रस

और तलने के लिए पर्याप्त तेल या घी चाहिए.

चाशनी के लिए चीनी और पानी लें.

सजाने के लिए रबड़ी

कटे हुए बादाम-पिस्ता और थोड़ी इलायची

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में घी लें और उसमें थोड़ा ठंडा पानी डालकर अच्छी तरह फेंटें. अब धीरे-धीरे मैदा डालते हुए मिश्रण को लगातार फेंटें. इसमें थोड़ा-थोड़ा ठंडा पानी डालकर एकदम पतला और चिकना बैटर तैयार करें. बैटर में गुठलियां नहीं होनी चाहिए. अंत में कुछ बूंदें नींबू के रस की डाल दें. घेवर का बैटर सामान्य पकौड़े के घोल से काफी पतला होना चाहिए. यही पतलापन घेवर में जालीदार बनावट लाने में मदद करता है.

बिना स्पेशल मोल्ड के कैसे बनाएं?

एक गहरी कड़ाही में तेल या घी गर्म करें. अब किसी साफ, गर्म तेल में इस्तेमाल किए जा सकने वाले छोटे गोल स्टील के बर्तन या कटोरी को बीच में रखकर तेल का तापमान संभालते हुए बैटर को बहुत पतली धार में धीरे-धीरे बीच से डालें. बैटर डालते समय हाथ को थोड़ा ऊपर रखें, ताकि मिश्रण तेल में फैलकर जालीदार लेयर बनाए.

पहली लेयर सेट होने के बाद उसके ऊपर फिर थोड़ी मात्रा में बैटर डालें. इसी तरह कई पतली लेयर बनाएं. बीच में छेद बनाए रखने के लिए जरूरत हो तो स्टील की पतली चम्मच या सींक की मदद से जगह बना सकते हैं।

न शक्कर की जरूरत और न ही खोवा का झंझट, रक्षाबंधन पर इस बार खिलाएं सेहतमंद रागी के लड्डू

रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है. इस खास मौके पर हर बहन अपने भाई को कुछ मीठा खिलाकर मुंह मीठा कराना चाहती है. बाजार की मिठाइयों में मिलावट और सेहत की चिंता को देखते हुए इस बार आप घर बैठ आसानी से स्वादिष्ट रागी के लड्डू तैयार कर सकते हैं.

यह न सिर्फ बनाने में आसान है, बल्कि महज 400 रुपये के खर्च में 1 किलो तक बनकर तैयार हो जाते हैं. दरअसल, रागी एक ऐसा पोषक अनाज है जो भरपूर कैल्शियम से युक्त होता है, जिससे यह भाई और पूरे परिवार की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है.

अर्चना सोनी ने लोकल 18 को बताया सबसे पहले रागी को एक दिन पहले रात भर के लिए पानी में अच्छी तरह भिगो दें. इसके बाद इसे सुखाकर इसका आटा तैयार कर लें. यदि आप घर पर आटा नहीं बनाना चाहती हैं, तो यह आपको आसानी से हार्ड बाजार में मिल जाएगा. मतलब भिगोने और सुखाने की भी झंझट नहीं होगी और समय भी बचेगा. इसके बाद अब शुद्ध घी लें. कड़ाही में घी गर्म करके इस रागी के आटे को सुनहरे और अच्छे तरीके से भून लें. ध्यान रहे कि इसमें तेल का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करना है.

मिठास और सेहत का होगा बेहतर संतुलन

मिठास के लिए इसमें चीनी की जगह गुड़ या खजूर का इस्तेमाल करें. अपने भाई की सेहत और अपनी पसंद के अनुसार गुड़ या खजूर की मात्रा तय करें, जिससे यह पूरी तरह शुगर-फ्री और हेल्दी बने. इसके बाद स्वादानुसार ड्राई फ्रूट्स को घी में भूनकर काट लें।

दिमाग में जमा कचरे को निकालना है तो करें ये काम, नई रिसर्च में बताया गया फॉर्मूला, ब्रेन डिटॉक्स का है आसान तरीका

जिस तरह किसी भी चीज को बनाने में कुछ न कुछ कचरा जरूर होता है, उसी तरह हमारे शरीर में भी कचरा जमा होता है और हमारे दिमाग में भी कचरा जमा होता है. इसे निकालने के लिए सिस्टम बना हुआ है लेकिन जब कचरे की मात्रा बढ़ जाए तो इसे निकालना जरूरी हो जाता है. पर इसे निकालने के लिए क्या तरीका है. वैज्ञानिकों ने इसके लिए एक साइंटिक फॉर्मूला निकाला है. आइए इसके बारे में जानते हैं.

ब्रेन हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है. ब्रेन अगर सही नहीं है तो इस शरीर का कोई मतलब नहीं. ब्रेन से पूरे शरीर का नियंत्रण होता है. ब्रेन के अंदर सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड -ष्ट्सस्न निरंतर इधर से उधर होता है. इससे ब्रेन के अंदर कई प्रक्रियाएं चलती रहती है. हमारे शरीर में कई चीजें बनती रहती है. जैसे प्रोटीन के बनने से कचरे के रूप में

बीटा-एमीलोयड बनता है. उसी तरह टाउ प्रोटीन बनता है. ब्रेन का जब इस्तेमाल होता है उस दौरान एनर्जी बनती है. एनर्जी बनने के दौरान बाय प्रोडक्ट के रूप में लैक्टेट और अमोनिया बनता है. साथ जब कोशिकाएं मरती है तो उसका अवशेष भी रहता है. ये सारी चीजें दिमाग में कचरे की तरफ जमा होने लगती है. अगर यह साफ न हो तो ये सब न्यूरॉन्स के बीच जमा होकर प्लाक बनाने लगता है. इन सबसे कई तरह का नुकसान है. ऐसे में वैज्ञानिकों ने इस कचरे को साफ करने का एक तरीका निकाला है.

कैसे होगा दिमाग का कचरा साफ

मेलबर्न की विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ने अपने नए शोध में बताया कि खास तरह की एक्सरसाइज दिमाग के इस कचरे को साफ कर सकती है. रिसर्च के अनुसार एक्सरसाइज से रक्त वाहिकाएं बेहतर तरीके से काम करती हैं. ब्लड फ्लो बेहतर होता है और ब्लड प्रेशर भी कम होता है. इससे दिमाग में सूजन कम करने में भी मदद मिल सकती है. दरअसल, दिमाग के कचरे को साफ करने के लिए शरीर में ऑटोमेटिक सिस्टम बना हुआ है. लेकिन खास तरह की एक्सरसाइज की जाए तो इन कचरों को बेहतर तरीकों से साफ किया जा सकता है.दरअसल, हमारे दिमाग में एक खास सिस्टम होता है, जिसे ग्लिम्फेटिक सिस्टम कहते हैं. यह दिमाग से बेकार और हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है. जब हम नींद में होते हैं तो यह काम बेहद तेजी से और अच्छे तरीके से होता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर हम इस ग्लिम्फेटिक सिस्टम को सही कर लेंगे तो दिमाग का कचरा आसानी से साफ हो जाएगा. अगर यह सिस्टम ठीक से काम न करे, तो दिमाग में नुकसान पहुंचाने वाले प्रोटीन और अन्य कचरा जमा हो सकता है. शोध में यह भी कहा गया है कि अगर दिमाग का कचरा सही से साफ नहीं होता है तो डिमेंशिया का खतरा बढ़ जाता है यानी याददाश्त से संबंधित समस्याएं होने लगती है.

अच्छी नींद हो सकती है सबसे अहम कड़ी

ग्लिम्फेटिक सिस्टम गहरी नींद के दौरान सबसे ज्यादा सक्रिय होता है. लेकिन आज के समय में नींद न आना बहुत बड़ी समस्या बन गई है. उम्र बढ़ने के साथ ही अक्सर नींद की समस्या बढ़ती जाती है. इसी उम्र में दिमाग को खुद की मरम्मत और सफाई की भी ज्यादा जरूरत होती है. लेकिन नियमित एक्सरसाइज करने से नींद की क्वालिटी बेहतर हो सकती है और इससे दिमाग की सफाई भी बेहतर हो सकती है.

जिन लोगों को डायबिटीज हैं, उन्हें दिमागी कचरे के जमा होने का खतरा ज्यादा है. क्योंकि डायबिटीज का संबंध भी रक्त वाहिकाओं की बीमारी, सूजन, नींद की समस्या और डिमेंशिया से जुड़ा हुआ है. एक्सरसाइज इन सभी चीजों पर एक साथ असर डाल सकती है. यह इंसुलिन सेंसिटिविटी बेहतर करती है. साथ ही ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करती है और नींद सुधार सकती है. संभव है कि यह दिमाग से बेकार पदार्थों की सफाई में भी मदद करे. वैज्ञानिकों को अभी यह पता लगाना है कि किस तरह की एक्सरसाइज, कितनी देर और किस समय करना सबसे ज्यादा फायदेमंद है. हो सकता है एरोबिक एक्सरसाइज, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग या दोनों का मिश्रण अलग-अलग तरह से फायदा पहुंचाए. लेकिन सही जवाब मिलने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है. इससे पहले अगर आप नियमित रूप से अपने शरीर को चलाते-फिराते है तो दिमागी कचरे को साफ करने में आसानी होगी।

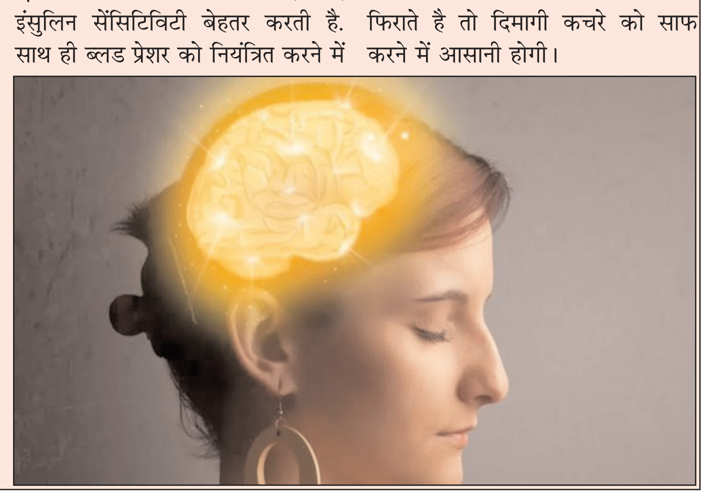

ऑनलाइन अभद्र भाषा बोलने वाले ने श्वेता तिवारी से मांगी माफी, अभिनेत्री ने ट्रोल को ट्रैक करने के लिए मनसे सदस्य का किया धन्यवाद

मुंबई। अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर मौजूद कुछ ऐसे कमेंट्स और मैसेज सामने रखे, जिनमें महिलाओं के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

इस मामले को लेकर अभिनेत्री ने सवाल उठाया कि आखिर सोशल मीडिया पर महिलाओं को इस तरह अपमानित कब तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनकी पोस्ट के बाद महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) की सदस्य स्नेहल अदारकर ने उनसे संपर्क साधा और मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की।

कुछ दिन पहले श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे कमेंट्स के स्क्रीनशॉट और स्टोरीज शेयर की थीं, जिनमें कुछ पुरुष महिलाओं के लिए बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। श्वेता ने उन लोगों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी शेयर किए थे। उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार उन लोगों के लिए सही है, जो खुद को मनसे प्रमुख राज ठाकरे का समर्थक बताते हैं।

इसके बाद मनसे की सदस्य स्नेहल अदारकर ने श्वेता से संपर्क किया। अभिनेत्री ने बताया कि स्नेहल ने उनसे साफ कहा कि पार्टी महिलाओं के खिलाफ इस तरह के व्यवहार का समर्थन नहीं करती और न ही ऐसे व्यवहार को पसंद करती है। पोस्ट में जिन लोगों का जिक्र किया गया था, वे मनसे के सदस्य नहीं थे।

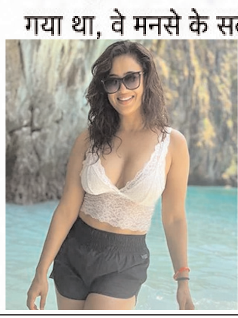

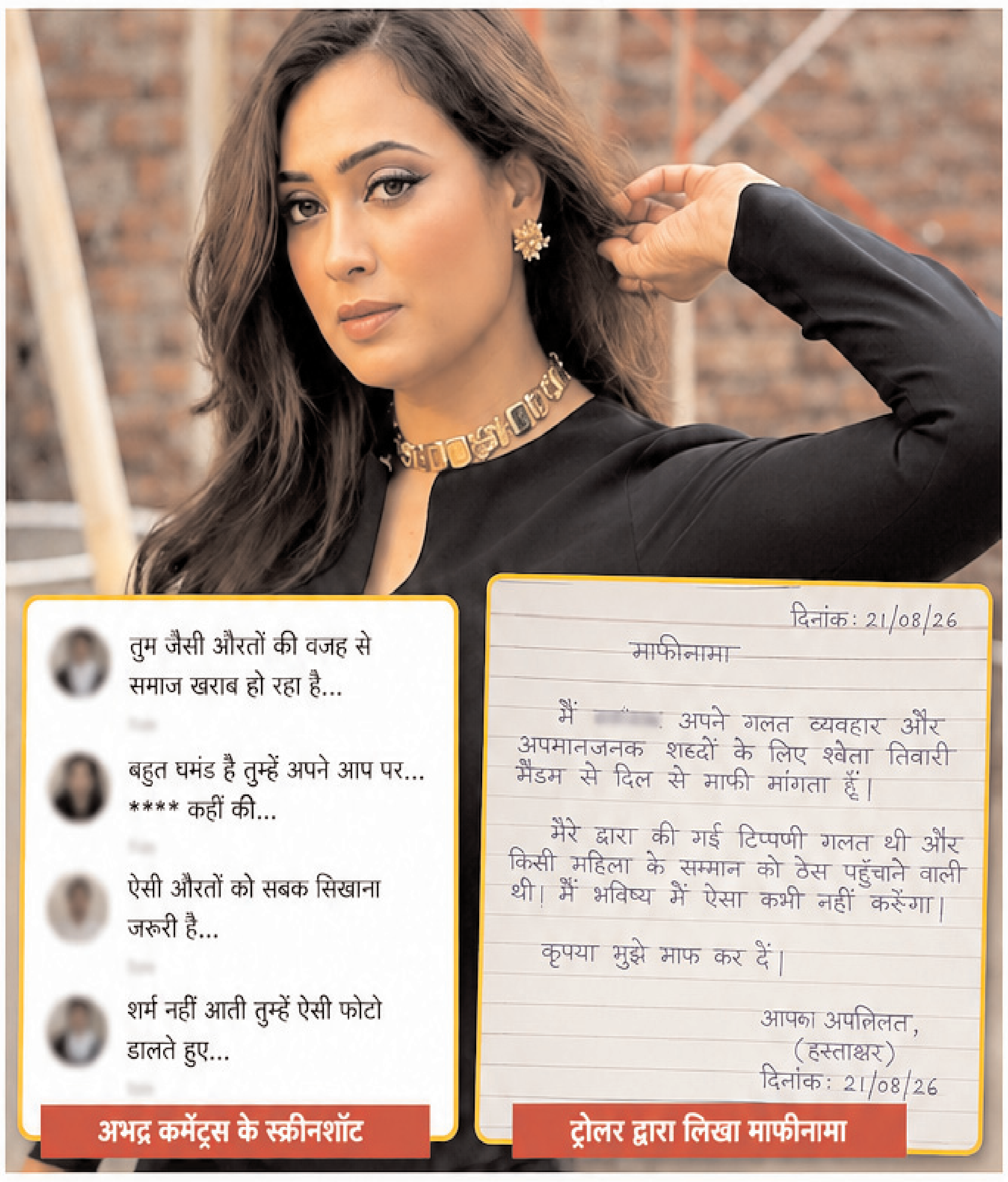

दिनांक: 21/08/26

माफीनामा

मैं [illegible] अपने गलत व्यवहार और अपमानजनक शब्दों के लिए श्वेता तिवारी मैडम से दिल से माफी मांगता हूं।

मेरे द्वारा की गई टिप्पणी गलत थी और किसी महिला के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली थी। मैं भविष्य में ऐसा कभी नहीं करूंगा।

कृपया मुझे माफ कर दें।

आपका अपलिलत,
(हस्ताक्षर)
दिनांक: 21/08/26

ट्रोलर द्वारा लिखा माफीनामा

> स्नेहल ने कहा कि वह इस मामले में शामिल लोगों को ढूंढने की कोशिश करेंगी और इसके लिए कुछ दिन का समय मांगा था। इसके बाद महज तीन दिनों के अंदर स्नेहल ने उन्हें उस व्यक्ति का फोन नंबर भेजा, जो इस मामले में शामिल था। साथ ही उस व्यक्ति की ओर से हाथ से लिखा माफी पत्र भी शेयर किया गया।
>
> – श्वेता तिवारी, अभिनेत्री

टीम मनसे का जताया आभार

श्वेता ने इस पूरी कोशिश के लिए स्नेहल अदारकर और मनसे की टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, "'मैं इस बात की सराहना करती हूं कि टीम ने इस मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की। मुझे यह जानकर अच्छा लगा कि किसी ने महिलाओं के खिलाफ होने वालें अपमान को गंभीरता से लिया। स्नेहल ने मुझे यह भी भरोसा दिया कि अगर भविष्य में मुझे इस तरह की किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह मेरे साथ खड़ी हैं।"

रक्षाबंधन स्पेशल : 'हम साथ-साथ हैं' से 'जिगरा' तक, राखी के दिन परिवार संग जरूर देखें ये फिल्में

विश्व केसरी

मुंबई। रक्षाबंधन का त्योहार उन यादों को फिर से जीने का मौका देता है, जो भाई-बहन के साथ बचपन से जुड़ी होती हैं। कभी छोटी-सी बात पर लड़ाई, कभी एक-दूसरे की शिकायत और कभी मुश्किल समय में बिना कहे साथ खड़े होना, भाई-बहन का रिश्ता इन सभी भावनाओं से मिलकर बनता है।

इस रिश्ते की इसी खूबसूरती को बॉलीवुड ने भी कई बार पर्दे पर उतारा है। कुछ फिल्मों में भाई अपनी बहन के लिए हर मुश्किल से लड़ता दिखाई देता है, तो कुछ कहानियों में बहन अपने भाई को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती है। ऐसे में अगर इस रक्षाबंधन पर परिवार के साथ घर में बैठकर फिल्म देखने का प्लान बना रहे हैं, तो ये फिल्में आपके दिन को और खास बना सकती हैं।

'हम साथ-साथ हैं' – सूरज बड़जात्या की साल 1999 में आई फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' परिवार और रिश्तों पर बनी लोकप्रिय फिल्मों में शामिल है। फिल्म में तीन भाइयों और उनकी बहन के बीच का रिश्ता भी कहानी का अहम हिस्सा है। परिवार में गलतफहमियां आती हैं, दूरियां बनती हैं, लेकिन भाई-बहन और पूरे परिवार का प्यार कमजोर नहीं पड़ता। फिल्म में रक्षाबंधन से जुड़ा सीन भी दर्शकों को भावुक करता है। सलमान खान, सैफ अली खान, मोहनीश बहल और नीलम जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म परिवार के साथ देखने लायक है।

'माय ब्रदर... निखिल' – संजय सूरी और जूही चावला की साल 2005 में आई फिल्म भाई-बहन के रिश्ते की एक बेहद भावुक कहानी है।

फिल्म में निखिल की जिंदगी में मुश्किल समय आता है, लेकिन उसकी बहन हर कदम पर उसके साथ खड़ी रहती है। कहानी यह दिखाती है कि जब दुनिया किसी इंसान से दूर होने लगे, तब परिवार का प्यार उसके लिए कितनी बड़ी ताकत बनता है। भाई-बहन के रिश्ते को खूबसूरती से दिखाने वाली यह फिल्म रक्षाबंधन पर भावुक करती है।

'फिजा' – करिश्मा कपूर और ऋतिक रोशन की 'फिजा' भाई-बहन के रिश्ते पर बनी सबसे इमोशनल फिल्मों में गिनी जाती है। साल 2000 में आई इस फिल्म में ऋतिक ने अमान और करिश्मा ने फिजा का किरदार निभाया था। दंगों के बाद अमान गायब हो जाता है और उसकी बहन उसे ढूंढने की उम्मीद नहीं छोड़ती। वह अपने भाई को वापस पाने के लिए लंबे समय तक कोशिश करती रहती है। फिल्म में बहन का अपने भाई के लिए प्यार और उसे बचाने की कोशिश कहानी का सबसे मजबूत हिस्सा है।

कॉलेज लाइब्रेरी में शूट हुआ 'अंडी बंडी' सॉन्ग, वीर पहाड़िया ने कोरियोग्राफर की जमकर तारीफ की

मुंबई। अभिनेता वीर पहाड़िया जल्द ही आगामी फिल्म 'प्रेम कीटाणु' में नजर आएंगे। गुरुवार को अभिनेता ने फिल्म का हालिया रिलीज सॉन्ग 'अंडी बंडी' के बीटीएस सोशल मीडिया पर शेयर किए।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में गाने के शूट के पल शामिल हैं। वीडियो में अभिनेता वीर पहाड़िया कोरियोग्राफर की जमकर सराहना कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि गाने को कॉलेज की लाइब्रेरी में शूट किया गया। वीडियो में वीर कहते हैं, 'आज हम कॉलेज की लाइब्रेरी में गाने को शूट कर रहे हैं, गाना बहुत शानदार और हाई एनर्जी वाला है। हमने बड़े ही मजेदार तरीके से गाने को शूट किया है और हम सभी ने गाने में जान डाली है। अभिनेता ने कोरियोग्राफर तेजस्वी की तारीफ करते हुए कहा, 'तेजस्वी मैम के साथ ये मेरा चौथा गाना है, जो कि किसी भी एक्टर के लिए ये सपने जैसा है। हमने गाने को लेकर बहुत मेहनत की है। आशा करता हूं हमारे दर्शकों को हमारा काम पसंद आए।'

अभिनेता ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'स्टेप्स की गिनती नहीं, मस्ती का हिसाब नहीं, 'अंडी बंडी'।' फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का गाना 'अंडी बंडी' एक बेहद ऊर्जावान, चुलबुला और पार्टी करने वाला गाना है। इस जोशीले गाने में अभिनेता वीर पहाड़िया और निखिल विजय अपने शानदार डांस मूव्स और मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं।

इस गाने को शशि सुमन और बृजेश शांडिल्य ने आवाज दी है और इसका संगीत शशि ने तैयार किया है। इसके बोल संदीप सिंह सरदारा ने लिखे हैं। गाने के एनर्जेटिक डांस मूव्स को तेजस्विनी शेट्टी ने कोरियोग्राफ किया है, जो होस्टल और कॉलेज के दिनों की मस्ती को दर्शाता है।

अमिताभ बच्चन ने शादीशुदा पुरुषों को दी मजेदार सलाह, बोले-'विवाह की तिथि कभी मत भूलिएगा'

विश्व केसरी

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी फिल्मों और दमदार एक्टिंग के लिए तो मशहूर हैं ही लेकिन उनकी हाजिरजवाबी भी लोगों को खूब पसंद आती है। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह अपनी बातों में ऐसा मजाक जोड़ देते हैं कि सामने बैठे लोग हंसने लगते हैं। इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में भी अमिताभ का यही अंदाज देखने को मिल रहा है।

शो में प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए वह कई बार अपनी जिंदगी और परिवार से जुड़े किस्से भी सुनाते हैं। हाल ही में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए उन्होंने शादीशुदा पुरुषों को ऐसी सलाह दी, जिसे सुनकर वहां मौजूद दर्शक हंस पड़े।

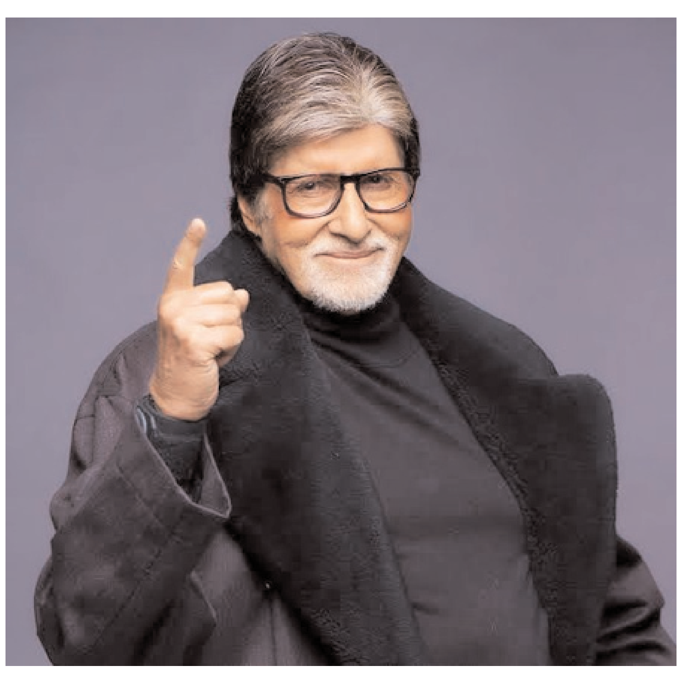

दरअसल, शो में अमिताभ एक कंटेस्टेंट से बात कर रहे थे। उन्होंने देखा कि कंटेस्टेंट को अपनी पहली मुलाकात और शादी की सालगिरह की तारीख अच्छी तरह याद थी। कंटेस्टेंट की इस बात से वह काफी प्रभावित हुए। इसके बाद उन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए वहां मौजूद सभी पतियों और घर पर शो देख रहे शादीशुदा पुरुषों को एक जरूरी सलाह दे दी।

अमिताभ ने कहा, 'जितने भी यहां पति लोग हैं, एक बात ध्यान से सुन लीजिए। जिस दिन आपका ब्याह हुआ था अपनी पत्नी के साथ, सारी दुनिया को भूल जाइए; उस डेट को कभी मत भूलिएगा। यह बहुत जरूरी तारीख है। पत्नियां कई बार पूछ सकती हैं कि आपको शादी की तारीख याद है या नहीं।

अमिताभ ने कहा, 'और कहीं आपने गलती कर दी, भाई साहब, तो जूता, चप्पल, और बेलन सब चल पड़ेंगे।' उनकी यह बात सुनते ही शो का माहौल हंसी से भर गया।

अमिताभ कई बार अपनी शादीशुदा जिंदगी के किस्से साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया था कि जब शूटिंग की वजह से उन्हें घर पहुंचने में देर होने वाली होती है, तो वह पहले से ही परिवार को इसकी जानकारी दे देते हैं। ऐसा करने से घर पहुंचने पर उनसे ज्यादा सवाल-जवाब नहीं होते।

बिग बी ने घर के काम को लेकर भी एक दिलचस्प बात बताई थी। उन्होंने कहा था कि अगर घर में स्टाफ नहीं होता, तो वह खुद घर के काम संभाल लेते हैं। हालांकि उन्हें खाना बनाना नहीं आता, ऐसे में कई बार वह जया से अपने लिए कुछ बनाने के लिए कह देते हैं।

'फूलवाली' किरदार ने हिमानी शिवपुरी की बदली किस्मत, अभिनेत्री ने शेयर किया फिल्मी सफर का किस्सा

विश्व केसरी

मुंबई। टेलीविजन से फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बना चुकी अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए अपने शुरुआती दिनों को याद किया। अभिनेत्री ने बताया रंगमंच में एक फूलवाली के किरदार से उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ था।

अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे आगे खड़ी हैं और पीछे उनके नाटक की तस्वीर पीछे पोस्टर में है। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि एनएसडी रेपर्टरी के सबसे सफल नाटक 'अजर का ख्वाब' में फूलवाली का किरदार निभाने से उनकी जिंदगी का नया चैप्टर शुरू हुआ था।

अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने लिखा, 'यह नाटक है, 'अजर का ख्वाब', जिसका निर्देशन भानु भारती ने किया था। नाटक बर्नार्ड शॉ के मशहूर नाटक 'पिग्मेलियन' पर आधारित था, जिसमें मैंने हज्जो नाम की फूल बेचने वाली लड़की का किरदार निभाया था, जिसे प्रोफेसर हिगिंस (जिसका रोल नामदेव ने निभाया था) एक बेगम में बदल देता है। तस्वीर में डॉली आहलूवालिया, नामदेव और रवि खानविलकर हैं। यह एनएसडी रेपर्टरी के सबसे सफल नाटकों में से एक था और यही वह नाटक था जिसे सूरज बड़जात्या ने राजकुमार के साथ मुंबई के एनसीपीए में देखने आए थे और मुझे फिल्म 'हम आपके हैं कौन' में कास्ट करने का फैसला किया था, जिस फिल्म ने हिंदी फिल्मों में मेरे करियर की शुरुआत की।'

1994 में रिलीज की गई फिल्म 'हम आपके हैं कौन' में हिमानी शिवपुरी ने रजिया (चाची जान) का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके इस मजेदार और चर्चित किरदार को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था।

यह फिल्म भारतीय विवाहों की परंपराओं, पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की खूबसूरती का जश्न मनाती है। प्रेम और निशा की यह प्रेम कहानी त्याग और पारिवारिक कर्तव्य के ताने-बाने से जुड़ी है।

पिता से सीखा रक्षाबंधन की खूबसूरत परंपरा को निभाना : अक्षय म्हात्रे

विश्व केसरी

मुंबई। एक्टर अक्षय म्हात्रे इन दिनों अनमोल टीवी पर प्रसारित शो 'हमारी राधा' में गिरधर के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में रक्षाबंधन से जुड़ी खास परंपरा के बारे में अपने विचार रखे।

उन्होंने बताया कि उनकी कोई सगी बहन नहीं है, लेकिन उनकी कुछ राखी बहनें हैं, जिनके साथ वह काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। इन रिश्तों को निभाने की सीख उन्हें अपने पिता से मिली।

अक्षय ने कहा, 'मेरे पिता की भी कोई सगी बहन नहीं थी, लेकिन बचपन में उनके मोहल्ले की कुछ लड़कियां उन्हें राखी बांधती थीं।

समय के साथ ये रिश्ते मेरे पिता के लिए बेहद खास बन गए। इसी खूबसूरत परंपरा को मैंने भी अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लिया और आज मैं अपनी राखी बहनों के साथ हर साल रक्षाबंधन मनाता हूं। मेरे लिए यह त्योहार रिश्तों की अहमियत और उनसे जुड़ी यादों को याद करने का मौका है।'

रक्षाबंधन के सेलिब्रेशन के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए अक्षय ने कहा, ''मेरे लिए राखी का रिश्ता सिर्फ एक रस्म नहीं है, बल्कि इन रिश्तों की अपनी जिंदगी में काफी अहमियत है। हर साल मैं इस दिन को खास तरीके से मनाने की कोशिश करता हूं। मेरी कुछ अपनी राखी बहनें हैं और उनके साथ यह त्योहार मनाना मुझे बहुत अच्छा लगता है। ऐसा लगता है, जैसे मैं उस खूबसूरत परंपरा को आगे बढ़ा रहा हूं, जिसकी शुरुआत मेरे पिता ने की थी।''

अक्षय ने कहा, 'पहले राखी बहनों के लिए गिफ्ट चुनने में पिता मदद किया करते थे।

अब मेरी पत्नी यह जिम्मेदारी खुशी-खुशी संभाल रही है। कुछ साल पहले मैंने अपनी राखी बहनों को सिल्वर जूलरी गिफ्ट की थी और उन्हें वह बहुत पसंद आई थी। मेरे लिए रक्षाबंधन की खूबसूरती यही है कि कुछ परंपराएं प्यार और उनसे जुड़ी यादों की वजह से खास बन जाती हैं।

इस साल रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। यह त्योहार सावन महीने की पूर्णिमा के दिन आता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं, और भाई उन्हें गिफ्ट देते हैं। साथ ही, दोनों एक-दूसरे के लिए प्यार और अपने रिश्ते को और मजबूत करने की कामना करते हैं।

आरएसएस प्रमुख के कार्यक्रम से पहले हिंदू संगठनों ने जारी किया सुरक्षा अलर्ट

ममदानी से सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन से पहले दो हिंदू-अमेरिकी संगठनों ने सुरक्षा संबंधी सलाह जारी की है। इन संगठनों ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों और न्यूयॉर्क के हिंदू संस्थानों से सतर्क रहने की अपील की है क्योंकि कार्यक्रम के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और इसे रद्द करने की मांग भी उठ रही है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने 29 अगस्त को होने वाले 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' में शामिल होने वाले लोगों के लिए बुधवार (स्थानीय समयानुसार) एक 'कम्युनिटी एडवाइजरी अलर्ट' जारी किया। एचएएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'सतर्क रहें, अपने आसपास की स्थिति पर नजर रखें और सभी से शांतिपूर्ण और सभ्य तरीके से व्यवहार करें।' संगठन ने कहा कि कुछ कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को बाधित करने और रद्द करवाने की कोशिश की है। उसने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी से अपील की कि वे अपने दायित्व का पालन करते हुए सभी न्यूयॉर्क निवासियों, कार्यक्रम में आने वाले लोगों सहित, की सुरक्षा और उनके नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करें।

हालांकि, एचएएफ ने किसी विशेष खतरे का उल्लेख नहीं किया और न ही यह कहा कि कानून-व्यवस्था एजेंसियों ने किसी सुरक्षा जोखिम की पुष्टि की है। संगठन ने लोगों को सलाह दी कि वे दूसरों के इकट्ठा होने, विरोध प्रदर्शन करने और अपनी राय व्यक्त करने के अधिकारों का सम्मान करें। साथ ही, उकसाने वाले या धमकी भरे बयान देने वाले लोगों से किसी तरह के टकराव से बचने को कहा। एडवाइजरी में कहा गया, 'अगर आपको किसी तरह का खतरा महसूस हो, तो वहां से हट जाएं और कार्यक्रम की सुरक्षा टीम या पुलिस से संपर्क करें। आपात स्थिति में 911 पर कॉल करें।'

अल्जीरिया के जंगलों में लगी भीषण आग : 12 की मौत, गृहमंत्री ने लिया रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा

विश्व केसरी

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के पूर्वोत्तर हिस्से में भीषण जंगल की आग ने तबाही मचा दी है। प्रशासन के अनुसार, आग की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निर्देश पर गृह मंत्री सईद सयूद ने गुरुवार को बेजाया और फिर जिजेल प्रांत का दौरा किया। घायलों को अस्पताल में देखने पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया।

सिन्हुआ के अनुसार, अल्जीरिया के गृह मंत्री सईद सयूद ने बताया कि मृतकों में जिजेल प्रांत में पांच, बेजाया में चार और तिजी ओउजौ में तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बेजाया के सौक एल थेनाइन शहर के एक अस्पताल का दौरा कर आग में झुलसे और धुएं से प्रभावित लोगों के इलाज का जायजा लिया।

अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार को देशभर में 159 जगहों पर आग लगने की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें अकेले बेजाया प्रांत में 36 आग लगीं, जिनमें से 18 पर काबू पा लिया गया है। हालांकि बेजाया में अभी भी 18 स्थानों पर आग सक्रिय है। पड़ोसी जिजेल प्रांत की 12 नगरपालिकाओं में भी आग से निपटने के लिए अभियान जारी है। अल्जीरियाई अधिकारियों ने बताया कि स्किक्दा, एल तारफ, बुइरा, तिजी ओउजौ और तेबेस्सा प्रांतों में लगी आग को नियंत्रित कर लिया गया है। प्रभावित इलाकों से कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन जंगल की आग के बीच अल्जीरिया और पड़ोसी ट्यूनीशिया में भीषण हीटवेव चल रही है। अधिकारियों के अनुसार, अत्यधिक तापमान ने आग के फैलने का खतरा बढ़ा दिया है। अल्जीरिया के भूमध्यसागरीय तटीय इलाकों में गर्मियों के दौरान जंगल की आग का खतरा अक्सर बढ़ जाता है। हाल के वर्षों में बढ़ती गर्मी, सूखे और तेज हवाओं ने इस जोखिम को और गंभीर बना दिया है। राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निर्देश पर, सयूद ने स्वास्थ्य मंत्री मोहम्मद सेद्दीक ऐत मेसाउडेन के साथ बेजाया और जिजेल का दौरा किया, ताकि आग बुझाने के प्रयासों की निगरानी की जा सके और घायलों का हाल-चाल जाना जा सके।

संक्षिप्त खबर

नेपाल बाढ़ की वजह से कई लोगों से टूटा संपर्क, हरसंभव मदद जारीः कीर्ति वर्धन सिंह

विश्व केसरी

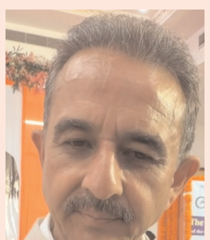

गोंडा। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में लोगों के प्रभावित होने और कई लोगों के लापता होने की खबरों के बीच भारत सरकार ने राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि नेपाल में करीब 130-132 भारतीय लोग लापता हैं, जिनसे संपर्क टूट गया है। उन्होंने कहा कि भारत की राष्ट्रीय राहत टीमें मौके पर मौजूद हैं और खोज एवं बचाव अभियान में सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि नेपाल में आई आपदा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। कई लोगों की मौत की खबर है, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। भारत और नेपाल की एजेंसियां मिलकर प्रभावित लोगों का पता लगाने, उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने का प्रयास कर रही हैं। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि भारत नेपाल सरकार के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री और सहायता पहुंचनी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत का मित्र देश है और दोनों देशों के बीच सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध बेहद गहरे हैं।

'नालंदाः हाउ इट चेंज्ड द वर्ल्ड' पर यूनेस्को हाउस में मंथन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की ओर से भारत में लेखक और राजनयिक अभय के. की पुस्तक 'नालंदाः हाउ इट चेंज्ड द वर्ल्ड' पर एक विशेष कार्यक्रम 'कॉन्वर्सेशंस ऑन नालंदा' यूनेस्को हाउस में आयोजित किया गया। इस मौके पर दक्षिण एशिया के लिए यूनेस्को प्रमुख टिम कर्टिस ने भारत के अजरबैजान में राजदूत अभय के., नालंदा विश्वविद्यालय के भाषा एवं साहित्य विद्यालय के प्रोफेसर डी. वेंकट राव और हमारे रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीस्नर का हार्दिक स्वागत कि?या। इस चर्चा में राजनयिकों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और छात्रों ने भाग लिया और प्राचीन शिक्षा केंद्र नालंदा तथा उसकी वैश्विक विरासत पर विचार साझा किए। चर्चा के दौरान अभय के. ने बताया कि नालंदा की शैक्षणिक परंपरा बहुत व्यापक थी। यहां खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा, दर्शन और कविता जैसे अनेक विषयों का अध्ययन और शोध किया जाता था। उन्होंने बताया कि नालंदा की शिक्षा प्रणाली बहुविषयक (इंटरडिसिप्लिनरी) थी, यहां विविध पृष्ठभूमि के विद्वान अध्यापक थे और योग्यता के आधार पर छात्रवृत्तियां दी जाती थीं। उनके अनुसार, ये विशेषताएं आज की शिक्षा व्यवस्था के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल बन सकती हैं। चर्चा के दौरान नालंदा विश्वविद्यालय के आधुनिक पुनर्जीवन और भारत की वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में उसकी नई भूमिका पर भी ध्यान दिया गया। राजगीर में स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में किया था।

पीयूष गोयल ने चिप और स्टील मैन्युफैक्चरिंग में भारत-जापान की साझेदारी बढ़ाने के लिए निवेशकों से की बातचीत

विश्व केसरी

ओसाका/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को सेमीकंडक्टर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट और स्टील मैन्युफैक्चरिंग में भारत-जापान की साझेदारी बढ़ाने के लिए निवशकों से चर्चा की। ओसाका में आरओएचएम के प्रेसिडेंट और सीईओ कात्सुमी अजुमा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में गोयल ने कहा, 'भारत का बढ़ता इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम ज्यादा सहयोग और निवेश के लिए बड़े अवसर देता है'।

इससे पहले, जापान यात्रा के दौरान उन्होंने नागोया में सेंट्रल जापान इकोनॉमिक फेडरेशन (चुकेइरेन) के चेयरमैन सातोरा कात्सुनो से मुलाकात की थी। गोयल ने चुकेइरेन के सदस्यों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, एआई और प्रिसिजन इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने, भारत-चुबू के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत करने और ग्लोबल एक्सपोर्ट के लिए एक मजबूत आधार तैयार करने के मकसद से सेक्टर-विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया।

गोयल ने जापान के नागोया में आइची प्रिफेक्चर के गवर्नर हिदेआकी ओमुरा से मुलाकात की और व्यापार, निवेश और उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इस दौरान आइची के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और भारतीय व्यवसायों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर खास ध्यान दिया गया। आइची स्टील कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट नाओहिदे गोटो के साथ बैठक में, उन्होंने भारत और जापान के बीच स्टील मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भारत का मजबूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम लगातार सहयोग के लिए काफी संभावनाएं प्रदान करता है।' नागोया में 'इंडिया-जापान नेक्स्ट जेनरेशन इकोनॉमिक पार्टनरशिपः फ्रॉम चुबू टू इंडिया' कार्यक्रम में बोलते हुए, और सेंट्रल जापान इकोनॉमिक फेडरेशन तथा नागोया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में, गोयल ने सेंट्रल जापान के व्यवसायों के लिए मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और औद्योगिक सहयोग के क्षेत्रों में भारत के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने की अपार संभावनाओं के बारे में बताया।

वियतनाम के प्रधानमंत्री हंग से मिले विदेश राज्य मंत्री मार्गेरिटा

विश्व केसरी

हनोई। विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पबित्रा मार्गेरिटा ने गुरुवार को वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग से मुलाकात की। एमओएस ने दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाने और उच्च-स्तरीय वादों को ठोस नतीजों में बदलने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से मिले सहयोग का धन्यवाद किया।

बैठक के दौरान, मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं और वियतनाम के राष्ट्रपति 'तो लाम' की भारत की सफल यात्रा का जिक्र किया। उस दौरे की वजह से दोनों देशों के संबंध 'एनहैंस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी) के स्तर पर पहुंच गए। मार्गेरिटा ने एक्स पोस्ट के जरिए बताया, 'वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। जनरल सेक्रेटरी और राष्ट्रपति 'तो लाम' की भारत की सफल राजकीय यात्रा और संबंधों को 'एनहैंस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक ले जाने की बात की। उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में कैसे बदला जाए, इस पर मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।' मई में, नई दिल्ली में राष्ट्रपति 'तो लाम' के साथ बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि भारत और वियतनाम के बीच संबंधों को 'एनहैंस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक बढ़ा दिया गया है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बातचीत के बाद वियतनामी राष्ट्रपति के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने वियतनाम को भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'विजन महासागर' का एक 'मुख्य स्तंभ' बताया था।

ट्रंप ने सीआईए प्रमुख की रूस यात्रा को 'अर्ध-नियमित' बताया

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ की रूस की अघोषित यात्रा को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज करते हुए इसे 'काफी हद तक एक अर्ध-नियमित (सेमी-रूटीन) यात्रा' बताया। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह दौरा यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में सहायक साबित हो सकता है।

ट्रंप ने यह टिप्पणी रूढ़िवादी प्रसारक ग्लेन बेक को दिए एक साक्षात्कार में की। बेक ने उनसे उन खबरों के बारे में सवाल किया था, जिनमें कहा गया था कि सीआईए प्रमुख रात के बीच में रूस के लिए रवाना हुए थे।

बेक ने इस यात्रा को लेकर लगाई जा रही विभिन्न अटकलों का जिक्र किया, जिनमें नाटो की प्रतिबद्धता की रूस द्वारा संभावित परीक्षा से लेकर ईरान से जुड़े प्रतिबंधों के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पहुंचाने जैसे दावे शामिल थे। इस पर ट्रंप ने कहा, 'हां, लेकिन इनमें से कोई भी बात सही नहीं है।' राष्ट्रपति ने कहा, 'वह वहां एक तरह के काफी हद तक अर्ध-नियमित काम से गए हैं। मुझे लोगों को निराश करने से नफरत है।' ट्रंप ने यह नहीं बताया कि रैटक्लिफ रूस कब पहुंचे, वह किन लोगों से मुलाकात कर रहे हैं या उनकी यात्रा का सटीक उद्देश्य क्या है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि सीआईए निदेशक कितने समय तक रूस में रहेंगे। हालांकि राष्ट्रपति ने इस यात्रा को व्यापक रूप से अपने प्रशासन के उस प्रयास से जोड़ा, जिसका उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त करना है।

उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन के साथ युद्ध का अंत देखना चाहते हैं।' ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि यदि रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किए जाने के समय वह राष्ट्रपति होते, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'यह ऐसा युद्ध है, जो मेरे राष्ट्रपति होने पर कभी शुरू नहीं होता। यह उन नकारात्मक परिणामों में से एक है, जो मेरे सत्ता में न होने के कारण सामने आए।'

विवादों से आगे बढ़कर अमेरिकी लोगों तक संगठन का संदेश पहुंचाएगा मोहन भागवत का संबोधन : गायिका मैरी मिलबेन

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। अमेरिका की लोकप्रिय गायिका मैरी मिलबेन ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने न्यूयॉर्क संबोधन को विवादों से आगे बढ़कर संगठन के कार्यों और उसके संदेश को सीधे अमेरिकी लोगों तक पहुंचाने के लिए कर सकते हैं।

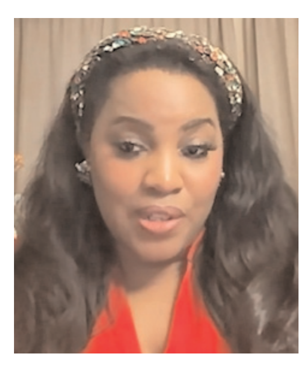

उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'सबसे पहले मैं आरएसएस प्रमुख का अमेरिका में स्वागत करती हूं। मुझे लगता है कि जब ऐसे विवाद शुरू होते हैं तो हम किसी का अपने देश में स्वागत करने की मूल भावना को भूल जाते हैं।' मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं। यह कार्यक्रम एकता और आपसी जुड़ाव के विषय पर केंद्रित है, लेकिन इसे लेकर शहर में राजनीतिक बहस भी शुरू हो गई है। मैरी मिलबेन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय से बाहर अधिकांश अमेरिकी आरएसएस के बारे में बहुत कम जानते हैं। अगर आप न्यूयॉर्क की सड़कों पर किसी आम अमेरिकी से बात करें तो उसे शायद यह भी पता नहीं होगा कि आरएसएस क्या है।

उन्होंने माना कि संगठन अतीत में कुछ विवादों का हिस्सा रहा है, लेकिन उनका कहना था कि उसके नेताओं को न्यूयॉर्क के इस कार्यक्रम का इस्तेमाल आज के समय में आरएसएस के संदेश को समझाने के लिए करना चाहिए। मिलबेन ने कहा, 'मुझे लगता है कि आरएसएस प्रमुख और संगठन के नेताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे लोगों को बताएं कि आज के समय में आरएसएस का संदेश क्या है।'

उन्होंने कहा कि मेरी उम्मीद है कि आरएसएस प्रमुख इस कार्यक्रम का उपयोग अमेरिकी जनता को आरएसएस के सकारात्मक पहलुओं के बारे में बताने के लिए करेंगे, खासकर हिंदू समुदाय के समर्थन से जुड़े उसके कार्यों के बारे में। मिलबेन ने कार्यक्रम के आयोजकों से अन्य धर्मों के प्रतिनिधियों को भी शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर इस कार्यक्रम का विषय एकता और समरसता है तो यह एक अच्छा मौका है कि वे अन्य समुदायों और धर्मों के लोगों को भी आमंत्रित करें। इससे यह दिखाया जा सकता है कि आरएसएस और प्रधानमंत्री के धार्मिक स्वतंत्रता के संदेश को व्यापक समर्थन प्राप्त है।

काठमांडू-बीजिंग राजदूतों के साथ विदेश मंत्री ने की बैठक, बचाव कार्यों और लोगों की सुरक्षा पर चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नेपाल के तीन जिलों में भोटेकोसी नदी में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विशेष समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विदेश मंत्रालय की टीम और काठमांडू तथा बीजिंग में भारत के राजदूत मौजूद रहे। इस दौरान राहत और बचाव कार्यों के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद लोगों की सुरक्षा पर चर्चा की गई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि नेपाल में आई बाढ़ की आपदा को लेकर मैंने विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय (एमईए) की टीम और काठमांडू तथा बीजिंग में भारत के राजदूतों के साथ समीक्षा बैठक की। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद सभी भारतीयों की स्थिति और उनकी सुरक्षा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं।''उन्होंने बताया कि इस संबंध में विदेश मंत्रालय विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों, टूर ऑपरेटरों और परियोजना से जुड़े अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। हम राहत और बचाव कार्यों के साथ-साथ इस मामले में नेपाल सरकार और संबंधित अधिकारियों के साथ भी करीबी संपर्क में हैं और मिलकर काम कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया का पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण हमारा लक्ष्य : अमेरिका

विश्व केसरी

सोल। अमेरिका ने उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के अपने लक्ष्य को दोहराया है। दावा किया है कि उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच संभावित शिखर वार्ता को लेकर अटकलें तेज हैं।

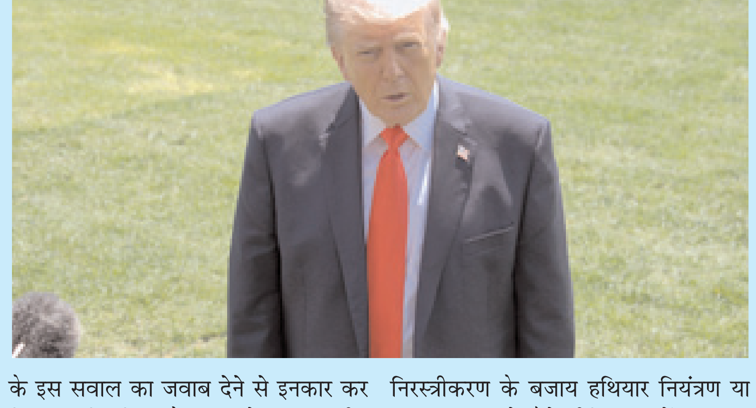

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा, 'अमेरिका उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।' विभाग ने ईमेल से इसका जवाब दिया। यह प्रतिक्रिया योनहाप न्यूज एजेंसी के उस सवाल के जवाब में दी, जिसमें पूछा गया था कि क्या ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य अब भी उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण ही है। दरअसल, पिछले सप्ताह ट्रंप ने एक पत्रकार के इस सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया था कि किम के साथ दोबारा बातचीत शुरू करने की स्थिति में उनका लक्ष्य परमाणु निरस्त्रीकरण होगा या नहीं। इसके बाद आशंका पैदा हुई थी कि अमेरिका अपनी नीति में बदलाव कर सकता है और परमाणु निरस्त्रीकरण के बजाय हथियार नियंत्रण या तनाव कम करने जैसे सीमित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

हालांकि, विदेश विभाग के बयान ने इन अटकलों को फिलहाल खारिज कर दिया है। इससे पहले बुधवार को एक अमेरिकी अधिकारी ने भी योनहाप को बताया था कि अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ट्रंप इस साल उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बैठक की संभावना तलाश रहे हैं। लेकिन प्योंगयांग लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को अपनी सुरक्षा का अपरिवर्तनीय हिस्सा बताता रहा है और परमाणु हथियारों को छोड़ने से इनकार करता रहा है।

इस बीच, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हालिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के दायरे में कमी किए जाने से भी सवाल उठे हैं कि क्या वाशिंगटन उत्तर कोरिया के साथ बातचीत के लिए अपनी स्थिति नरम कर रहा है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि सोल और वाशिंगटन अब भी कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

रक्षाबंधन को लेकर अंतागढ़ में उत्साह राखी की दुकानों पर उमड़ी भीड़

महंगाई के बावजूद भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के पर्व को लेकर बहनों में खासा उत्साह

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पवित्र पर्व रक्षाबंधन आज पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर अंतागढ़ नगर में पिछले कुछ दिनों से बाजार में रौनक बढ़ गई है। नगर की प्रमुख दुकानों और बाजार क्षेत्रों में तरह-तरह की आकर्षक राखियों की दुकानें सजकर तैयार हैं। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर राखी खरीदने के लिए बहनों और बच्चों की भीड़ दुकानों पर उमड़ती रही। बाजार में इस बार बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर, फैंसी एवं रंग-बिरंगी राखियों के साथ युवाओं के लिए डिजाइनर राखियां तथा पारंपरिक रक्षा सूत्र भी उपलब्ध हैं। बहनें अपने भाइयों की पसंद के अनुसार राखियां खरीदती नजर आईं। दुकानदारों के अनुसार पर्व के चलते राखियों की बिक्री में अच्छी तेजी आई है।

महंगाई की मार, फिर भी उत्साह बरकरार - इस बार रक्षाबंधन पर महंगाई का असर बाजार में साफ दिखाई दे रहा है। राखियों के दाम पिछले वर्ष की तुलना में बढ़े हैं। इसके बावजूद भाई की कलाई पर प्रेम और विश्वास का रक्षा सूत्र बांधने को लेकर बहनों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। लोग अपनी क्षमता के अनुसार राखियों के साथ मिठाई और उपहार की खरीदारी कर रहे हैं। रक्षाबंधन के चलते कपड़ा दुकानों में भी अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। भाई-बहन के लिए नए कपड़े, बच्चों के परिधान और अन्य उपहार सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजार में चहल-पहल बनी हुई है।

मिठाइयों के दाम बढ़ने से जेब पर अतिरिक्त बोझ : रक्षाबंधन पर मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ ही मिठाई दुकानों में भी ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। हालांकि शक्कर समेत विभिन्न सामग्री के दाम बढ़ने का असर मिठाइयों की कीमतों पर भी पड़ा है। दुकानदारों के अनुसार लागत बढ़ने के कारण मिठाइयों के दामों में वृद्धि हुई है। ऐसे में इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व मनाने में लोगों की जेब पर महंगाई का अतिरिक्त भार भी स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। महंगाई के बावजूद भाई-बहन के रिश्ते की मिठास में कोई कमी नहीं आई है। बहनें राखी, मिठाई और उपहार लेकर अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने की तैयारी में हैं, वहीं भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनके सुख-दुख में साथ रहने और उनकी रक्षा का संकल्प लेने को उत्साहित हैं।

यह रहेगा राखी बांधने का शुभ मुहूर्त - नगर के पंडित भूपेंद्र पांडेय ने बताया कि श्रावण पूर्णिमा 27 अगस्त की सुबह शुरू होकर 28 अगस्त की सुबह समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि राखी बांधने का मुख्य शुभ समय सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक रहेगा, उन्होंने बताया कि लाभ मुहूर्त सुबह 7:33 बजे से 9:10 बजे तक तथा अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त सुबह 9:10 बजे से 9:48 बजे तक रहेगा। यदि किसी कारणवश सुबह राखी बांधना संभव न हो तो दोपहर 12:23 बजे से 2 बजे तक भी राखी बांधी जा सकती है।

बिलासपुर तहसील की कार्यप्रणाली पर सवाल

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। जमीन और राजस्व से जुड़े मामलों में कथित देरी तथा कार्यप्रणाली को लेकर बिलासपुर तहसील कार्यालय एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नामांतरण, बंटवारा, खाता विभाजन और राजस्व अभिलेखों में प्रविष्टि जैसे मामलों में बढ़ती पेंडेंसी के बीच मोपका और जुना बिलासपुर क्षेत्र से जुड़े कुछ राजस्व प्रकरणों के कथित रूप से ऑफलाइन संचालित होने को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कई प्रकरण निर्धारित ऑनलाइन व्यवस्था में दर्ज होने के बजाय कागजी फाइलों के माध्यम से आगे बढ़ाए जा रहे हैं। सबसे गंभीर आरोप कथित तौर पर सुविधा शुल्क के आधार पर काम की गति प्रभावित होने का है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिन मामलों में कथित रूप से 'भेंट-पूजा' नहीं होती, वे लंबे समय तक लंबित रहते हैं, जबकि प्रभावशाली अथवा कथित रूप से भुगतान करने वाले पक्षकारों के प्रकरण अपेक्षाकृत तेजी से निपटाए जाने के आरोप हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है, लेकिन शिकायतों ने तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

ई-कोर्ट व्यवस्था के बीच ऑफलाइन प्रकरण क्यों?

राजस्व न्यायालयों में ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने का प्रमुख उद्देश्य कार्यवाही में पारदर्शिता बढ़ाना और पक्षकारों को अपने प्रकरण की स्थिति, अगली सुनवाई, आदेश तथा अन्य कार्रवाई की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि कोई राजस्व प्रकरण नियमित ऑनलाइन व्यवस्था से बाहर रखकर ऑफलाइन संचालित किया जा रहा है तो उसके औचित्य और वैधानिक आधार को स्पष्ट किया जाना आवश्यक है। मोपका और जुना बिलासपुर क्षेत्र से जुड़े कथित ऑफलाइन प्रकरणों को लेकर अब कई सवाल सामने आ रहे हैं -ऐसे कितने मामले हैं? वे ई-कोर्ट में दर्ज क्यों नहीं हैं? उन्हें ऑफलाइन संचालित करने की अनुमति किस अधिकारी ने दी? क्या इसके लिए कोई लिखित आदेश या शासन का स्पष्ट प्रावधान मौजूद है? और इन प्रकरणों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है या नहीं?

किसके आदेश पर चल रही है ऑफलाइन व्यवस्था?

मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि यदि किसी विशेष परिस्थिति में राजस्व प्रकरण को ऑफलाइन संचालित करने की अनुमति है तो संबंधित आदेश, शासन निर्देश या सक्षम अधिकारी की स्वीकृति स्पष्ट होनी चाहिए। यदि ऐसी कोई अनुमति नहीं है तो फिर ऑफलाइन फाइलों के संचालन की जिम्मेदारी तय कर उसकी जांच की जानी चाहिए। पारदर्शिता के लिए यह भी जरूरी होगा कि जिला प्रशासन तहसील कार्यालय में लंबित सभी ऐसे प्रकरणों की सूची तैयार कर उनकी स्थिति की समीक्षा करे और यह पता लगाए कि ऑनलाइन दर्ज न होने के पीछे वास्तविक कारण क्या है।

नीट में शिक्षक के पुत्र-पुत्री ने लहराया परचम

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। कसडोल नगर के शिक्षक फगवा राम जायसवाल एवं शिक्षिका कुसुम जायसवाल की पुत्री लीना एवं पुत्र मुक्तेश दोनों भाई-बहन ने नीट प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित किये।

वर्ष 2025 में बेटी का अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के लिए चयन हुआ ,वही उनके भाई ने इस वर्ष 2026 मे शासकीय मेडिकल कॉलेज दुर्ग में अपना सीट निर्धारित कर पढ़ाई करेगा।एक ही परिवार के दो होनहार बच्चों का मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर बनने की राह पर चयन होना पूरे परिवार के लिए अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है । दोनों भाई बहनों की सफलता से परिवार समाज और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता के मार्गदर्शन, अनुशासन के साथ-साथ नियमित अध्ययन व लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत को दिया है। उनका कहना है की माता-पिता ने शिक्षक के रूप में नई पीढ़ी को दिशा दिखा रहे हैं ,उसी प्रकार हम भी चिकित्सक के रूप में देश व समाज की सेवा करना चाहते हैं। इनके चयन होने पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, क्षेत्रीय विधायक संदीप साहू , नगर पंचायत अध्यक्ष नागेश्वर साहू, उपाध्यक्ष सुदीप मानिकपुरी विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ध्रुव , समाज अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल एवं गुरुजनों ने शानदार सफलता के लिए दोनों बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किये है।

छत्तीसगढ़ की बेटियों ने सीयूईटी-पीजी में सफलता हासिल कर केंद्रीय विश्वविद्यालयों में बनाया स्थान

विश्व केसरी

दुर्गकोंदल। कंगलू कुम्हार शासकीय महाविद्यालय, दुर्गूकोंदल की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा CUET-PG में सफलता हासिल कर न केवल अपने महाविद्यालय, बल्कि पूरे अंचल का नाम रोशन किया है। महाविद्यालय में अध्ययनरत तीन छात्राओं ने CUET-PG के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है।

महाविद्यालय की बी.एससी. की छात्रा ऋचा नुरेटी, पिता जयराम, ग्राम टेकाढ़ोड़ा (कच्चे), ने CUET-PG में सफलता प्राप्त कर गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.एससी. रसायन शास्त्र में प्रवेश लिया है।

इसी प्रकार बी.ए. की छात्रा पूजा कोवाची, पिता नदेश कुमार कोवाची, ग्राम गुलालबोड़ी, दुर्गूकोंदल, ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में एम.ए. अर्थशास्त्र में प्रवेश प्राप्त किया है। वहीं बी.कॉम. की छात्रा आकांक्षा राजपूत, पिता धरमपाल, ग्राम कापसी (पखांजूर), ने इसी विश्वविद्यालय में एम.कॉम. में दाखिला लिया है।

इन छात्राओं की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल से आने वाली इन छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षा में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्थान बनाया है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों में भी उच्च शिक्षा के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है।

अन्य विद्यार्थियों ने भी हासिल की सफलता - महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। सुकलाल सलाम, देवेश कांगे, मुकेश गोटा, पीयूष कुमार नेताम एवं बिंदिया नुरेटी ने स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर राज्य के सबसे बड़े विश्वविद्यालय पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एम.एससी. रसायन शास्त्र में प्रवेश प्राप्त किया है।

महिला प्रकोष्ठ साहू समाज कांकेर ने पुलिस के साथ मनाया रक्षाबंधन त्यौहार

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जहां जनता के लिए दिन-रात सेवा में लगे पुलिसकर्मी जो जनता की सुरक्षा में अपने घर में भी त्यौहार अपने परिवार के साथ ठीक से मना नहीं पाते, ऐसा भाव साहू समाज के महिलाओं के द्वारा की हमारे भाइयों के हाथ में रक्षा सूत्र बांधकर भाई व बहन के प्रेम की पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन को मानते हुए बधाई व शुभकामनाएं दिया गया.

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से थाना प्रभारी जीतेन्द्र साहू, रामेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, जोंटी सिंह जी समेत पूरी कोतवाली स्टाफ व जिलाध्यक्ष साहू समाज कांकेर बंशीलाल साहू, जिला महासचिव शिवप्रसाद साहू, तहसील संगठन सचिव रोशन साहू, युवा प्रकोष्ठ जिला संयोजक विष्णु साहू, जिला सह संयोजक गिरिवर साहू, परिक्षेत्र सह संयोजक टिकेंद्र साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला प्रकोष्ठ बस्तर संभाग संयोजक सीमा साहू व जिला संयोजक दुलसिया साहू ने किया, कार्यक्रम मे जिला उपाध्यक्ष नीरा साहू,तहसील उपाध्यक्ष प्रमिला साहू, महिला प्रदेश सह संयोजक शिल्पा साहू, प्रदेश संगठन सचिव युवा प्रकोष्ठ तुमेश्वरी साहू, संयुक्त सचिव युक्ति साहू,कार्यकारिणी सदस्य खुशबू साहू, सुषमा साहू, लक्ष्मी साहू,नीतू साहू, गीता साहू, जागेश्वरी साहू, दीपेश्वरी साहू समेत अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

राजीव भवन में आदिवासी कांग्रेस सलाहकार समिति की बैठक, विधायक सावित्री मंडावी हुईं शामिल

विश्व केसरी

दुर्गकोंदल/रायपुर। रायपुर स्थित राजीव भवन में छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी शामिल हुईं। इस दौरान आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में आदिवासी समाज के हितों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाते हुए समाज की आवश्यकताओं, समस्याओं और उनके निराकरण के लिए संगठन की भूमिका पर चर्चा हुई। साथ ही आगामी दिनों में आदिवासी कांग्रेस को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने तथा समाज के बीच संगठन की पहुंच मजबूत करने को लेकर भी विचार साझा किए गए। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें उचित मंच प्रदान करना आवश्यक है। इसके लिए संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर समाज के लोगों से निरंतर संवाद स्थापित करना होगा। बैठक में आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आवश्यक रणनीति तैयार करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज, आदिवासी कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक हराबती गोंड तथा आदिवासी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जनक राम ध्रुव सहित विधायकगण एवं कोर कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

छुरा बाजार राखी पर हुआ गुलजार, त्यौहारी खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़, व्यापारियों के चेहरे खिले

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन को लेकर गुरुवार को छुरा नगर का बाजार पूरी तरह त्यौहारी रंग में रंगा नजर आया। वैसे तो प्रत्येक गुरुवार को छुरा नगर में साप्ताहिक बाजार बंद रहता है, लेकिन रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार को देखते हुए नगर के व्यापारियों ने अपनी दुकानें खुली रखीं। इसका असर बाजार की रौनक में साफ नजर आया। सुबह से ही राखी, मिठाई और कपड़ा दुकानों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ती रही और देर शाम तक बाजार में चहल-पहल बनी रही।

रक्षाबंधन की खरीदारी के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग छुरा पहुंचे। सदर बाजार, बस स्टैंड से मड़ेली रोड, बजरंग चौक से जनपद रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर राखी और मिठाई की दुकानें आकर्षक ढंग से सजी हुई थीं। रंग-बिरंगी राखियों से सजे स्टॉल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। बहनें अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखी खरीदती नजर आईं, वहीं बच्चों में भी अलग-अलग डिजाइन और आकर्षक राखियों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

साप्ताहिक बंदी के बावजूद खुला बाजार

छुरा नगर में गुरुवार को सामान्य तौर पर साप्ताहिक बाजार बंद रहता है, लेकिन रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए व्यापारियों ने त्यौहार की जरूरत और ग्राहकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अपनी दुकानें खुली रखीं। सुबह से ही दुकानों के शटर उठने शुरू हो गए और देखते ही देखते बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई। त्यौहार के चलते बंद रहने वाले गुरुवार को भी बाजार में सामान्य दिनों जैसी चहल-पहल दिखाई दी।

राखी की दुकानों में सबसे ज्यादा भीड़

राखी की दुकानों पर महिलाओं और युवतियों की भीड़ विशेष रूप से देखने को मिली। दुकानदारों ने त्यौहार को देखते हुए विभिन्न डिजाइन और वैरायटी की राखियां दुकान में सजाकर रखी थीं। पारंपरिक राखियों के साथ बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक डिजाइन वाली राखियां भी लोगों की पसंद बनीं। भाई की कलाई पर अपनी पसंद की राखी सजाने के लिए बहनें उत्साह के साथ खरीदारी करती नजर आईं।

मिठाई दुकानों में भी खूब हुई बिक्री

रक्षाबंधन पर भाई का मुंह मीठा कराने की परंपरा के चलते मिठाई दुकानों में भी अच्छी-खासी भीड़ रही। लोग परिवार और रिश्तेदारों के लिए मिठाई के पैकेट खरीदते दिखाई दिए। मिठाई के साथ गिफ्ट पैक और अन्य खाद्य सामग्री की भी मांग रही। त्यौहार के चलते मिठाई दुकानदार भी सुबह से ग्राहकों की सेवा में व्यस्त रहे।

मातृशक्तियों ने जवानों संग मनाया रक्षाबंधन

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। रक्षाबंधन के अवसर पर अखिल भारतीय भूतपूर्व सैनिक सेवा परिषद की मातृशक्तियों ने कांकेर के जंगलवार के जवानों को राखी बांधकर उनके साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान जवानों ने गीत प्रस्तुत किए और बहनों के साथ नृत्य कर माहौल को खुशनुमा बना दिया। जवानों और बहनों के बीच आत्मीय संवाद एवं भावनाओं का यह मिलन बेहद खास और यादगार रहा।

इस अवसर पर अध्यक्ष हिम साहू ने कहा कि 'आज हमने जवानों को घर जैसा महसूस कराने की पूरी कोशिश की। हम सभी ने उनके साथ नृत्य किया और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। मैं उनके मन की भावनाओं को भली-भांति समझ सकती हूं, क्योंकि मैं स्वयं भी एक पूर्व आर्मी जवान की पत्नी हूं। अपनों से दूर रहकर एक-एक दिन कैसे गुजरता है, यह एहसास मैं समझ सकती हूं। हमारा प्रयास था कि आज उन्हें अपने परिवार और अपनों की कमी महसूस न हो।'

कार्यक्रम के दौरान अमर सिंह सर (CPS) के माध्यम से जंगलवार क्षेत्र में जवानों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही संग्रहालयनुमा कक्ष में जंगलवार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों, घटनाओं एवं उपलब्धियों को देखने और समझने का अवसर भी मिला।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्रीमती खोमीन साहू, सचिव कीर्ति साहू, सह-सचिव ममता सिन्हा, कोषाध्यक्ष राजकुमारी साहू, मीडिया प्रभारी पुष्पा नेताम तथा सदस्य कुलेश्वरी नेताम, राजेश्वरी नेताम, कविता नेताम एवं संगीता नेताम शिल्पा साहू जनपद सदस्य उपस्थित रहीं। वीर जवानों के साथ मनाया गया यह रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सम्मान, स्नेह और भाई-बहन के रिश्ते की भावनाओं से जुड़ा एक यादगार अवसर बन गया।

सरस्वती शिशु मंदिर छुरा में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, छुरा की बहनों ने थाना छुरा पहुंचकर पुलिस जवानों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र एवं राखी बांधकर, तिलक लगाकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। बहनों ने पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान एवं स्नेह व्यक्त करते हुए उनके सुखद एवं सुरक्षित जीवन की मंगलकामना की।

तत्पश्चात विद्यालय परिसर में भैया-बहनों ने भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप रक्षाबंधन पर्व मनाया। बहनों ने भैयाओं की आरती उतारी और तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। इस अवसर पर भैयाओं ने बहनों की रक्षा, सम्मान और सहयोग का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार के प्राचार्य संतोष कुमार वर्मा ने रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और आपसी स्नेह का प्रतीक है। समाजसेवी शीतल ध्रुव ने रक्षाबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की संस्कृति ही हमारी पहचान है। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान और रिश्तों की अटूट डोर को मजबूत करने वाला पर्व है। यह पर्व हमें एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी, सहयोग और सम्मान की भावना रखने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, भैया-बहनों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे विद्यालय परिसर में भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और भारतीय संस्कारों की सुंदर झलक दिखाई दी।

भर्ती प्रक्रिया में एआई का तेजी से बढ़ रहा प्रभाव, 86 प्रतिशत भारतीय संगठनों ने माना बदलाव ला रही है नई तकनीक: रिपोर्ट

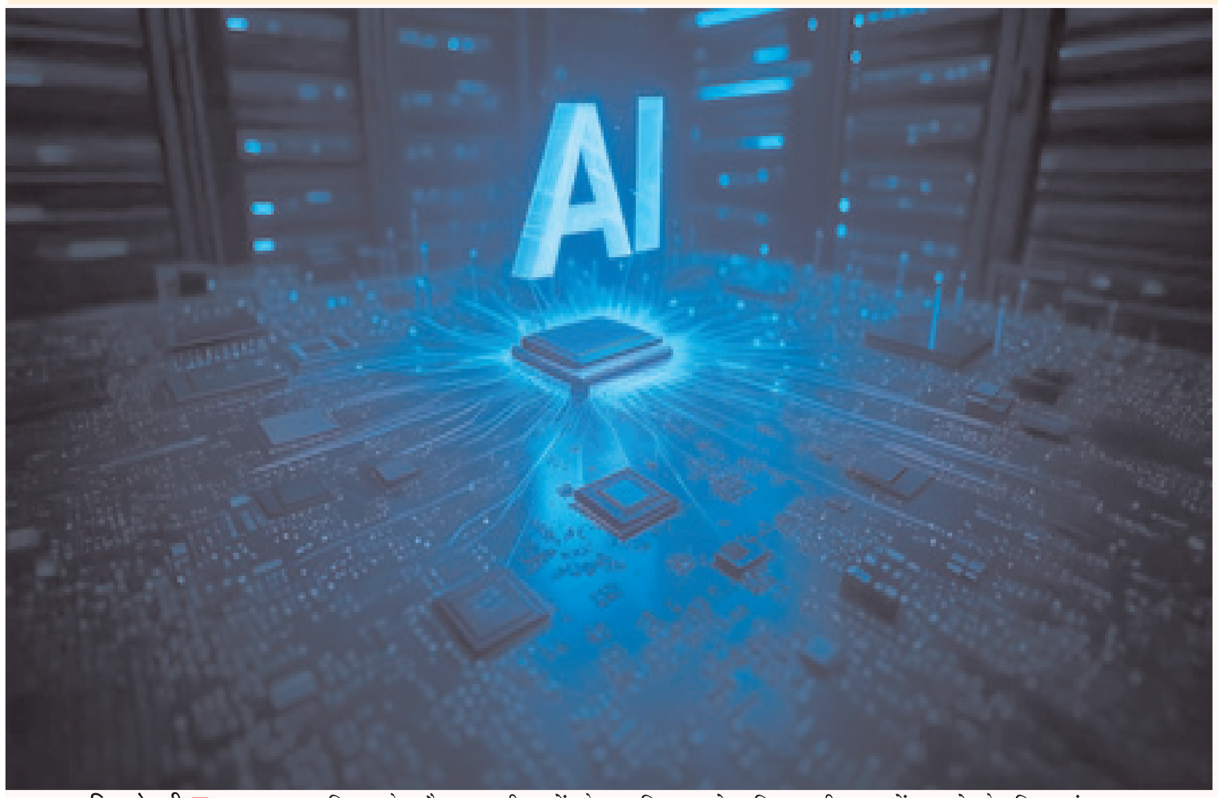

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में भर्ती प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एजेंटिक एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 86 प्रतिशत भारतीय संगठनों का मानना है कि एआई उनकी भर्ती प्रक्रिया को बदल रही है। रिज्यूमे की जांच, उम्मीदवारों का मूल्यांकन और भर्ती प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों के साथ संवाद जैसे क्षेत्र एआई के प्रमुख उपयोग के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

डेलॉइट इंडिया की 'कैंपस वर्कफोर्स ट्रेंड्स 2026' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कैंपस भर्ती अब पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, कौशल-आधारित और प्रौद्योगिकी संचालित हो गई है। कंपनियां शुरुआती करियर वाले प्रतिभाशाली युवाओं को आकर्षित करने के लिए अधिक निवेश कर रही हैं और इंटर्नशिप से स्थायी नौकरी तक पहुंचाने वाले कार्यक्रमों को मजबूत बना रही हैं।

अध्ययन में पाया गया कि भर्ती बजट में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि 80 प्रतिशत संगठनों के पास अब कैंपस भर्ती के लिए समर्पित टीमें हैं। इससे स्पष्ट है कि कंपनियां भविष्य की कार्यबल तैयार करने के लिए संस्थागत स्तर पर निवेश बढ़ा रही हैं।

एआई के उपयोग में रिज्यूमे स्क्रीनिंग सबसे प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है, जहां 72 प्रतिशत कंपनियां इस तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं।

इसके अलावा, 35 प्रतिशत संगठनों का कहना है कि एआई के बढ़ते उपयोग के चलते नई शुरुआती स्तर की नौकरियां (एंट्री-लेवल पद) और नए कौशलों की मांग पैदा हो रही है, जो पिछले वित्त वर्ष 2025 में 21 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के अनुसार, एआई और डेटा से जुड़े कौशल रखने वाले उम्मीदवारों को भर्ती के दौरान 20 से 25 प्रतिशत तक अधिक वेतन मिलने की संभावना है। वहीं विश्लेषणात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता जैसे कौशल रखने वाले उम्मीदवारों को भी 10 से 15 प्रतिशत तक अतिरिक्त वेतन प्रीमियम मिल रहा है।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि इंटर्नशिप अब स्थायी नौकरी का अधिक प्रभावी माध्यम बन रही है।

विभिन्न शैक्षणिक श्रेणियों में प्री-प्लेसमेंट ऑफर में रूपांतरण की दर बेहतर हुई है। कंपनियों के अनुसार, किसी इंटर्न को स्थायी नौकरी मिलने की संभावना का सबसे बड़ा आधार उसकी व्यवहारिक दक्षता (75 प्रतिशत) और सीखने की क्षमता (72 प्रतिशत) है।

बेहतर प्रतिभा चयन और कौशल मिलान के कारण शुरुआती स्तर पर नौकरी छोड़ने वाले कर्मचारियों की संख्या में भी कमी आई है। शीर्ष संस्थानों और टियर-1 कॉलेजों से भर्ती किए गए कर्मचारियों में शुरुआती त्याग दर 18 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गई है।

चैटजीपीटी भारत में फ्री और गो टियर यूजर्स के लिए शुरू करेगा विज्ञापन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपनएआई ने भारत में 'चैटजीपीटी ऐड' का विस्तार करने की घोषणा की है। भारत कंपनी के सबसे बड़े बाजारों में से एक है और यह कदम प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले अपने लोकप्रिय चैटबॉट से कमाई बढ़ाने की दिशा में उठाया गया है।

की शुरुआत फ्री और गो टियर पर लॉग-इन करने वाले वयस्क यूजर्स के लिए की जाएगी। भारत में चैटजीपीटी के गो टियर प्लान की कीमत 399 रुपए प्रति माह है। विज्ञापनों में दिखाए जाने वाले प्रायोजित उत्पाद या सेवाएं चैटजीपीटी के जवाबों के नीचे दिखाई देंगी।

कंपनी ने कहा कि इन विज्ञापनों पर स्पष्ट रूप से लेबल लगा होगा और उन्हें चैटजीपीटी के जवाबों से अलग तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा।

प्लस, प्रो, बिजनेस, एंटरप्राइस और एजुकेशन टियर के पेड सब्सक्राइबर्स को पहले की तरह विज्ञापन-मुक्त सेवा मिलती रहेगी।

ओपनएआई ने कहा कि यूजर्स की चैट, चैट हिस्ट्री, मेमोरी या व्यक्तिगत जानकारी विज्ञापनदाताओं के लिए उपलब्ध नहीं होगी, क्योंकि कंपनी यूजर्स का डेटा विज्ञापनदाताओं को नहीं बेचती है। इसके बजाय विज्ञापनदाताओं को कैंपेन के प्रदर्शन से जुड़ी समेकित जानकारी, जैसे विज्ञापन कितनी बार दिखा और कितने क्लिक मिले, उपलब्ध कराई जाएगी।

ओपनएआई ने यह भी कहा कि जिन अकाउंट्स में यूजर ने खुद को 18 साल से कम उम्र का बताया है, या जहां कंपनी यह निर्धारित करती है कि यूजर नाबालिग है, वहां विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य या राजनीति जैसे संवेदनशील अथवा विनियमित विषयों से जुड़े जवाबों के साथ भी विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे।

ओपनएआई ने बताया कि इस सप्ताह 50 से अधिक ब्रांडों के विज्ञापन लाइव होने की उम्मीद है। कंपनी भारत में 4 सितंबर से चैटजीपीटी ऐड मैनेजर की सेल्फ-सर्विस सुविधा भी शुरू करने की योजना बना रही है। ब्रांड 725 रुपए प्रतिदिन से शुरू होने वाले बजट के साथ विज्ञापन अभियान चला सकेंगे।

इस महीने की शुरुआत में चैटजीपीटी के वैश्विक साप्ताहिक यूजर्स की संख्या 1 अरब के पार पहुंच गई थी। फरवरी 2026 तक भारत इसके लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बना हुआ था, जहां छात्रों, डेवलपर्स, शिक्षकों और उद्यमों सहित 10 करोड़ से अधिक साप्ताहिक यूजर्स थे।

ओपन एआई ने पहली बार जनवरी 2026 में चैटजीपीटी के भीतर विज्ञापनों का परीक्षण शुरू करने की योजना की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य आय के स्रोतों में विविधता लाना और विस्तार को गति देना था।

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना दिल के लिए बन सकता है खतरा, जाने सेहत पर कैसे डालता है असर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज के समय में लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत बनती जा रही है। काम शुरू करने के बाद कई लोग लगातार घंटों बीत जाने के बाद भी कुर्सी से उठते नहीं हैं। बीच में खाना, चाय और फोन जैसी चीजें भी अक्सर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। बाहर से देखने पर यह दिनचर्या आरामदायक लग सकती है, लेकिन शरीर के लिए लगातार कम एक्टिव रहना अच्छी बात नहीं है। कई वैज्ञानिक रिसर्च में लंबे समय तक बैठे रहने और दिल से जुड़ी बीमारियों के बीच संबंध पाया गया है।

जब हम लंबे समय तक बैठे रहते हैं, तो हमारा शरीर बहुत कम काम करता है। पैरों और शरीर की दूसरी मांसपेशियां भी ज्यादा नहीं चलतीं। ऐसे में शरीर जितनी ऊर्जा चलने-फिरने के दौरान खर्च करता है, उतनी बैठने पर नहीं करता। अगर यह आदत रोज बनी रहे तो वजन बढ़ सकता है, ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और ब्लड शुगर को संभालना भी मुश्किल हो

सकता है। ये सभी चीजें लंबे समय में दिल की बीमारी का खतरा बढ़ा सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी लोगों को लंबे समय तक बैठे रहने का समय कम करने और दिन में ज्यादा एक्टिव रहने की सलाह दी है।

लंबे समय तक बैठे रहने और दिल की बीमारी के बीच संबंध को लेकर कई रिसर्च हुई हैं। 2024 में प्रकाशित एक रिसर्च में करीब 4.8 लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि जो लोग काम के दौरान ज्यादातर समय बैठे रहते थे, उनमें दिल की बीमारी से मौत का खतरा उन लोगों की तुलना में ज्यादा था जो काम के दौरान कम बैठते थे। रिसर्च में यह भी सामने आया कि रोजाना थोड़ी ज्यादा शारीरिक गतिविधि करने से इस खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है।

बता दें कि दिल की बीमारी का खतरा उम्र, वजन, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान और खान-पान जैसी कई चीजों पर भी निर्भर करता है। समस्या तब ज्यादा बढ़ सकती है, जब लंबे समय तक बैठने के साथ चलना-फिरना भी बहुत कम हो। कई घंटे एक ही जगह बैठे रहने से पैरों की मांसपेशियां ज्यादा काम नहीं करतीं। कुछ लोगों को लंबे समय तक बैठने के बाद पैरों में भारीपन, अकड़न या हल्की सूजन महसूस हो सकती है। यही कारण है कि काम के बीच थोड़ी देर उठना और चलना शरीर के लिए अच्छा माना जाता है। बार-बार छोटे ब्रेक लेने से शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में नहीं रहता।

रीढ़ को लचीला बनाता है तिर्यक ताड़ासन, जानें करने के सही तरीके और फायदे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और खराब खानपान की वजह से कई तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। ऐसे में खुद को तरोताजा और फिट रखने के लिए योग से बेहतर कोई दूसरा विकल्प नहीं है। इन्हीं आसनों में से एक है तिर्यक ताड़ासन, जो पेट और कमर के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

आयुष मंत्रालय और योग संस्थानों के दिशा-निर्देशों के अनुसार, तिर्यक ताड़ासन (झूलते ताड़ के पेड़ की मुद्रा) शरीर को लचीला बनाने और संतुलन सुधारने का एक बेहतरीन योगासन है। यह एक आसान और प्रभावी खड़े होकर किया जाने वाला आसन है, जिसमें शरीर को साइड की ओर झुकाया जाता है। इस आसन में सजगता बहुत जरूरी है।

तिर्यक ताड़ासन के अभ्यास के लिए, सबसे पहले ताड़ासन की मुद्रा में खड़े होकर पैरों को कंधों की चौड़ाई जितना अलग रखें, शरीर सीधा और हाथ नीचे रखें। सांस भरते हुए, दोनों हाथों की उंगलियां इंटरलॉक करें, हथेलियां ऊपर करके सिर के ऊपर सीधे उठाएं और कोहनियां सीधी रखें। इस दौरान, सांस छोड़ते हुए कमर से बाईं या दाईं ओर धीरे झुकें। इस पोज में 10 से 30 सेकंड तक रुकें और सामान्य तरीके से सांस लेते रहें। यह 3 से 5 बार कर सकते हैं।

यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, कमर दर्द और साइड में जकड़न को कम करता है। पेट और आंतों की मालिश होती है, जिससे पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज दूर होता है। बगल, कंधे, छाती और हाथों की मांसपेशियां स्ट्रेच होने के साथ मजबूत भी होती हैं। फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, सांस लेना आसान होता है। संतुलन और एकाग्रता में सुधार आता है, तनाव कम होता है। शरीर की एनर्जी बढ़ती है। नियमित अभ्यास से कमर की चर्बी घटती है।

हालांकि, आयुष मंत्रालय ने कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी हैं। उनके अनुसार, जिन लोगों को पीठ, रीढ़ की हड्डी या पेट में चोट लगी हो, उन्हें यह आसन करने से बचना चाहिए। साथ ही, गर्भवती महिलाओं को सावधानी बरतनी चाहिए।

कूल्हों की जकड़न और तनाव दूर करेगा 'एका पाद राजकपोतासन'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्राचीन भारतीय परंपरा में योग एक ऐसी प्रभावशाली पद्धति है, जो तन और मन के बीच संतुलन बनाने में मदद करता है। योग के इन्हीं आसनों में 'एका पाद राजकपोतासन' एक महत्वपूर्ण उन्नत आसन है, जो कूल्हों और जांघों की जकड़न दूर करने में मदद करता है।

'एका पाद राजकपोतासन' संस्कृत के 'एका पाद' (पैर), 'राज' (अर्थात 'श्रेष्ठ'), 'कपोत' (अर्थात कबूतर) और 'आसन' (अर्थात मुद्रा) से मिलकर बना है। यह आसन कूल्हों, जांघों के आगे वाले हिस्से और ग्लूट्स (यानी नितंबों), पैरों और घुटने-टखने के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, 'एका पाद राजकपोतासन' उन्नत स्तर का योगासन है, जो कूल्हों के जोड़ और रीढ़ को लचीला बनाने वाला बैकबेंड अभ्यास है। नियमित और सही विधि से इसका अभ्यास शरीर को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मन को एकाग्र और शांत रखने में भी सहायक हो सकता है। इसलिए योगाभ्यास में एका पाद राजकपोतासन का विशेष महत्व माना जाता है।

यह आसन शरीर और मन का तालमेल बनाने में मदद करता है। आधुनिक जीवनशैली में जहां दफ्तर में घंटों बैठने से कूल्हों और रीढ़ की हड्डी में जो जकड़न हो जाती है, यह आसन उसे गहराई से मुक्त करने का काम करता है। कूल्हों को नकारात्मक भावनाओं और तनाव का संचय स्थल माना जाता है। ऐसे में एक पाद राजकपोतासन का अभ्यास न केवल पेल्विक रीजन को लचीला बनाता है, बल्कि भावनात्मक तनाव को हटाकर मन को एक नई ऊर्जा और शांति से भर देता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पर्वतासन यानी सीधे खड़े हो जाएं। अब सांस भरते हुए अपना दाहिना पैर ऊपर छत की तरफ उठाएं। सांस छोड़ते हुए दाहिने घुटने को आगे लाकर नाक के पास तक ले जाएं।

गौतमबुद्ध नगर में बढ़ा स्वाइन फ्लू और डेंगू का खतरा, संक्रमित मरीजों की संख्या 140 पहुंची

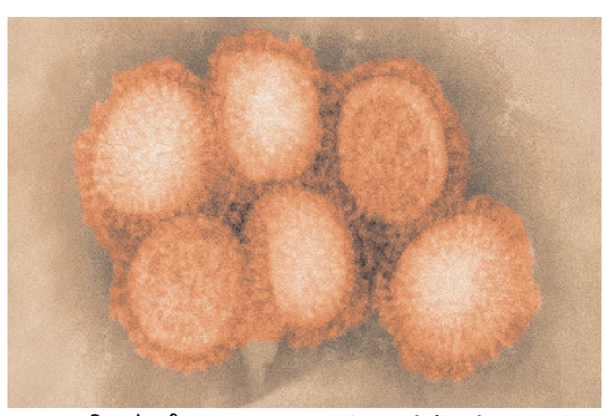

विश्व केसरी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में स्वाइन फ्लू और डेंगू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। जिले में स्वाइन फ्लू संक्रमण के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले आंकड़ों की तुलना में 20 नए मरीज सामने आने के बाद स्वाइन फ्लू से प्रभावित मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 140 हो गई है। लगातार बढ़ रहे मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। विभाग की ओर से लोगों को बदलते मौसम के बीच विशेष सावधानी बरतने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, स्वाइन फ्लू से संक्रमित मरीजों में मुख्य रूप से तेज बुखार, सूखी खांसी और गले में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा कुछ मरीजों में कमजोरी, शरीर में दर्द और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें भी सामने आ सकती हैं। चिकित्सकों का कहना है कि शुरुआती लक्षणों को सामान्य वायरल बुखार समझकर नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है। खासकर लगातार तेज बुखार या खांसी की समस्या रहने पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वाइन फ्लू की पहचान के लिए रैपिड एंटीजन किट के माध्यम से नि:शुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना है। अधिकारियों के मुताबिक संक्रमण के लक्षण वाले लोगों को जांच कराने में देरी नहीं करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि स्वाइन फ्लू और डेंगू दोनों ही बीमारियों के लक्षणों में शुरुआती स्तर पर कुछ समानताएं हो सकती हैं, इसलिए बिना जांच और चिकित्सकीय सलाह के खुद से दवा लेना उचित नहीं है। विशेष रूप से बुखार आने पर मरीज को पर्याप्त आराम और तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए तथा डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही उपचार लेना चाहिए। स्वाइन फ्लू के साथ-साथ जिले में डेंगू के खतरे को देखते हुए।

रोज 5 मिनट करें पूर्वोत्तानासन, कमर-कंधे होंगे मजबूत और तनाव होगा दूर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का रामबाण उपाय है। यह शरीर को स्ट्रेच करके सभी तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात पाने में मदद भी करता है। इन्हीं आसनों में एक पूर्वोत्तानास भी है, जो बाजुओं, कंधों, कमर और पैरों को मजबूत बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

पूर्वोतानासन का नाम दो शब्दों के मेल से बना है 'पूर्व', और 'उत्तान'। 'पूर्व' यानी 'पूर्व दिशा' या 'शरीर का अगला हिस्सा', और 'उत्तान' का मतलब है 'खिंचा हुआ'। इस आसन से आपका स्वास्थ्य अच्छा होता है और तनाव से भी मुक्त रहते हैं।

आयुष मंत्रालय ने इसे एक महत्वपूर्ण योगासन बताया है। उनके अनुसार, यह एक ऐसा योगासन है,

जो शरीर के पूरे भार को हाथों और पैरों पर संतुलित करके, मुख्य रूप से हाथों, कलाई, पीठ, जांघों और कंधों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह आसन शरीर में ऊर्जा का संचार, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और पेट की मांसपेशियों को बेहतर बनाता है। पूर्वोत्तानासन का अभ्यास करने से पेट में दबाव पड़ता है, जिससे पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती है और पेट के आसपास जमी चर्बी भी कम होने लगती है। इसी के साथ ही, पूर्वोत्तानासन शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है, जिससे ऊर्जा का संचार होता है। इसके रोजाना अभ्यास करने से पीठ दर्द और सिरदर्द में आराम मिलता है, पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और कमर दर्द में राहत बनी रहती है। साथ ही, ब्लड सर्कुलेशन की वजह से सिरदर्द भी कम होता है।

आयुर्वेद के अनुसार, यह शरीर में लचीलापन बढ़ाता है। साथ ही, यह शरीर की मांसपेशियों में भी लचीलापन लाता है और शरीर में ऊर्जा का संचार भरता है, तथा दिमाग भी तेज चलता है।

आसन को करने के दौरान शरीर का भार हाथों और कलाइयों पर होता है। इसलिए कलाई में चोट वाले लोगों को इस आसन से बचना चाहिए। इसके अलावा, गर्दन की किसी भी चोट से पीड़ित लोगों को या तो इस आसन को करने से पूरी तरह बचना चाहिए या आसन का अभ्यास करते समय कुर्सी का सहारा लेना चाहिए।

कोलंबो टेस्टः सोनल दिनुषा ने जड़ा लगातार दूसरा शतक, श्रीलंका ने 'ड्रॉ' करवाया मैच, भारत ने 1-0 से जीती सीरीज

विश्व केसरी ■

कोलंबो। भारत-श्रीलंका के बीच सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच 'ड्रॉ' पर समाप्त हुआ। इसी के साथ टीम इंडिया ने 2 मुकाबलों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। गुरुवार को मुकाबले के पांचवें दिन मेजबान देश ने अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 429 रन बना लिए थे, जिसके बाद दोनों देशों ने ड्रॉ पर सहमति जताई।

भारतीय टीम चाहती थी कि वह मुकाबले के पांचवें दिन श्रीलंकाई टीम के अंतिम 4 विकेट जल्द लेकर आसान टारगेट को हासिल करते हुए जीत दर्ज करे, लेकिन सोनल दिनुषा ने मुकाबले की लगातार दूसरी पारी में शतक लगाकर मेहमान टीम के इरादों पर पानी फेर दिया।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में देवदत्त पड्डिकल और शुभमन गिल के बीच 120 रन की साझेदारी हुई, जबकि ऋषभ पंत ने ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जोड़े।

पड्डिकल ने 12 चौकों के साथ 117 रन की पारी खेली, जबकि जुरेल ने नाबाद 115 रन बनाए। पंत 63 रन और कप्तान गिल 50 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से असिथा फर्नांडो ने 4 विकेट चटकाए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा ने 2-2 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई। मेजबान टीम ने 35 के स्कोर तक 3 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा (80) ने कामिंदु मेंडिस (32) के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन जोड़कर टीम को संभाला।

श्रीलंका ने 173 के स्कोर तक 7 विकेट खो दिए थे। इसके बाद सोनल दिनुषा (103) ने मोर्चा संभाला। उन्होंने केशरा नुवानुथा के साथ 57 रन, जबकि लाहिरू कुमारा (12) के साथ 58 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 290 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन फॉलोऑन नहीं बचा सके। भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि सारांश जैन को 2 सफलताएं हाथ लगीं।

भारत ने श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 63 के स्कोर तक 2 विकेट खो दिए थे। इसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा ने कामिंदु मेंडिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 115 रन जोड़कर टीम को 178 के स्कोर तक पहुंचाया।

सूरियाबंदारा 92 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चौथे दिन की समाप्ति तक मेजबान टीम ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 229 रन बना लिए थे। यहां से उसके पास सिर्फ 16 रन की बढ़त थी, लेकिन अंतिम दिन भारतीय टीम श्रीलंका के आखिरी 4 विकेट हासिल नहीं कर सकी।

सोनल दिनुषा ने केशरा नुवानुथा के साथ सातवें विकेट के लिए 112 रन जोड़। केशरा 4 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद सोनल ने मोर्चा संभाले रखा। सोनल अंत तक क्रीज पर टिके रहे। उन्होंने 264 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों के साथ 133 रन की नाबाद पारी खेली। इस पारी में भारत के लिए रवींद्र जडेजा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और सारांश जैन को 1-1 विकेट हाथ लगा।

भारत ने सीरीज का पहला मैच 165 रन से अपने नाम किया था, जिसके बाद सीरीज ड्रॉ करवाने के लिए श्रीलंकाई टीम को यह मुकाबला हर हाल में जीतना था, लेकिन दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहने के बावजूद यह सीरीज भारत ने अपने नाम कर ली।

यूएस ओपनः मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया।

मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लव पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया।

दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाईब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया। वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाईब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव पर टाईब्रेक जीत के बाद आए थे।

मैच के बाद मुचोवा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी। हम बस मजे करने और इस मिक्स्ड डबल्स का आनंद लेने आए थे। अब हम यहां खड़े हैं।

मेन्सिक ने इस बड़ी जीत पर कहा, 'मैं पहली बार यहां खड़ा हुआ हूं। टूर्नामेंट से पहले मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह बहुत मजेदार है। यह जीत अद्भुत है।

'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रमः पंजाबी विश्वविद्यालय में वीसी और अंतरराष्ट्रीय पहलवान अरुंधती चौधरी ने विद्यार्थियों से बातचीत की

विश्व केसरी ■

पटियाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम के तहत देशभर के युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को खेलों से जुड़ने, फिटनेस को प्राथमिकता देने और 'खेलो इंडिया' अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पटियाला स्थित पंजाबी विश्वविद्यालय में भी विद्यार्थियों को दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर (वीसी) और अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर अरुंधती चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दोनों ने विद्यार्थियों और युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और खेलों के महत्व पर बातचीत की।

वाइस चांसलर ने कहा कि 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रमों से बच्चों को खेलों के साथ जोड़ने में मदद मिल रही है।

खेलों के माध्यम से युवाओं की फिटनेस बेहतर होती है और उनका समय सकारात्मक गतिविधियों में इस्तेमाल होता है। उन्होंने कहा कि खेल तनाव और अवसाद जैसी स्थितियों से निपटने में भी मददगार हो सकते हैं और युवाओं को नशे से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सीपीएल 2026: टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

विश्व केसरी ■

त्रिनिदाद। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही।

ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी।

त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए।

कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही।

सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड, जोशुआ बिशप और कियोन गैस्टन ने 1-1 विकेट लिए।

इससे पहले, सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 211 रन बनाए थे।

टीम के लिए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने नाबाद शतक लगाया। दाएं हाथ के इस विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ने मात्र 61 गेंदों पर 5 छक्कों और 9 चौकों की मदद से नाबाद 105 रन की पारी खेली।

'मैं 90 प्रतिशत फिट, लॉर्ड्स टेस्ट में कप्तानी के लिए तैयार हूं': बाबर आजम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच 3 टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू हो रहा है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम इंजरी की वजह से पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे, लेकिन दूसरे टेस्ट उनके खेलने की संभावना है।

हाथ की चोट से जूझ रहे बाबर आजम ने पिछले एक सप्ताह में फिट होने के लिए अच्छी ट्रेनिंग और कड़ी मेहनत की है और दूसरे टेस्ट में वापसी और टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। पहले टेस्ट में सलमान अली आगा ने कप्तानी की थी।

बाबर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैंने कुछ अभ्यास सत्र किए हैं और लॉर्ड्स टेस्ट के लिए 90 प्रतिशत फिट हूं।

जब भी आप पाकिस्तान टीम की कप्तानी करते हैं, खासकर इस मैदान पर, तो यह सम्मान की बात होती है और मैं अपना बेस्ट दूंगा। चाहे मैं कप्तान के तौर पर मैदान पर हूं या बल्लेबाजी कर रहा हूं, मैं बस अपना गेम खेलूंगा।

सहवाग और द्रविड़ के बेटे भारत की अंडर-19 टीम में शामिल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेंगे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है।

जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे।

50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे।

लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं।

वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415